सुविचार
अन्याय में सहयोग देना अन्याय के ही समान है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

12
Priyanka Chopra Shares Malti...

Ranchi ● Tuesday, 09 July 2024 ● Year : 02 ● Issue : 171 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

45 विधायकों का मिला समर्थन, विरोध में शून्य वोट, विपक्ष ने किया बहिष्कार

सीएम हेमंत ने विधानसभा में जीता विश्वास मत, सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में हेमंत सोरेन की सरकार ने विश्वास मत जीत लिया। सरकार के पक्ष में 45 विधायकों ने वोट किया। विरोध में 0 (शून्य) वोट पड़े। विपक्ष के सभी सदस्य नारेबाजी करते हुए सभी सदस्य सदन से बाहर चले गए। सरकार के विश्वास मत हासिल करने के बाद स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

भाजपा नेता अमर बाउरी ने की बहस की शुरुआत

इससे पहले विश्वास प्रस्ताव पर बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने भाग लिया। फिर हेमंत सोरेन ने उसका जवाब दिया। तब मत विभाजन कराया गया। स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी को बहस की शुरूआत करने के लिए कहा। अमर बाउरी ने सरकार पर तमाम गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सरकार की वादाखिलाफी से लेकर संताल परगना में बदलते डेमोग्राफी का मुद्दा उठाया। हेमंत सोरेन सरकार पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए। अमर बाउरी ने कहा कि आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है। अगर आदिवासी ही नहीं बचेंगे, तो किस आदिवासियत की हम बात करेंगे।

● विधानसभा से संबंधित खबरें पेज 03 पर भी पढ़ें।

विधानसभा के विशेष सत्र में विश्वास मत पर हुई चर्चा का जवाब देते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

हेमंत बोले, सदन में मुझे देखकर परेशान है विपक्ष

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बहस का जवाब दिया। कहा कि संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हम विश्वास प्रस्ताव लाए हैं। इस बीच विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर ने उन्हें रोका, लेकिन विपक्ष के सदस्य नहीं माने। इस बीच, हेमंत सोरेन ने बोलना जारी रखा। कहा कि मुझे फिर से इस सदन में देखकर इनको कैसा महसूस हो रहा है, इनका व्यवहार बता रहा है। उन्होंने 5 महीने तक सरकार चलाने वाले चम्पाई सोरेन को धन्यवाद दिया। विश्वास मत का समर्थन करने वाले सदस्यों का भी धन्यवाद किया। कहा कि लोकसभा के चुनाव में देश की जनता ने इन्हें पराजित किया है।

भाषण की बड़ी बातें

- आज विपक्ष के पास न कोई राजनीतिक सोच है, न एजेंडा। ये लोग धन बल और संवैधानिक संस्थाओं के बल पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हैं।
- झारखंड विधानसभा के चुनाव में इनमें से आधे भी चुनकर आ जाएं, तो बहुत बड़ी बात होगी। देश ने इन्हें लोकसभा चुनाव में आइना दिखा ही दिया है।

चम्पाई बोले, राज्य के हित में मिलकर सोचना होगा

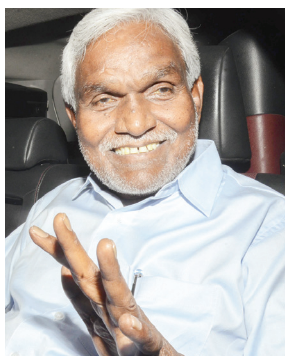

झारखंड में 5 महीने तक सरकार चलाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि लोकतंत्र में पार्टी और गठबंधन की बात माननी होती है। वह 5 महीने तक मुख्यमंत्री रहे। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद लोकसभा के चुनाव आ गए। इसमें 3 महीने बीत गए। उन्होंने कहा कि झारखंड में अब तक सभी दलों ने बारी-बारी से शासन किया। लेकिन, आदिवासियों के हालात नहीं बदले। इसलिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप की बजाय अपने राज्य और यहां के लोगों के हित में मिलकर सकारात्मक सोच के साथ काम करें। जनता की भावनाओं का आदर करें। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से परिपूर्ण है। यह गरीब राज्य नहीं है। फिर भी आदिवासी और मूलवासी पिछड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड को केंद्रीय एजेंसियों की प्रयोगशाला बनाकर रख दिया है।

हेमंत कैबिनेट का किया गया विस्तार

चम्पाई सहित 11 विधायकों ने ली मिनिस्टर पद की शपथ

सोमवार को विधानसभा में बहुमत प्राप्त करने के बाद उसी दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने कैबिनेट का विस्तार किया। राजभवन में राज्यपाल ने सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, रामेश्वर उरांव, सत्यानंद भोक्ता, हफीजुल हसन समेत 11 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट में तीन नए चेहरों को भी जगह दी गई है। इनमें सबसे प्रमुख कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह, कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी हैं। वहीं झामुमो कोटे से बैद्यनाथ राम को भी कैबिनेट में स्थान दिया गया है। कयास लगाया जा रहा था कि कांग्रेस के दो लोगों को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलेगी। लेकिन, केवल ऐसा बादल पत्रलेख के साथ हुआ। वहीं, झामुमो के बंसत सोरेन भी मंत्री नहीं बन सके।

तीन नए चेहरों को जगह

- दीपीका पांडेय सिंह
- इरफान अंसारी
- बैद्यनाथ राम

आठ पुराने चेहरे

- चम्पाई सोरेन
- रामेश्वर उरांव
- सत्यानंद भोक्ता
- मिथिलेश ठाकुर
- बन्ना गुप्ता
- हफीजुल हसन
- बेबी देवी
- दीपक बिरुआ

ये नहीं बन सके मंत्री

- बादल पत्रलेख
- बसंत सोरेन

BRIEF NEWS

SHARE

संसेक्स	:	79,960.38
निफ्टी	:	24,320.55

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	94.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

क्यों नहीं हो रही प्रोफेशनल लोगों की नियुक्ति : हाईकोर्ट

NEW DELHI : राजेश कुमार सिंह के द्वारा विद्युत विभाग में इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत उच्च पदों पर नियुक्ति के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के सुनवाई हुई। अदालत ने बिजली बोर्ड और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर मौखिक रूप से पूछा कि विज्ञापन जारी कर कुशल लोगों की नियुक्ति क्यों नहीं की जा रही? क्यर अधिकारियों व अन्य अफसरों को पदभार देकर क्यों काम चलाया जा रहा है? अदालत अब इस मामले में 24 जुलाई को सुनवाई करेगा। राजेश कुमार ने अपनी जनहित याचिका में मांग की है कि बिजली बोर्ड में उच्च पदों पर प्रोफेशनल लोगों की नियुक्ति इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत की जानी चाहिए। इस मामले में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ऋतु कुमार ने पक्ष रखा।

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए

NEW DELHI : चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। यूएस फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट इमेज जारी की है। ब्लैकस्काई का दावा है कि इन इमेज में चीनी सैनिकों के बंकर दिखाई दे रहे हैं। इन्हें हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए बनाया गया है। ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये जगह एलएसी से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है। 5 मई 2020 को चीनी सैनिकों और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी।

53 साल बाद पुरी की रथयात्रा 2 दिन चली

PURI : 53 साल बाद पुरी की रथयात्रा दो दिनों चली। आज यात्रा का दूसरा दिन था। भगवान बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे। अब रथों पर ही भगवान की पूजा आरती होगी। इसके बाद राजभोग लगेगा। 9 जुलाई को भगवान मंदिर में प्रवेश करेंगे। अगले 7 दिनों तक तीनों रथ यहीं रहेंगे। 11 जुलाई को हेरापंचमी मनेगी। मान्यता है कि इस दिन लक्ष्मी जी भगवान से मिलने आती हैं। 15 जुलाई, सोमवार को तीनों भगवान अपने रथों में बैठकर मंदिर लौटेंगे। भगवान के मंदिर लौटने वाली यात्रा को बहुड़ा यात्रा कहा जाता है। 7 जुलाई यात्रा का पहला दिन था। शाम 5 बजे के बाद शुरू हुई रथ यात्रा सूर्यास्त के साथ ही रोक दी गई थी, भगवान जगन्नाथ का रथ सिर्फ 5 मीटर ही आगे बढ़ा था।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अटैक

सेना के वाहन पर आतंकी हमला, चार जवान शहीद

AGENCY SRINAGAR : सोमवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला किया। इसमें चार जवान शहीद हो गए हैं, जबकि छह जवान घायल हुए हैं। घटना लोहि मल्हार ब्लॉक के मचहेड़ी क्षेत्र के बडनोटा गांव की है। मचहेड़ी में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। घायल जवानों का इलाज जारी है। आतंकियों ने सेना पर यह हमला तब किया जब पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम मचहेड़ी क्षेत्र में तलाशी ले रही थी। यह क्षेत्र भारतीय सेना के 9 कोर के अंतर्गत आता है। सर्च के दौरान आतंकियों ने उन पर गोलीबारी की। इलाके में और अधिक सुरक्षा बल भेजा गया है। यह दो महीने में सेना के वाहन पर दूसरा आतंकी हमला है।

- लोहि मल्हार ब्लॉक के मचहेड़ी क्षेत्र के बडनोटा गांव की घटना
- पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम की तलाशी के दौरान अचानक किया गया हमला
- दो महीने में सेना के वाहन पर यह दूसरा आतंकी अटैक

झारखंड हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

RANCHI : झारखंड के जिलों में शराब के होलसेल एवं रिटेल के टेंडर में गड़बड़ी से संबंधित मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फिलहाल हाईकोर्ट में इससे संबंधित केस में आगे की कार्रवाही स्थगित रहेगी। मामले में सुप्रीम कोर्ट में दायर एसएलपी में झारखंड सरकार की ओर से बताया गया है कि यह मामला जनहित के योग्य नहीं है, इसमें कई तथ्यों को तोड़ मोड़कर पेश किया गया है। इसी तरह के शिव शंकर शर्मा के केस को सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। राजनीतिज्ञों के खिलाफ हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने की प्रथा चल रही है। ऐसे मामलों में जनहित याचिका दायर कर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। कोर्ट ने राज्य सरकार का पक्ष देखते हुए हाईकोर्ट द्वारा मामले में लिए गए संज्ञान पर रोक लगा दी है। दरअसल, झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड के जिलों में शराब के होलसेल एवं रिटेल के टेंडर में गड़बड़ी से संबंधित मामले में दायर उमेश कुमार की जनहित याचिका में राज्य सरकार की हस्तक्षेप याचिका (आईए) को स्वीकृत करते हुए इस केस से प्रार्थी उमेश कुमार एवं उनके अधिवक्ता राजीव कुमार का नाम हटाते हुए इस मामले में स्वत संज्ञान लिया था।

नीट-यूजी मामले पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने दिखाया कड़ा रुख

एग्जाम की शुचिता नष्ट हो जाए तो दोबारा परीक्षा का देना पड़ेगा आदेश : सुप्रीम कोर्ट

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर दो घंटे 20 मिनट तक सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई की। सीजेआई ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, यदि परीक्षा की शुचिता नष्ट हो जाए तो पुनः परीक्षा का आदेश देना पड़ता है। अगर हम दोषियों की पहचान करने में असमर्थ हैं तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यदि प्रश्न पत्र लीक सोशल मीडिया के जरिए प्रसारित किया गया है तो दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह साफ है कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है। यदि प्रश्नपत्र टेलीग्राम, व्हाट्सऐप और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से लीक होता है, तो यह जंगल की आग की तरह फैलता है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट से पूछा कि पेपर लीक रोकने के लिए क्या करेंगे. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम प्रश्न पत्र लीक के लाभार्थियों की संख्या जानना चाहते हैं, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है।

- री-एग्जाम के लिए गुरुवार तक दर्ज हो सब्मिशन
- केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने रखा पक्ष

सीबीआई और एनटीए से मांगी रिपोर्ट

सीजेआई ने कहा, 'री-एग्जाम की मांग कर रहे सभी याचिकाकताओं के वकील गुरुवार तक एक कॉमन सेट कोर्ट में सब्मिट करें। ये 10 पेज से बड़ा नहीं होना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि एजेंसी नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अब तक हुई जांच की एक रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करे। वहीं, एनटीए से कहा- कोर्ट नीट एग्जाम की ट्रांसपेरेंसी सुनिश्चित करने को लेकर चिंतित है, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। सरकार को इस पर एक्सपर्ट की मल्टी डिसिप्लिनरी टीम बनाने का विचार करना जरूरी है। अगर एक कमेटी बनाई जा चुकी है, तो उसकी पूरी डिटेल अदालत को दी जाए। इसके बाद कोर्ट ये तय करेगा कि कमेटी को काम करने की इजाजत दी जाए, या इसके गठन में बदलाव किया जाए। अब तक कि सुनवाई में रीएग्जाम की मांग करने वाली याचिका के वकील नरेंद्र हुड्डा दलील दे रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अपना पक्ष रख रहे हैं। एनटीए के वकील सीनियर एडवोकेट नरेश कौशिक हैं। सीजेआई ने कहा कि हम एनटीए को फुल डिस्क्लोजर के लिए निर्देश देना चाहते हैं। इसे मोटे तौर पर तीन पहलुओं में बाटां जा सकता है : (1) नेचर ऑफ लीक (2) वे स्थान जहां लीक हुआ और (3) लीक की घटना और परीक्षा के आयोजन के बीच का समय अंतराल।

मणिपुर में दो समुदायों की जातीय हिंसा में अनेक लोगों की गई थी जान, अभी भी शिविर में रह रहे लोग

हिंसा पीड़ितों का राहुल गांधी ने जाना दुख-दर्द

AGENCY IMPHAL : सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर के जिरीबाम और चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और वहां रह रहे लोगों से बातचीत की। उनका दुख दर्द जाना। बता दें कि राज्य में पिछले साल मई में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ पहुंचे गांधी ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बात की और उनकी समस्याएं सुनीं। कांग्रेस द्वारा राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतने के बाद राहुल गांधी पहली बार यहां आए हैं। कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हिंसा के बाद मणिपुर की उनकी तीसरी यात्रा लोगों के मुद्दों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है। बता दें कि पिछले साल तीन मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के कुछ हफ़्ते बाद गांधी ने पहली बार मणिपुर का दौरा किया था। उन्होंने जनवरी 2024 में राज्य से अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी शुरू की थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सबसे पहले जिरीबाम उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया।

हजारों लोगों ने किया स्वागत

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने संवाददाताओं को बताया कि जिरीबाम के लोगों ने गांधी को अपने अनुभवों के बारे में बताया। मेघचंद्र ने कहा, ह्यह्यउन्होंने यह भी पूछा कि उन्हें किस चीज की जरूरत है। एक लड़की ने राहुल गांधी से कहा कि न तो प्रधानमंत्री और न ही मुख्यमंत्री उनसे मिलने आए हैं। उसने गांधी से यह मामला संसद में उठाने का भी आग्रह किया। जिरीबाम में हजारों की संख्या में लोग गांधी का स्वागत करने आए और उनमें से कई लोग उनसे बात करते हुए रो पड़े। जिरीबाम से गांधी असम के सिलचर होते हुए इंफाल हवाई अड्डे पहुंचे और सड़क मार्ग से चुराचांदपुर जिले के तुइबोंग गांव में एक राहत शिविर में पहुंचे। वहां भी गांधी ने लोगों से बातचीत की। मेघचंद्र ने कहा, ह्यह्यराहुल गांधी के दौरे का उद्देश्य लोगों को सहायता प्रदान करना और जमीनी स्तर पर स्थिति का आकलन करना है। उनका दौरा हिंसा से प्रभावित लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

रूस पहुंचे पीएम मोदी गार्ड ऑफ ऑनर का दिया गया सम्मान

NEW DELHI : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के लिए मॉस्को पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरो द्वारा उन्हें एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से जल्द मुलाकात करेंगे। पिछले पांच साल में मोदी की रूस में पहली और अपने तीसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा है। पुतिन और पीएम मोदी के बीच ऊर्जा एवं रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर तलाशने के लिए शिखर वार्ता होनी है। पीएम मोदी पांच साल में पहली बार रूस पहुंचे हैं। यह उनके तीसरे कार्यकाल में पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। इससे पहले पीएम मोदी 2019 में रूस गए थे। उस वक्त पीएम मोदी ने व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था।

जलकर राख हो गए म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स

रोस्पा टावर की एक दुकान में आग : सोमवार की दोपहर के समय रांची के मेन रोड स्थित रोस्पा टावर के फर्स्ट फ्लोर की एक दुकान में आग लग गई। आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही पूरे कॉम्प्लेक्स में अफरा-तफरी मच गई। पूरी खबर पेज 03 पर पढ़ें।

गुमला में सर्पदंश से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जमीन पर सो रहे थे लोग, सांप ने डसा, शरीर में फैल गया जहर

सुबह ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया, चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

PHOTON NEWS GUMLA : पालकोट प्रखंड के लोटवा पंचायत स्थित डुगडुगी गांव में सर्पदंश से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, डुगडुगी गांव निवासी राजेश किसान, पत्नी सुनीता देवी, भाई मनोज किसान रविवार रात को अपने घर में जमीन पर सोए हुए थे। लगभग 12 बजे करैत सांप ने बारी-बारी से तीनों को डस लिया। काटने के बाद तीनों घायल ने मिलकर सांप को मारा और फेंक दिया, इसके बाद सभी सो गए। सुबह होने तक तीनों में सांप का जहर फैल गया और हालत बिगड़ने लगी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पूर्व उपमुखिया गुड्डू

सिंह को दी। गुड्डू सिंह ने आनन फानन में गांव पहुंच कर एंबुलेंस बुलाया। सड़क खराब होने और सड़क पेड़ के गिरने के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाया। गांव से दो किलोमीटर पहले ही एंबुलेंस को रखा गया। इसके बाद राजेश किसान और मनोज किसान को किसी तरह ट्रेक्टर से एंबुलेंस तक लाया गया, जबकि सुनीता देवी को बेहोशी की हालत में चारपाई पर लिटा कर एंबुलेंस तक लाया गया। तीनों घायल को पालकोट स्वास्थ केंद्र लाया गया। जहां राजेश किसान व उसकी पत्नी सुनीता किसान को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया, जबकि मनोज किसान को गुमला सदर हॉस्पिटल रेफर किया गया। सदर हॉस्पिटल के चिकित्सक ने मनोज को मृत घोषित कर दिया।

राजेश किसान की हाल ही में शादी हुई थी। भाई मनोज किसान की दो पुत्री है। घर में बूढ़ी मां कसीला देवी बच गई है।

ट्रेलर व स्कॉर्पियो की टक्कर, दो लोग गंभीर

KODERMA: कोडरमा थाना अंतर्गत कोडरमा घाटी नौवा माइल पर सोमवार की सुबह 7:30 बजे दो वाहनों के बीच हुई टक्कर में स्कॉर्पियो पर सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। घायलों की पहचान बिहार के समस्तीपुर निवासी खुर्शीद आलम (उम्र 55 वर्ष) एवं शिवलाल कुमार (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया। घायलों ने बताया कि एक स्कॉर्पियो पर 7 लोग सवार होकर समस्तीपुर से रांची जा रहे थे। इस दौरान कोडरमा घाटी में ट्रेलर से टक्कर के बाद कंटेनर अनियंत्रित होकर उनके स्कॉर्पियो के ऊपर पलट गया। जिसमें वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वाहन पर सवार लोग घायल हो गए।

संथाल परगना से कांग्रेस की पहली महिला मंत्री बनीं दीपिका पांडेय सिंह

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज की छात्रा रही हैं दीपिका

PHOTON NEWS GODDA : महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह संताल परगना से कांग्रेस की पहली महिला मंत्री बन गई हैं। सोमवार को हेमंत सरकार की कैबिनेट के विस्तार में उन्हें मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। 2019 में महागामा विस सीट से भाजपा के कद्दावर नेता अशोक भगत को 12 हजार से अधिक वोटों से हरा कर पहली बार दीपिका पांडेय सिंह विधायक बनी थीं। वहीं 2024 के लोस चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें गोड्डा सीट से टिकट दिया था, लेकिन बाद में विरोध होने पर कांग्रेस ने यहां उम्मीदवार बदल दिया था। पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव को गोड्डा सीट से लड़ाया गया। 2024 के लोस चुनाव में महागामा विस से कांग्रेस प्रत्याशी को लीड दिलाने पर दीपिका पांडेय सिंह को मंत्री पद का तोहफा दिया गया है। दीपिका पांडेय सिंह के ससुर अवध बिहारी सिंह एकीकृत बिहार में मंत्री रह चुके हैं।

विरासत में मिली राजनीति

दीपिका पांडेय सिंह का जन्म रांची में एक राजनीतिक परिवार में हुआ था। मां प्रतिभा पांडेय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महिला शाखा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुकी हैं। दीपिका ने प्रारंभिक शिक्षा रांची से प्राप्त की। 1994-97 में संट जेवियर्स कालेज से बीएससी किया। रांची के जेवियर इंस्टीट्यूट से एमबीए की पढ़ाई की। बाद में 2008-2011 तक जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कालेज से एलएलबी की पढ़ाई की। उनका विवाह रत्नेश कुमार सिंह से हुआ है, जो बिहार सरकार के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और महागामा से चार बार के विधायक अवध बिहारी सिंह के पुत्र हैं।

कांग्रेस में कई अहम पदों पर रहीं

दीपिका पांडे सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा शाखा, युवा कांग्रेस से झारखंड युवा कांग्रेस की महासचिव के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। बाद में उन्हें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव के रूप में राष्ट्रीय समिति में पदोन्नत किया गया। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद उन्हें झारखंड के गोड्डा में कांग्रेस के गढ़ में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने की जिम्मेवारी सौंपते हुए गोड्डा जिला कांग्रेस कमेटी का जिला अध्यक्ष बनाया गया। क्षेत्र में जन मुद्दों को लेकर दीपिका पांडेय सिंह का आक्रामक तेवर रहा है। 2018 में वह महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव बनीं। हाल के वर्षों में उन्होंने कई राज्यों के चुनाव में पर्यवेक्षक की भूमिका भी निभाई। वर्ष 2916 में जब ईसीएल की ललमटिया कोयला परियोजना में खान हादसा हुआ था, तब वहां 23 मजदूरों की मौत हो गई। उक्त हादसे में दीपिका पांडेय सिंह ने पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए अनिश्चितकालीन अनशन किया था। इसमें उन्हें भारी समर्थन मिला और सरकार को अंततः पीड़ितों को मुआवजा देना पड़ा।

आखिरकार मंत्री बन गए डॉ. इरफान, चुनावी बढ़त का मिला फायदा

JAMTARA : जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान अंसारी द्वारा झारखंड सरकार के मंत्री मंडल में कैबिनेट मंत्री के पद पर शपथ लेते ही तमाम कयासों पर विराम लग गया। अल्पसंख्यक कोटे से आलमगीर आलम के इस्तीफे के बाद से ही जामताड़ा विधायक के मंत्री बनने के लगातार कयास लगाए जा रहे थे। इन संभावनाओं को पिछले दिनों हुए दुमका लोकसभा चुनाव परिणाम ने भी और मजबूती देने का काम किया। जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र से ही 34854 वोटों की भारी बढ़त ने जेएमएम प्रत्याशी नलिन सोरेन की जीत मुकर्रर की थी और डॉ. इरफान के मंत्री बनने की संभावनाओं को तकरीबन मुहर लगा दी थी।

BRIEF NEWS

अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त, 4 तस्करों पर दर्ज हुई प्राथमिकी

RAMGARH : कोयले के अवैध कारोबारियों पर पुलिस ने एक बार फिर कड़ी कार्रवाई की है। रामगढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव में बांग्ला ईंट भट्ठा पर रात के अंधेरे में अवैध कोयले को लादा जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंची और उस ट्रक को जब्त किया। हालांकि इस दौरान तस्कर वहां से भागने में सफल रहे। पुलिस ने चार तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। इस मामले में रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू के बयान पर प्राथमिकी हुई है। उन्होंने कहा है कि मध्य रात्रि के बाद गश्ती के दौरान उन्हें सूचना मिली की सरैया के प्रदीप महतो के बांग्ला ईंट भट्टे पर एक 10 चक्का ट्रक मौजूद है, जिस पर अवैध कोयले को लोड किया जा रहा है। पुलिस जब वहां पहुंची तो तस्कर पुलिस की लाइट देखकर भाग गए।

जमीन अधिग्रहण का शीघ्र भुगतान करें मुआवजा : डीसी

RAMGARH : भारतमाला परियोजना को लेकर सरकार गंभीर है। रामगढ़ जिले में भी इस परियोजना के तहत भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अधिग्रहित भूमि से जुड़ी समस्याओं का निराकरण कर उसके मुआवजा का भुगतान भी शीघ्र करना है। यह बातें सोमवार को भू अर्जन, राजस्व और अन्य परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान डीसी चंदन कुमार ने कही।

बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा भारतमाला परियोजना गोला-ओरमांझी एवं कोलकाता-वाराणसी अंतर्गत पैकेजवार एवं मौजावार अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। जिस पर उपायुक्त ने अधिग्रहित भूमि में आने वाले समस्याओं का निष्पादन करते हुए मुआवजा भुगतान करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

सैन्य सम्मान के साथ बीएसएफ जवान का किया गया दाह संस्कार

अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा के रहने वाले बीएसएफ जवान अमित शुक्ला (30वर्ष) पिता उपेंद्र शुक्ला का पार्थिव शव सोमवार सुबह घर लाया गया। बीएसएफ के वाहन से पार्थिव शव तिरंगे में लिपटा ताबूत में लाया गया। पार्थिव शव लाते समय गांव के युवकों ने मोटरसाइकिल से आगे आगे चलकर अमित शुक्ला के लिए नारे लगा रहे थे। डेड बॉडी घर पहुंचते ही परिजन और अन्य रिश्तेदार दहाड़ मार कर रोने लगे। गांव का माहौल ज्यादा गमगीन हो गया। पार्थिव शव का घर पर अंतिम दर्शन के बाद दाह संस्कार के लिए अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें सांसद वीडी राम, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, राजद नेत्री ममता भुइयां, बीजेपी जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष ज्योति पांडे के अलावा अन्य गण्यमान्य लोग मौके पर पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें ढाढस बंधाया। शुक्ला की मौत जम्मू कश्मीर में सड़क हादसे में शनिवार की सुबह हो गई थी।

लूट का षडयंत्र कर फाइनेंस कंपनी के 81 हजार किए गायब

PALAMU : आर्थिक तंगी झेल रही एक महिला एजेंट ने अपने नाबालिग भाई के साथ मिलकर फाइनेंस कंपनी के 81 हजार की राशि गायब कर दी। मामले को लूट बताकर तरहसी थाना में प्राथमिकी भी दर्ज करायी, लेकिन पुलिस अनुसंधान में सोमवार को महिला का षडयंत्र सामने आ गया। महिला को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। भाई के नाबालिग रहने के कारण उसे निरूद्ध किया गया। बाल सुधार गृह भेजा गया। महिला की पहचान पांकी थाना क्षेत्र के चांपी फुलवरिया की चांदनी कुमारी (20वर्ष) पति विक्रम सिंह के रूप में हुई है। उसके भाई की उम्र 16 वर्ष है। चांदनी कुमारी की शादी वर्ष 2021 में हुई थी। बच्चा होने के बाद चांदनी अपने मायके में रहती थी पति बैंगलोर में मजदूरी करता है।

पीएलएफआई का पूर्व सदस्य रिंकू साहू देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार

कई मामलों में पुलिस कर रही थी तलाश, ग्रामीणों की मदद से पकड़ाया

CHAKRADHARPUR: पुलिस ने पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एक नक्सली रिंकू साहू को गिरफ्तार किया है। उसे देशी कट्टा के साथ पकड़ा गया है। पुलिस को कई मामलों में रिंकू की तलाश थी। आनंदपुर के मुंडा टोला में पूर्व पीएलएफआई नक्सली रिंकू साहू को गिरफ्तार करके सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मुंडा टोला के विकास चांपिया के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपित रिंकू की निशानदेही पर पुलिस ने मुंडा टोला के एक घर से देशी कट्टा बरामद किया है। पुलिस को पश्चिमी

गिरफ्तार आरोपी • फोटोन न्यूज

सिंहभूम जिले के आनंदपुर के मुंडा टोला के विकास चांपिया ने सूचना दी थी कि रिंकू साहू हथियार के साथ घूम रहा है। उसे डरा-धमका रहा है। पुलिस के पहुंचने पर रिंकू ने भागने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों की मदद से उसे दबोच लिया गया। पूछताछ में रिंकू साहू ने बताया कि उसने विकास के घर में हथियार छुपा दिया है। रिंकू साहू जेल में बंद पीएलएफआई एरिया कमांडर आकाश साहू तथा सुजीत साहू उर्फ साहू जी के साथ काम कर चुका है। उसके खिलाफ आनंदपुर थाना में वर्ष 2016 में आर्म्स एक्ट, वर्ष 2017 में हत्या व आर्म्स एक्ट समेत 2 अलग-अलग मामले दर्ज हैं। इसके अलावा वर्ष 2021 में पश्चिमी सिंहभूम की सीमा से सटे सिमडेगा जिले के बानो थाना में हत्या और आर्म्स एक्ट समेत कुल चार मामले दर्ज हैं। जमानत पर रिहा होने के बाद अक्सर रिंकू साहू लोगों को गोली मारने की धमकी देता था।

पुलिस में कोई उसके खिलाफ शिकायत नहीं करता था, इसलिए पुलिस एक्शन नहीं ले पा रही थी। जनवरी 2023 में पुलिस की सख्ती के कारण वह प्रखंड क्षेत्र छोड़कर भाग गया था। अक्सर चोरी-छुपे गांव आता था। 18 मई को आनंदपुर में संकीर्तन यज्ञ के दौरान युवकों से उसका झगड़ा हुआ था। पुलिस के पहुंचने पर वह भाग गया। शनिवार को रिंकू ने एक युवक को मारने की धमकी दी। जैसे ही इसकी सूचना मिली, पुलिस सक्रिय हो गई। सोमवार को ग्रामीणों की सहायता से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

रेडक्रॉस सोसाइटी में ओपीडी सेवा और कार्डियक एंबुलेंस फिर से होगी शुरू

कोरोना काल से बंद चल रही थीं सेवाएं, नहीं था कोई अधिकारी

PHOTON NEWS DHANBAD: लगभग 4 वर्ष बाद गोल्फ ग्राउंड के पास स्थित रेडक्रॉस सोसाइटी में एक बार फिर ओपीडी सेवा शुरू होगी। इस ओपीडी में मेडिसिन, सर्जरी, नेत्र रोग, नाक कान व गला रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग आदि से संबंधित मरीज देखे जाएंगे। इस संबंध में रेडक्रॉस सोसाइटी प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है।

ज्ञात हो कि कोरोना काल में रेडक्रॉस सोसाइटी में तमाम तरह की सुविधा बंद हो गई थी। इसके बाद कोई अस्थायी पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया था। इस महीने डीसी माधवी मिश्रा के निर्देश पर नई कमेटी का गठन किया गया है। अब कमेटी ने कई

सुविधाएं शुरू करने की तैयारी शुरू की है।

कार्डियक एंबुलेंस का भी मिल पाएगा लाभ : रेडक्रॉस सोसाइटी में 60 लाख रुपये का कार्डियक एंबुलेंस लाया गया था, लेकिन कोरोना कल के बाद से यह एंबुलेंस सेवा भी बंद हो गई थी। अब जल्द ही एंबुलेंस सेवा भी शुरू की जाएगी। यह एंबुलेंस सेवा गरीब मरीजों के लिए बिल्कुल निःशुल्क है, जबकि सामान्य व्यक्ति एक निर्धारित दर पर इसकी सेवा ले पाएंगे।

खुलेगा टीकाकरण केंद्र, मिलेगा लाभ

रेडक्रॉस सोसाइटी भवन में टीकाकरण केंद्र भी खोला जाएगा। इसके लिए प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से वार्ता की है। इससे पहले कोरोना काल में यहां पर टीकाकरण केंद्र बनाया गया था। अब नियमित टीकाकरण के तहत यहां पर शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण किया जा सकेगा।

भाजपा महिला मोर्चा करेगा डीसी कार्यालय का घेराव

HAZARIBAG : सोमवार को झंडा चौक के समीप विशेश्वर दयाल पथ स्थित, जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी, जिला महिला मोर्चा की बैठक जिला अध्यक्ष रेणुका साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।बैठक में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश प्रभारी प्रदेश कार्य समिति सदस्य शकुंतला जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह उपस्थित हुए। बैठक में हेमंत सरकार की विफलताओं, महिलाओं के प्रति किए जा रहे उत्पीड़न, अत्याचार एवं शोषण के विरुद्ध सड़क पर उतरकर हल्ला बोल आक्रोषपूर्ण विरोध करने का निर्णय लिया गया। विरोध कार्यक्रम 14 जुलाई तक चलेगा। आक्रोषपूर्ण हल्ला बोल प्रदर्शन में, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के लगभग पांच सौ बहने शामिल होंगी। बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष बिजुल देवी सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।

सरायकेला के रोजगार मेला में 254 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला के जिला नियोजनालय सह मॉडल कॅरियर सेंटर में सोमवार को रोजगार मेला लगाया गया। इसमें 254 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

मेले में स्थानीय नियोक्ताओं ने पंप ऑपरेटर, सुपरवाइजर, एसोसिएट, इंजीनियरिंग ट्रेनी, एचआर ट्रेनी, क्वालिटी इंस्पेक्टर, मेंटेनेंस मैनेजर, सर्विस एडवाइजर, सेल्स कंसलटेंट, अकाउंटेंट, इंश्योरेंस एडवाइजर, फिटर, वेल्डर, गैस कटर, इलेक्ट्रीशियन, सेफ्टी ऑफिसर, रेगुलर फील्ड एग्जीक्यूटिव, टेक्नीशियन, बैक ऑफिस एग्जीक्यूटिव एवं मोबिलाइजेशन मैनेजर सहित विभिन्न पदों पर रिक्ति निकाली थी। इन कंपनियों में रुंगटा माइंस लिमिटेड, रामकृष्ण फोर्जिंग्स

प्रमाण पत्रों की जांच कराते अभ्यर्थी • फोटोन न्यूज

लिमिटेड, बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज, बीके स्टील, बिग बास्केट-ए टाटा एंटरप्राइज, मित्तल मोटर्स, एलआईसी ऑफ इंडिया, युवा शक्ति फाउंडेशन, छवि कंस्ट्रक्शन, डेल्हीवेरी प्राइवेट लिमिटेड, प्रधान कंस्ट्रक्शन, बीएन ट्रैक्टर्स एवं मेटाल्सा इंडिया लिमिटेड सहित कुल 21 संस्थानों ने नियुक्ति की है। रोजगार मेला में वाईपी रवि प्रकाश सिंह, जिला नियोजनालय के कर्मी सुरेंद्र रजक, सुजीत सरदार व संबंधित संस्थानों के एचआर मैनेजर उपस्थित रहे।

पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया में खेत के कीचड़ में फंसा हथिनी का बच्चा

मां ने घंटों की मशक्कत कर बचाया, दूसरे हाथी ने की मदद

PHOTON NEWS CHAKULIA: मां इंसान की हो या जानवर की उसका दिल हमेशा अपने बच्चे के लिए धड़कता है। ऐसी ही एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर झारखंड के पूर्वी सिंहभूम से आई है। दरअसल, चाकुलिया वन क्षेत्र अंतर्गत जमुआ पंचायत के इंदबनी में सोमवार की सुबह हाथिनी का एक बच्चा कीचड़ में फंस गया। कीचड़ में फंसे बच्चे को निकालने के लिए हथिनी ने दूसरे हाथी की मदद से घंटों प्रयास किया। आखिरकार वह अपने बच्चे को कीचड़ से बाहर निकालने में सफल रही।

झुंड ने घंटो किया प्रयास, लेकिन मां ने नहीं मानी हार : कीचड़ में फंसे बच्चे को बाहर निकालने के लिए पहले हाथियों के झुंड ने प्रयास किया। कई बार बच्चे को सूंड का सहारा देकर खड़ा करने की कोशिश की लेकिन हर बार

वह कीचड़ में आगे बढ़ पाने के बजाय गिर जा रहा था। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद जंगली हाथियों का झुंड चला गया। लेकिन मां एक दूसरे हाथी की मदद से अपने बच्चे को निकालने में जुटी रही। आखिरकार घंटों की मशक्कत के बाद वह बच्चे को कीचड़ से बाहर निकालने में सफल रही और खींचते हुए जंगल की ओर ले गई। इस दौरान हाथी का बच्चा फिर से वन विभाग द्वारा खोदे गए ट्रेंच में गिर गया। वहां भी करीब तीन घंटे तक हाथी का बच्चा फंसा रहा। कीचड़ में हाथी के बच्चे के फंसने की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। मौके पर वन विभाग की टीम क्विक रिस्पांस टीम के साथ पहुंच गई। जंगली हाथियों की उग्रता को देखकर वे मदद के लिए पास नहीं जा सकी। हाथिनी ने फिर उसे बाहर निकाला। हाथी के बच्चे के फंसे होने की सूचना के बाद काफी संख्या में लोगों की भीड़ भी जुट गई थी।

एफसीआई गोदाम में घुसकर 9 शटर तोड़ा, गेहूं खाया

रविवार की रात चार जंगली हाथी चाकुलिया स्थित एफसीआई गोदाम में घुस गए। एफसीआई गोदाम में घुसकर जंगली हाथियों ने गोदाम के 9 दरवाजा का शटर तोड़ दिया। गेहूं और चावल खाया तथा बर्बाद भी किया। एफसीआई संचालक सुशील शर्मा ने बताया कि एक महीने में 10 से 12 बार जंगली हाथी द्वारा एफसीआई गोदाम में हमला कर नुकसान पहुंचाया गया है। जंगली हाथी लगातार एफसीआई गोदाम का दरवाजा, दीवार और शटर तोड़कर अनाज खा रहे हैं।

लोधाशोली स्कूल में घुसे हाथी एमडीएम का चावल खाया

रविवार की रात जंगली हाथी चाकुलिया मटिहाना सड़क मार्ग पर स्थित लोधाशोली उत्क्रमित हाई स्कूल परिसर में घुस गए। हाथियों ने विद्यालय की खिड़की तोड़कर कमरे के भीतर रखे मध्यान भोजन में इस्तेमाल किए जाने वाले चावल को खा लिया। प्रिंसिपल भूदेवशंकर नायक ने बताया कि जंगली हाथी कुछ ही दिनों के भीतर तीन बार विद्यालय परिसर में घुसे। बारी-बारी से तीन कमरों की खिड़कियों को तोड़कर अनाज खाया और नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि हाथी द्वारा नुकसान पहुंचाने के बाद हर बार वन विभाग को मुआवजा के लिए आवेदन दिया गया। परंतु आज तक उन्हें मुआवजा की कोई राशि नहीं मिली है। जिससे हाथी द्वारा नुकसान पहुंचाए गए स्कूल की सामग्रियों को दुरुस्त कर पाना मुश्किल हो रहा है। इससे बच्चों के पठन-पाठन पर भी असर पड़ रहा है।

कोडरमा में बोलीं मंत्री अन्नपूर्णा देवी-एक पौधा मां के नाम जरूर लगाएं

KODERMA : सोमवार को झुमरीतिलैया के ब्लॉक मैदान झुमरीतिलैया में बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। मंत्री अन्नपूर्णा देवी, उपायुक्त मेघा भारद्वाज, वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त ऋतुराज व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आह्वान किया गया है कि 'एक पौधा मां के नाम।' इस विषय में हम सभी को अपने अपने स्तर से सोचना है और पौधा लगाना है। आज के समय में देखा जाए तो गर्मी काफी हो रही है, जल स्तर नीचे जा रहा है, बारिश कम हो रही है। हमें अपने आने वाली पीढ़ी के बारे में सोचना होगा। लोग अधिक से अधिक पौधा लगाएं। एक पौधा मां के नाम के प्रति जागरूक करें और अपने घरों के आसपास पौधा लगाएं।

पुलिस ने एक और करोड़पति साइबर अपराधी को पकड़ा

PHOTON NEWS GIRIDIH : साइबर पुलिस ने दूसरी बार एक और करोड़पति साईबर ठग को दबोचा है । इसकी पुष्टि सोमवार को एसपी दीपक कुमार शर्मा ने करते हुए बताया कि मुफ्फसिल थाना इलाके के गपेय गांव से सोनू वर्मा को दबोचा गया। जो करोड़ों के संपति का मालिक है। एसपी के अनुसार सोनू वर्मा के शातिर अपराधी होने का खुलासा पूर्व में गिरफ्तार महेन्द्र मण्डल कर चुका था। जानकारी के अनुसार महेंद्र मंडल ने ही सोनू वर्मा के बारे में पूरा डीटेल बताया था। इसके बाद साइबर डीएसपी आबिद खान ने गुप्त सूचना के आधार पर गपेय गांव में सोनू वर्मा को उस वक्त दबोचा गया । सोनू वर्मा के खिलाफ कई थानो में केस दर्ज है। मुंबई के वर्ली साइबर सेल के एक मामले में भी पहले जेल जा चुका है। पुलिस के पूछताछ में सोनू ने अपने पास करोड़ो के संपति होने

का खुलासा किया। जिसमें हजारीबाग में 50 लाख मूल्य का एक आलीशान फ्लैट , जिले के बेंगाबाद के साठीबाद और महुआर गांव में दो करोड़ का एक एक एकड़ जमीन है जिसे सोनू वर्मा ने अपने परिजनों के नाम पर खरीदा। टाटा कंपनी का 50 लाख का ट्रक भी शामिल है। इसके अलावा दो लाख का एक बाइक एक दो लाख की इलेक्ट्रिक स्कूटी भी खरीदा है। बताया गया कि सोनू वर्मा की गिरफ्तारी गिरिडीह पुलिस एक बड़ी उपलब्धि मान कर चल रही है। पूछताछ के क्रम में सोनू वर्मा ने बताया कि लड़की का फोटो इस्तेमाल कर युवाओ को फंसता था, और न्यूड वीडीओ काल कर उनसे ठगी करता। कैशबैक के नाम पर ही ठगी किया करता था।

BRIEF NEWS

डोरंडा में महिला डॉक्टर ने की खुदकुशी, जांच शुरू

RANCHI : रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र के बंधु नगर स्थित आवास पर एक महिला डॉक्टर ने खुदकुशी कर ली है। मृतक डॉक्टर का नाम इंदु भारती (35) है। बताया जा रहा है कि इंदु भारती ने रस्सी के सहारे अपने कमरे में खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी आनंद किशोर प्रसाद ने बताया कि खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल पाया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

दिलीप कुमार बने नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस मूवमेंट के खूंटी अध्यक्ष

RANCHI : नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस मूवमेंट के झारखंड संयोजक अली राजा जैदी ने

दिलीप कुमार को खूंटी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में जारी लेटर में यह उम्मीद जताई गई है कि दिलीप कुमार दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। उनकी कामयाबी की कामना भी की गई है।

अजय राम बने भारतीय किसान यूनियन संग्राम (अ) के खूंटी जिला अध्यक्ष

RANCHI : भारतीय किसान यूनियन संग्राम (अराजनीतिक) के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से खूंटी

जिला निवासी अजय राम को जिला का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। कुछ मानो नयन के साथ जारी पत्र में यह उम्मीद जताई गई है कि अजय राम जिला में किसानों के साथ संपर्क बनाकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और हर तरह से समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करते हुए किसने की मदद करेंगे। किसानों में संगठन की लोकप्रियता को बढ़ाएंगे और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राव मुशर्रफ अली के सपनों को साकार करेंगे।

युवक का शव बरामद हत्या की आशंका

RANCHI : रांची के रातू थाना क्षेत्र के तालाब के समीप से पुलिस ने सोमवार को एक युवक का शव बरामद किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की हत्या कर यहां फेंक दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी शशि भूषण ने बताया कि एक युवक का शव बरामद किया गया है।

वेद पर गोली चलाने के विरोध में पूर्व पार्षदों ने किया प्रदर्शन

RANCHI : सोमवार को घटना के विरोध में पूर्व पार्षदों ने विस और पारस अस्पताल के पास प्रदर्शन किया। विधानसभा के समीप हाथों में तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। तख्ती पर गोलीबारी की घटना को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार करने और एनकाउंटर करने की मांग लिखी हुई थी।

विस के अंदर भाजपा व बाहर पुलिसकर्मियों ने किया प्रदर्शन

हेमंत सरकार से बीजेपी ने मांगा इस्तीफा, सेवा को समायोजित करने की मांग पर डटे हैं पुलिसकर्मी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर के अंदर और बाहर जमकर हंगामा हुआ। विधानसभा परिसर के अंदर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने प्रदर्शन किया। धरना दिया। वहीं, विधानसभा परिसर के बाहर सहायक पुलिसकर्मियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सहायक पुलिसकर्मी अपनी सेवा को समायोजित करने की मांग कर रहे हैं। इसके समर्थन में पुलिसकर्मी 2 जुलाई से मोरहाबादी मैदान में आंदोलन कर रहे हैं। विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान इन्होंने वहां पहुंचकर अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए जोरदार प्रदर्शन किया।

उधर दूसरी ओर, विधानसभा परिसर के अंदर मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

विधानसभा परिसर में प्रदर्शन करते भाजपा नेता। ● फोटोन न्यूज

विपक्षी दल के विधायकों ने सरकार पर भ्रष्टाचार और युवाओं के साथ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया। भाजपा विधायकों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थी, जिस पर तरह-तरह के नारे लिखे थे। भाजपा नेताओं ने इस सरकार को कोयला, पत्थर, बालू और जमीन लुटवा करार दिया। भाजपा विधायकों ने हेमंत सोरेन को सत्ता का भूखा और युवाओं के सपनों का हत्यारा बताया। कहा कि स्नातक को 5000 रुपए और स्नातकोत्तर को 7000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, उसका क्या हुआ। भाजपा विधायकों ने कहा कि राज्य की चौपट विधि व्यवस्था के लिए हेमंत सोरेन इस्तीफा दें।

ग्रामीण एसपी ने कहा- धरनास्थल पर लौटें, नहीं तो होगी प्राथमिकी

PHOTON NEWS RANCHI : विधानसभा के समक्ष सहायक पुलिस कर्मी अपनी मांगों को लेकर को धरने पर बैठ गये हैं। सत्र शुरू होने से पहले सहायक पुलिस कर्मी विधानसभा के परिसर में धरने पर बैठ गये हैं। पुलिस यूनिफॉर्म में होने के कारण धरने पर बैठे सहायक पुलिसकर्मियों को किसी ने परिसर में आने से नहीं रोका। धरने की सूचना मिलते ही ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल पहुंचे और सहायक पुलिसकर्मियों को धरनास्थल पर लौटने को कहा। ग्रामीण एसपी ने सहायक पुलिसकर्मियों को कहा कि धरनास्थल पर लौटे, नहीं तो एफआईआर होगा। साथ ही कहा कि आपकी नौकरी पर खतरा होगा। मौके पर काफी संख्या में पुलिस

विधानसभा के समक्ष धरना पर बैठे सहायक पुलिसकर्मी। ● फोटोन न्यूज

बल की जवान तैनात किए गए है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी राज कुमार मेहता और सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार भी मौके पर पहुंचे हैं और धरने पर बैठे सहायक पुलिसकर्मियों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत दो जुलाई से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मोरहाबादी मैदान में सहायक पुलिसकर्मी धरने पर बैठे हैं। 2300 सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं। बारिश होने के बाद भी सभी धरना स्थल पर डटे हुए हैं।

आग बुझाने के लिए फर्स्ट फ्लोर की तोड़ी गई एक दीवार

रोस्पा टावर की दुकान में लगी आग, अफरा-तफरी

SUHAIB ANSARI

रांची : सोमवार की दोपहर के समय रांची के मेन रोड स्थित रोस्पा टावर के फर्स्ट फ्लोर की एक दुकान में आग लग गई। आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही पूरे कॉम्प्लेक्स में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय दुकानदारों ने आग लगने की सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दी। तत्काल दमकल की टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश में जुट गई। आग बुझाने के लिए फर्स्ट फ्लोर की एक दीवार को भी तोड़ी गयी। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग लगने से एक दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग लगने की घटना में कितने का नुकसान हुआ है, इसका आकलन होने के बाद ही पता चल पाएगा। गोदाम में गितार सहित अन्य म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट थे।

दोपहर करीब 2.15 बजे की घटना

लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार ने बताया कि रोस्पा टावर के फर्स्ट फ्लोर में एक दुकान के गोडाउन में सोमवार दोपहर करीब 2.15 बजे आग लग गई थी। स्थानीय दुकानदारों द्वारा आग लगने की सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दी गई। धटनास्थल पर पहुंचकर दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में किसी की घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दुकानदारों ने बताया- कुछ लड़के अंदर पी रहे थे सिगरेट

जिस गोडाउन से दहकी चिंगारी, वहां नहीं है बिजली कनेक्शन

कॉम्प्लेक्स के सेफ्टी मानकों को कर दिया गया है नजरअंदाज

मौत को दावत दे रहे हैं कॉम्प्लेक्स में लटकते तारों के संजाल

तोड़ी गई दीवार व लटकते तारों का संजाल। ● फोटोन न्यूज

सिर्फ फोर्थ व फिफ्त फ्लोर में है बिजली का पैनल

कुछ दुकानदारों ने नाम न छापने की शर्त में बताया कि रोस्पा टावर के सेफ्टी मानकों को पूरी तरह से नजर अंदाज कर दिया गया है। कॉम्प्लेक्स के फर्स्ट से लेकर थर्ड फ्लोर तक बिजली का पैनल भी नहीं लगाया है। सिफ फोर्थ व फिफ्त फ्लोर में बिजली का पैनल लगाया गया है। वहीं, इस कॉम्प्लेक्स में बिजली के तारों का सघन जाल है। कॉम्प्लेक्स में लटकते तार मौत को दावत दे रहे हैं। कॉम्प्लेक्स में बिजली के तारों का अधिकतर कनेक्शन खुले में दौड़ रहे हैं। यहां, कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। इसे लेकर कारगर कदम उठाने की आवश्यकता है। साथ ही पूरे कॉम्पलेक्स में अगलगी से बचाव के लिए फायर फाइटिंग सिस्टम भी नहीं लगी है।

म्यूजिकल स्टोर के गोडाउन में लगी आग

जानकारी के अनुसार, रोस्पा टावर के बॉम्बे म्यूजिकल स्टोर के गोडाउन में आग लगी, जो फर्स्ट फ्लोर पर है। दुकानदारों ने बताया कि गोडाउन बंद था। कुछ देर पहले इस गोडाउन में कुछ लड़के सिगरेट पीकर गए थे। कुछ देर के बाद गोडाउन से धुएं का गुब्बार निकलते देखा गया। धीरे धीरे आग के लपटों के आसपास के दुकानों को भी लपटे में ले लिया। दुकानदारों ने बताया की इस गोडाउन पर बिजली का कोई कनेक्शन भी नहीं है। दुकानदारों ने बताया कि रोस्पा टावर में रात के समय में कुछ नशेड़ियों का जामवाड़ा रहता है। इसे देखते हुए कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों ने पिछले एक महीने से कॉम्प्लेक्स के सभी इंट्री गेट में रात के समय में ताला लगाना शुरू कर दिया है।

डीपी ज्वेलर्स लूटकांड का खुलासा

गढ़वा में पुलिस ने की छापेमारी होटल से चार लुटेरे गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित डीपी ज्वेलर्स में हुई लूट कांड का रांची पुलिस ने खुलासा कर लिया है। वारदात में शामिल 4 लुटेरों को रांची पुलिस ने गढ़वा से गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, पूरे मामले को लेकर रांची पुलिस के द्वारा सोमवार को जानकारी दी जाएगी। रांची पुलिस ने गढ़वा के साहिजना स्थित होटल नवनीत से चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पकड़े गए चारों अपराधी रांची के बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स में हथियार के बल पर 1.50 करोड़ रुपए की हुई लूटपाट के मामले में शामिल थे। हालांकि रांची पुलिस ने इस

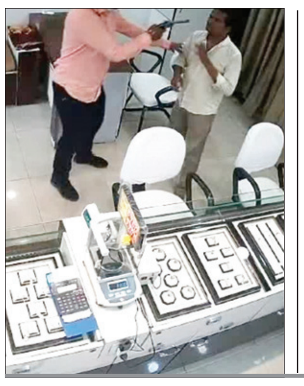

बात की पुष्टि नहीं की है। वहीं गढ़वा पुलिस ने चार अपराधियों के होटल से पकड़े जाने की बात स्वीकारी है। बताया जा रहा है कि रांची पुलिस को गढ़वा के एक होटल में अपराधियों के रूकने की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद रांची पुलिस की टीम रविवार अहले सुबह गढ़वा पहुंची थी, गढ़वा पुलिस के सहयोग से पुलिस की टीम ने होटल नवनीत में छापेमारी की, इस दौरान पुलिस को देखकर अपराधी इधर-उधर भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने चारों को पकड़ लिया।

तीसरे तल से छलांग लगाने की कोशिश

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की टीम को देखकर अपराधी भागने लगे थे ,इसमें एक अपराधी होटल के तीसरे तल पर चढ़ गया और नीचे कूदकर भागने का प्रयास किया, मगर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पहले से ही होटल की घेराबंदी कर ली थी, जिससे अपराधी भाग नहीं पाया, उसे पुलिस की टीम ने पकड़ लिया।

जिला खेल पदाधिकारियों के लिए परीक्षा का रास्ता साफ

RANCHI : राज्य सरकार ने झारखंड क्रीड़ा संवर्ग नियुक्ति, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त संशोधन नियमावली 2024 के गठन की मंजूरी प्रदान कर दिया है। इसके अंतर्गत अब जिला क्रीड़ा संवर्ग के पदों में नियुक्ति के लिए तीन के बजाए दो पत्र ही होंगे। इसके अलावा सेवा संपुष्टि के लिए हिंदी टिप्पण प्रारूपण परीक्षा, संगणक संचालन प्रशिक्षण परीक्षा एवं जनजातीय भाषाओं में से किसी एक भाषा में उर्तीणता तथा राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित लेखा परीक्षा के दो पत्रों पुस्तक रहित एवं पुस्तक सहित में अंतिम सत्र से उत्तीर्णता अनिवार्य होगी। इसके अलावा कार्मिक विभाग से परामर्श के बाद पर्यटन युवा खेलकुद विभाग ने मिशन कर्मयोगी के साथ हुए एमओयू के तहत आइगोट के माध्सम से माइक्रोसॉफ्ट के एमएस ऑफिस में सर्टिफिकेशन प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है।

जगन्नाथपुर मेला में किया अद्‌भुत काम

मां सुभद्रा ग्रुप की भूमिका बन गई आकर्षण का केंद्र

PHOTON NEWS RANCHI : जगन्नाथपुर मेला के दिन मां सुभद्रा ग्रुप की भूमिका पूरे मेले के दौरान आकर्षण का केंद्र बना रहा। दोपहर दो बजे के करीब जब जगन्नाथ स्वामी, माता सुभद्रा और बलभद्र भगवान के विग्रह मंदिर से रथ की ओर ले जाए जा रहे थे, तब पब्लिक न्यूज रांची से संबंधित मां सुभद्रा ग्रुप की करीब 103 की संख्या में महिलाओं ने विग्रह जाने वाले मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में शामिल सात महिलाएं जमशेदपुर से पहुंची थीं। रांची जिले के अलग-अलग इलाकों से भी महिलाएं शामिल थीं। इस दौरान पब्लिक न्यूज रांची व मां सुभद्रा ग्रुप के एडमिन व संयोजक प्रभात कुमार राजन सहित अन्य की सरहानीय भूमिका रही।

मरम्मत संबंधी कार्यों के पूर्व व बाद की फोटो तथा वीडियो अभिलेख के लिए उपलब्ध कराना अनिवार्य

रांची का रिनपास होगा अपग्रेड, मिले 37 करोड़

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी का रिनपास (रांची मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान) अपग्रेड होगा। राज्य सरकार ने रिनपास को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 36 करोड़ 95 लाख दो हजार रुपए की राशि उपलब्ध करा दी है। इस राशि से निर्माण व मरम्मत संबंधी कार्य इस्टीमेट तैयार कर पूरे किए जाएंगे। पूर्व से चल रहे निर्माण व मरम्मत कार्यों की समाप्ति के बाद ही नए काम शुरू किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि निर्माण व मरम्मति संबंधी कार्यों के पूर्व एवं बाद का फोटो

व वीडियो विभाग को अभिलेख के लिए उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य होगा। निर्माण व मरम्मति कार्य की गुणवत्ता रिनपास के निदेशक सुनिश्चित करेंगे। वहीं रिनपास के निदेशक समय-समय पर प्रगति प्रतिवेदन विभाग को और उपयोगिता प्रमाण-पत्र स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग एवं महालेखाकार कार्यालय, को उपलब्ध करायेंगे।

इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलायड साइंस में हर साल एक लाख से अधिक मरीजों का होता है इलाज

रिनपास में हर साल एक लाख से अधिक मरीजों का इलाज होता है। इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलायड साइंस (रिनपास) राज्य सरकार का एकमात्र मनोचिकित्सा संस्थान है। राज्य सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग और भारत सरकार के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की मॉनिटरिंग में इसका संचालन होता है। सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर संस्थान की रिपोर्ट लेता है। खूंटी, सरायकेला खरसावां और हजारीबाग में तीन और सैटेलाइट क्लीनिक खोले हैं। संस्थान इन आउटरीच सामुदायिक केंद्रों में मनोचिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और छात्रों से बनी मेडिकल टीम

भेजता है, जहां उन्हें एक महीने के लिए परामर्श और मुफ्त दवा दी जाती है। हर पखवाड़े एक मनोचिकित्सक बिरसा सेंट्रल जेल, रांची और चेशायर होम, रांची में मानसिक बीमारी से पीड़ित कैदियों का इलाज करने जाता है। रिनपास दुमका, डाल्टनगंज, गुमला और जमशेदपुर में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कामकाज के लिए नोडल केंद्र भी है।

अपनी मांगों को ले मनरेगा कर्मियों ने झामुमो कार्यालय का किया घेराव

PHOTON NEWS RANCHI : वादा निभाओ, स्थाई करो मुहिम के तहत झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के अगवाई में, अपनी मांगों को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय का घेराव किया गया। जिसमें राज्य के मनरेगा कर्मचारी उपस्थित हुए। संघ के प्रदेश अध्यक्ष जॉन पीटर बागे कार्यालय के गेट पर जमीन मे बैठ गए, देखते-देखते सभी कर्मी जमीन पर ही बैठ कर घेराव कर दिया गया। नारे बाजी के साथ वादा निभाओ! स्थाई करो नारा को बुलंद किया गया। तत्काल झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय पदाधिकारीयों द्वारा संघ को वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया। जहां पार्टी की ओर से बिनोद पांडेय एवं

धरना पर बैठे मनरेगा कर्मी ● फोटोन न्यूज

सुप्रीयो भट्टाचार्या के द्वारा वार्ता की गई। वार्ता के दौरान पार्टी के पदाधिकारीयों द्वारा सभी मांगों पर राज्य के मुख्यमंत्री के पास संघ की मांगों को रखने का काम करेंगे और यथा संभव मुख्यमंत्री द्वारा किए गए सभी वादो को पूरा करवाने का भरोसा दिया गया। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय प्रामाणिक, पंकज सिंह, देवेन्द्र उपाध्याय, मो इम्तियाज, नन्हें परवेज, लतीफ अंसारी, शिव देव लोहरा, सुमन गांगुली, यासीन अंसारी, मंजीत सिंह, सुराई हेम्ब्रम, व्यास देव सहित सेंकड़ों मनरेगा कर्मी उपस्थित हुए।

योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता पर चार प्रखंडों के मनरेगा एई व जेई की सैलरी पर रोक

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त ने की आवास, 15वें वित्त, मनरेगा योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

PHOTON NEWS JSR: समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा ग्रामीण विकास के योजनाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही तथा एमबी इंट्री लंबित रखे जाने पर 4 प्रखंडों चाकुलिया, घाटशिला, गोलमुरी सह जुगसलाई एवं पोटका के एई व जेई की सैलरी पर रोक लगा दी गई। इसके साथ ही 15 दिनों में प्रगति लाने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण विकास से जुड़ी अधूरी योजनाओं को प्राथमिकता में रखते हुए पूर्ण कराएं। आवास निर्माण हो या जीविकापोर्जन से जुड़ी पशुधन, बागवानी, सिंचाई तथा मनरेगा की अन्य योजनायें, सभी योजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के आधार हैं। योजनाओं को ससमय पूर्ण करने से लाभुक इसका समुचित ले सकेंगे। इसमें कोई लापरवाही नहीं बरतें, तय समय में पूरा करें या कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

बैठक में आवास सहित 15वें वित्त व मनरेगा योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई एवं योजनाओं में कार्य प्रगति, पूर्ण योजनाएं, ग्राम पंचायत स्तर पर कितने लोगों को विकास योजनाओं के कार्यान्वयन से रोजगार उपलब्ध कराया गया, आदि की जानकारी ली गई।

समाहरणालय सभागार में बैठक करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

पंचायत स्तर पर निर्गत हों जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र : 15वें वित्त की समीक्षा में पंचायत समिति की बैठक 8 जुलाई से 13 जुलाई तक किए जाने, पंचायतों में बायोमीट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य रूप से बनाने का निर्देश दिया गया। 22 जुलाई तक पंचायत समिति स्तर पर 15वें वित्त आयोग की राशि का 85% खर्च व ग्राम पंचायत स्तर पर 90% राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया। पंचायत ज्ञान केंद्र अंतर्गत चिह्नित सभी 51 ग्राम पंचायतों की सामग्री 15 जुलाई तक क्रय करने, कैश बुक अपडेट रखने, सभी ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत स्तर से ही जारी करने का निर्देश दिया गया। सूचीबद्ध वीएलई को पंचायत भवनों में बैठने को कहा गया।

आवास योजना में 2268 लाभुकों का ही जियो टैग : आवास योजनाओं की समीक्षा में कुल निर्गत-7822 प्रथम किस्त के विरूद्ध प्रखंडों द्वारा अब तक मात्र 2268 लाभुकों का प्लिन्थ स्तर का जियो टैग करने पर उपायुक्त द्वारा अप्रसन्नता जताई गई। उन्होंने दो दिन के अंदर 85% एवं एक सप्ताह में 100% जियो टैग कराने के निर्देश दिए। द्वितीय किस्त जारी करने में सभी प्रखंडों में धीमी प्रगति पर 9 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक लाभुकों का द्वितीय किस्त भुगतान का प्रस्ताव जिला कार्यालय को समर्पित करने को कहा गया। निमार्णाधीन आवासों का पंचायत स्तरीय अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में वित्तीय वर्ष 2016-22 तक स्वीकृत 47462 आवासों के विरूद्ध अबतक लंबित 397 आवासों में प्रगति नहीं होने के कारण सभी प्रखंडों को 15 दिन में निर्माण कार्य पूर्ण कराने को कहा गया। समीक्षा में पाया गया कि अंबेडकर आवास योजना में प्रखंडों द्वारा पूर्ण हो चुके आवास के विरूद्ध अंतिम किस्त की राशि का भुगतान पोटका एवं मुसाबनी में लंबित रखा गया है, जिस पर तत्काल तृतीय किस्त जारी करने को कहा गया।

चलेगा 'लोग जोड़ें-गड्ढा कोड़ें महाअभियान' : उपायुक्त द्वारा मनरेगा योजना की समीक्षा में लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत मानव दिवस सृजन का निर्देश दिया गया। प्रति गांव 5 से ज्यादा योजनाओं को लेने, वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत योजनाओं को जुलाई में 25 फीसद से अधिक प्रगति लाने, वैसी योजनाएं जिनमें 75-100 फीसदी राशि खर्च हो चुकी है, उन्हें जल्द बंद करने का निर्देश दिया गया। रिजेक्टेड ट्रांजेक्शन के कुल 198 मामलों का निराकरण करने, प्रत्येक गुरुवार व रविवार को 'लोग जोड़े गड्ढा कोड़ें' महाअभियान चलाने का निर्देश दियाा।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के आवेदन को स्वीकृति

5870 छात्रों के बीच 6.11 करोड़ किए जाएंगे वितरित

बैठक को संबोधित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

JAMSHEDPUR: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में सोमवार को कल्याण विभाग की योजनाओं से जुड़ी अनुमोदन समिति की बैठक की गई। इसमें पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लाभ को लेकर बताया गया कि 22425 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 8226 आवेदन विभिन्न शिक्षण संस्थान द्वारा अबतक अप्रूव किया गया है। इनमें 5870 छात्रों को 6 करोड़ 11 लाख रुपये छात्रवृत्ति राशि के भुगतान की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत कुल 285 लाभुकों के प्रस्ताव पर समिति ने अनुमोदन किया, जिसमें 150 आदिम जनजाति, 27 आदिम जाति, ओबीसी के 102 तथा 03 दिव्यांग एवं 03 अल्पसंख्यक लाभुक शामिल हैं। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना में 4 प्रखंडों से प्राप्त हुए 165 आवेदनों में से 1 आवेदक को मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना के तहत लाभ दिए जाने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया गया। अन्य 164 योजनाओं को जांचोपरांत अनुमोदित किया गया। उपायुक्त द्वारा सभी प्रखंडों के योग्य लाभुकों को योजना का लाभ देने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि, संबंधित जिला परिषद सदस्य, डीएफओ सबा आलम अंसारी व उपविकास आयुक्त मनीष कुमार, अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

चाकुलिया में आभूषण दुकान से 14 लाख रुपये के गहनों की लूट

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया प्रखंड के श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र स्थित पिताजुड़ी चौक में सोमवार सुबह लगभग आठ बजे 14 लाख रुपये के गहनों की लूट हो गई है। बताया जाता है कि सोना दुकानदार उत्तम साव धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र स्थित महुलीशोल के निवासी हैं। वह प्रतिदिन की तरह सुबह बाइक से वे पिताजुड़ी चौक स्थित दुकान पर पहुंचे। दुकान का ताला खोलने लगे, तो देखा कि ताला का छेद बंद है। इसे देखकर वे पास के एक दुकानदार के पास गए और उसे बता रहे थे कि किसी ने ताला के छेद में बालू और फेवीक्विक डालकर उसे बंद कर दिया है।

इसी बीच, बाइक पर सवार होकर दो युवक मौके पर पहुंचे। उत्तम साव की बाइक की डिक्की तोड़कर उसमें रखे गहनों से भरा बैग लेकर भाग गए। बैग में लगभग 100 ग्राम सोने के जेवरात तथा 4 से 5 किलो चांदी के जेवरात थे। अपराध को अंजाम देने के बाद लुटेरे जब भाग रहे थे, तभी एक युवक की नजर उन पर पड़ी। उसने लुटेरे का कॉलर पकड़ लिया, लेकिन किसी तरह लुटेरे भागने में सफल रहे। मामले की सूचना श्यामसुंदरपुर थाने की पुलिस को दी गई। श्यामसुंदरपुर थाना के एसआई नरेश राम मामले की छानबीन में जुट गए हैं। गहनों की लूट में इस्तेमाल की गई बाइक बहरागोड़ा जाने वाली सड़क पर बांसदा के समीप एनएच के किनारे खड़ी मिली है।

लूट के बाद बंद पड़ी दुकान

पुलिस उस बाइक के सहारे लुटेरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। दुकान के पास मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया है कि लुटेरों ने हेलमेट भी नहीं पहना था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि लुटेरे काफी समय से सोना दुकान और उसके मालिक की रेकी कर रहे थे। सोना दुकान के बाहर सीसीटीवी कैमरा नहीं होने का भी लुटेरों ने फायदा उठाया।

रेल कर्मियों को आपदा के दौरान आग बुझाने की दी गई जानकारी

JAMSHEDPUR : टाटानगर रेल सिविल डिफेंस द्वारा केन्द्रीय कर्षण मरम्मत कारखाना के कर्मचारियों को आपदा राहत कार्य प्रशिक्षण दिया गया। मॉक ड्रिल प्रशिक्षण कार्यक्रम केन्द्रीय कर्षण मरम्मत कारखाना(सीटीआरसी) के मुख्य गेट टाईम ऑफिस के समक्ष आयोजित हुई, इसमे कर्मचारियों को कार्बन डाइआक्साइड और ड्राई केमिकल पाउडर फायर संयंत्र का प्रयोग कर आग बुझाने की कला दिखाई गई। मुख्य अतिथि मंडल विद्युत अभियंता प्रेमचंद शर्मा ने सिविल डिफेंस टीम के कार्यों का प्रशंसा करते हुए महीने में एक बार कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की बात कही। अग्निशमन प्रयोग मॉकड्रिल कार्यक्रम में सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार, डेमोंस्ट्रेटर अनिल कुमार सिंह, शंकर प्रसाद, अनामिका मंडल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गेंद लाने गया छात्र लोहे के गेट से सटा, हुई मौत

ऊपर से गुजर रहा हाई टेंशन तार, करंट लगने की आशंका

JAMSHEDPUR : मानगो डिमना चौक स्थित आनंद विहार कॉलोनी निवासी कुलदीप गुप्ता के 11 वर्षीय पुत्र निहाल की मौत हो गई। बताया जाता है कि निहाल घर के सामने क्रिकेट खेल रहा था। इसी बीच उसकी गेंद रमेश यादव के खटाल में चली गई। वह गेंद लाने के लिए खटाल में बने लोहे के गेट को फांदने का प्रयास कर रहा था, लेकिन वह गेट में सटा रह गया। वह लगभग 15 से 20 मिनट तक लटका रह गया। उसके साथ क्रिकेट खेल रहे लड़के उसे छोड़कर भाग गए। बगल की महिला ने जब देखा कि निहाल गेट पर टंगा हुआ और हिल-डुल नहीं रहा है तो उसने शोर मचाया। इस पर पड़ोसियों के साथ निहाल की मां भी पहुंची। सभी उसे आनन-फानन में टीएमएच ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। निहाल विकास विद्यालय में कक्षा 6 का छात्र था। घटना कैसे घटी, यह लोगों को समझ में नहीं आ रहा है। मौके पर पहुंचे भाजपा नेता विकास सिंह ने देखा कि खटाल के ठीक ऊपर हाई टेंशन का तार गुजर रहा है, जो काफी नजदीक है। आशंका जताई जा रही है कि गेट में करंट प्रभावित हो रहा था। परिजन इसकी जांच की मांग कर रहे हैं।

समाचार सार

तुलसी भवन में राखी मेला 22 से 24 तक

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी महिला मंच, जमशेदपुर शाखा द्वारा बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में 22 से 24 जुलाई तक राखी मेला लगाया जाएगा। मेला रोज सुबह 10 बजे से रात 09 बजे तक खुला रहेगा। मंच की पदाधिकारियों ने सोमवार को राखी मेला का पोस्टर विमोचन किया। इस मेले में लगभग 50 स्टाल लगाए जाएंगे। अध्यक्ष रानी अग्रवाल एवं सचिव मीना अग्रवाल ने बताया कि इस साल भी मेले में जमशेदपुर सहित चाईबासा, रांची, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, कोलकाता, मुंबई आदि की महिलाएं स्टॉल लगाएंगीं। मेले में राखी, गिफ्ट आइटम, बेडशीट, लड्डू गोपाल की पोशाक, बंदनवार, साड़ी, कुर्ती और गृह सज्जा के सामानों का कलेक्शन रहेगा। इसके अलावा गृह उपयोगी हाथ से बने अचार, पापड़, मंगोड़ी, खजला भी मिलेंगे।

टिनप्लेट यूनियन के वाइस प्रेसिडेंट को मातृशोक

JAMSHEDPUR : गोलमुरी टिनप्लेट वर्कर्स यूनियन के वाइस प्रेसिडेंट मुन्ना खान की माता सरिया बेगम रविवार को देहांत हो गया। वह कुछ दिनों से टीएमएच के आईसीयू में इलाजरत थीं। उन्हें सोमवार को साकची कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। सरिया बेगम अपने पीछे तीन बेटे एवं तीन बेटियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। निधन की खबर पर यूनियन के अध्यक्ष राकेश्वर पांडे, उपाध्यक्ष परविंदर सिंह सोहल समेत अन्य पदाधिकारियों व कमेटी मेंबरों ने शोक व्यक्त किया है।

मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष को पितृशोक

JAMSHEDPUR : परमहंस लक्ष्मी नाथ गोस्वामी समिति बिष्टुपुर के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा एवं पूर्व प्राचार्य दिल्ली पब्लिक स्कूल अमोल कुमार मिश्रा के पिता उमाकांत मिश्रा का स्वर्गवास सोमवार को 1:30 बजे दोपहर टाटा मेन हॉस्पिटल में हो गया। 88 वर्ष के आयु में अपने पीछे दो पुत्र एवं दो पुत्री का भरा पूरा परिवार पीछे छोड़ गए। वे टाटा स्टील के पूर्व कर्मचारी रह चुके थे। उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान न्यू बारीडीह से मंगलवार सुबह 10.00 बजे स्वर्णरेखा बर्निंग घाट के लिए प्रस्थान करेगी।

ग्रेजुएट कॉलेज में छात्राओं का हुआ परिचय सत्र

JAMSHEDPUR : साकची स्थित ग्रेजुएट कॉलेज में सोमवार को इंटरमीडिएट की छात्राओं का परिचय सत्र हुआ। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्या वीणा सिंह प्रियदर्शी एवं इंटर को-ऑर्डिनेटर डॉ. अर्चना सिन्हा भी उपस्थित थीं। प्राचार्या ने छात्राओं को महाविद्यालय के अनुशासन, समय-प्रबंधन, कक्षा में 75% उपस्थिति, पाठ्यक्रम एवं शिक्षण -सारणी से संबंधित जानकारी दी। इस कार्यक्रम में डॉ. कमलेश कुमार कमलेंदु, राकेश पांडे, बापटू मुखर्जी, एस जेड खान, सुष्मिता सिन्हा, एम अंजुम, वंदना कुमारी, स्वाति सिंह, डॉ. नम्रता कुमारी, डॉ. सुरैया परवीन, वर्षा श्रीवास्तव, संध्या सिंह, शाइस्ता फैज, डॉ. रश्मि रानी, संध्या सिंह, लाली कुमारी, डॉ. सुनीति मालाकार, पावनी पूजा, कमर निगार, नेहा सिन्हा आदि शिक्षक उपस्थित थे।

पंचायती राज संगठन के जिला समन्वयक बने बबलू

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का जिला समन्वयक पवन कुमार बबलू को बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने मनोनयन करते हुए आशा व्यक्त की है कि पवन कुमार बबलू के नेतृत्व में संगठन काफी मजबूत होगा। उन्हें जिला, प्रखंड, मंडल और जिले की सभी 231 पंचायत में कमेटी गठन करने का निर्देश दिया गया है।

यूनियन ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी विदाई

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय में सोमवार को गत माह सेवानिवृत्त हुए सभी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं विदाई दी गई। सभी रिटायर कर्मचारियों को टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने शॉल ओढाकर और स्मृतिचिन्ह दे कर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में 11 सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने परिवार के साथ शामिल हुए। सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में रमेश कुमार, अविजीत कुमार डे, मनसिजा कुमार साहू , प्रभात कुमार सिंह, सुनील कुमार सिन्हा , किशोर कुमार सिंह, फिरोज आलम, विकास सरकार, रतन कुमार सिंह, मोहिनी मोहन गोप, रमेश कुमार शामिल है।

शहर में मधुमेह व रक्तचाप रोगियों का सर्वे कर रही दिल्ली की टीम

JAMSHEDPUR : शहर में केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) की टीम मधुमेह व रक्तचाप के रोगियों का सर्वे कर रही है।

इसमें उनकी मदद के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को लगाया गया है। टीम के सदस्य शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों के ब्लड प्रेशर व शुगर की जांच कर रहे हैं। उनके पास बैंक खाता है या नहीं। है तो क्या वे कभी पैसा जाकर निकाले है, यह भी पूछा जा रहा है। ऐसे में लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सोमवार को टीम मानगो क्षेत्र में पहुंची तो कुछ लोगों ने इसका विरोध किया और कहा कि हमलोग कैसे भरोसा करें कि आप सही हैं।

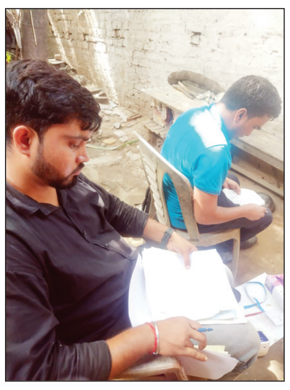
सर्वे करती टीम • फोटोन न्यूज

इस संबंध में सिविल सर्जन डा. जुझार माझी ने कहा कि एनएफएचएस सर्वे के लिए टीम आई है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उनकी मदद करें। टीम के साथ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहते हैं। सर्वे में लगे लोग सरकार की ओर से मांगी गई जानकारी जुटा रहे हैं। यह टीम अलग-अलग इलाके में भ्रमण कर रही है।

एक्सएलआरआई में पीजीडीएम में जीमैट से होंगे दाखिले

JAMSHEDPUR: एक्सएलआरआई में पीजीडीएम (जीएम) कोर्स में अब जीमैट और जीआरई स्कोर के आधार पर भी एडमिशन हो सकेगा। इससे संबंधित एक नोटिफिकेशन एक्सएलआरआइ प्रबंधन की ओर से जारी किया गया। इसमें बताया गया कि आने वाले सत्र में फ्लैगशिप पीजीडीएम (जीएम) कोर्स में जीमैट और जीआरई स्कोर के आधार पर एडमिशन होगा। इस कोर्स की अवधि 18 माह की होगी। यह कोर्स पूरी तरह से आवासीय होगा। इस कोर्स में सिर्फ वही उम्मीदवार शामिल हो सकते हैं जो कम से कम किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक की डिग्री हासिल किए हों। साथ ही उन्हें आइटी, ऑटोमोबाइल, पावर समेत अन्य सेक्टर में कम से कम पांच साल कार्य करने का अनुभव हो। इस कोर्स को फाइनांसिल टाइम्स एमबीए रैंकिंग में पूरी दुनिया में 99 वां रैंक मिला है। उक्त कोर्स के एएमबीए व एआइसीटीइ से मान्यता मिली है। प्रबंधन की ओर से यह भी बताया गया कि इस कोर्स में एडमिशन जैट स्कोर के आधार पर भी हो सकेगा। जैट 2025 का आयोजन 5 जनवरी 2025 को होगा। जीमैट व जीआरइ का स्कोर कार्ड 1 दिसंबर 2021 से 31 दिसंबर 2023 के बीच होनी चाहिए।

डिमना चौक में 8 दुकानें जलकर राख

असामाजिक तत्वों पर घटना को अंजाम देने की आशंका

PHOTON NEWS JSR : एमजीएम थाना अंतर्गत डिमना चौक के पास बनी झोपड़ीनुमा दुकानों में रविवार देर रात अचानक आग लग गई। आग ने धीरे-धीरे आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी ऊंची उठ रही थीं कि उसे दूर से भी देखा जा सकता था। स्थानीय लोगों की सूचना पर झारखंड अग्निशमन विभाग के दो दमकल मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। घटना की सूचना पीड़ित दुकानदारों को भी दी गई। दुकानदार अपनी दुकानों से सामानों को निकालने के प्रयास में लग गए, ताकि कुछ सामानों को आग से बचाया जा सके, पर इस घटना में दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग ने कुल आठ दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

मौके पर मौजूद दुकानदार • फोटोन न्यूज

रात 12.30 बजे के बाद लगी आग

पीड़ित दुकानदार प्रदीप गोराई ने बताया कि डिमना चौक के पास उनकी फल की दुकान है, जिसमें बैग और हेलमेट भी बेचते है। रात को वे दुकान बंद कर अपने घर चले गए। रात 1 बजे बगल के दुकानदार ने फोन कर जानकारी दी। जब वे घटना स्थल पहुंचे तो पाया कि दुकान में आग लगी है और दमकल उसे बुझाने के प्रयास में है। प्रदीप ने बताया कि इस घटना से उन्हें लगभग दो लाख का नुकसान हुआ है। इसके अलावा पशुपति महतो की फल दुकान, सलिल मंडल का होटल, जयल गोराई की चाय दुकान, दत्ता की श्रृंगार की दुकान, विश्वनाथ महतो की चिकन दुकान और वृंदावन गोराई की चाउमिन दुकान में भी आग की चपेट में आई। आग से 8 से 10 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। प्रदीप ने बताया कि संभवतः किसी आसमाजिक तत्व ने दुकानों में आग लगाई है।

घोषणा सूर्य मंदिर समिति पूरे सावन श्रद्धालुओं को कराएगी द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन

सावन की तीसरी सोमवारी पर सिदगोड़ा में निकलेगी जलाभिषेक यात्रा

PHOTON NEWS JSR : सावन की तीसरी सोमवारी पर इस वर्ष भी विशाल जलाभिषेक यात्रा निकलेगी। सूर्य मंदिर समिति द्वारा मंदिर परिसर में सोमवार को प्रेस वार्ता में संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि जलाभिषेक यात्रा के लिए सोमवार 5 अगस्त को प्रातः 6 बजे से श्रद्धालु बारीडीह हरि मंदिर मैदान में एकत्रित होंगे, जहां स्वर्णरेखा नदी में पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जलाभिषेक का संकल्प कराया जाएगा। इसके पश्चात, हजारों की संख्या में शामिल श्रद्धालु कतारबद्ध होकर सूर्य मंदिर शिवालय के लिए प्रस्थान करेंगे। जलाभिषेक यात्रा में भक्तिमय संगीत, विशालकाय शिवलिंग, आकर्षक झांकी, घोड़े एवं सजे रथ, केसरिया ध्वज लिए युवाओं की टोली आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस बार मंदिर समिति ने श्रावण मास के पूरे 29 दिन शिवभक्तों को बारह ज्योतिलिंगों के दर्शन कराने की तैयारी की है। भगवान शिव की आराधना करने वाले वैसे सभी श्रद्धालु जो द्वादश ज्योतिलिंगों के दर्शन करने की कामना रखते हैं। लेकिन किसी कारणवश वे नहीं पहुंच पाते हैं, वैसे सभी भक्तों के लिए सूर्य मंदिर परिसर में स्थित आध्यात्मिक स्थल शंख मैदान में बारह ज्योतिलिंगों के स्वरूप के दर्शन कराने की तैयारी की गई है। इसको लेकर समिति जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इस बार 22 जुलाई सोमवार से सावन की शुरूआत होगी, जो इस बार 29 दिनों का है। इस मौके पर शैलेश गुप्ता, शशिकांत सिंह, रूबी झा, बंटी अग्रवाल, कृष्णमोहन सिंह समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जुगसलाई के राजस्थान शिव मंदिर में हनुमान चालीसा आज

जमशेदपुर : जुगसलाई स्थित श्रीराजस्थान शिव मंदिर में 9 जुलाई को शाम 7 बजे से सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ होगा। मंदिर में हनुमान चालीसा का यह 108वां सामूहिक अनुष्ठान होगा। लोगों से इसमें बढ़चढ़ कर भाग लेने की अपील की गई है।

सिदगोड़ा में पत्रकारों को संबोधित करते सूर्य मंदिर कमेटी के पदाधिकारी

चारदीवारी तोड़ने की बात गलत : चंद्रगुप्त सिंह

संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह ने कहा कि विधायक सरयू राय कहते हैं कि मंदिर समिति ने दीवार बनाया फिर दीवार तोड़ दिया। उन्हें इस मामले की भी पूरी जानकारी नही है। वहां दीवार नहीं, बल्कि ग्रिलनुमा गेट लगाई गई थी। परंतु वास्तु शास्त्र के विशेषज्ञों ने सूर्य के रथ के घोड़े के ठीक सामने में स्थित अवरोध को अनुचित और अशुभ बताया। उन्होंने कहा कि सूर्य के रथ को रोकना शुभ नहीं माना जाएगा। इस पर समिति ने सामने के ग्रिलनुमा गेट को हटाकर बगल में शिफ्ट कर दिया। लेकिन इसमें किसी भी विधायक-सांसद का फंड नहीं लगा ही लगा है। ये मंदिर समिति के खर्च से बनाया गया।

अरघा से रहेगी जलार्पण की व्यवस्था

श्रद्धालुओं की भीड़ और व्रतधारी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बाबा बैधनाथ धाम की तर्ज पर सूर्य मंदिर के सिद्धेश्वर धाम शिवालय में अरघा के माध्यम से जलार्पण किया जाएगा। इसके साथ ही, श्रद्धालुओं द्वारा शिवालय में जलार्पण करते वीडियो का लाइव प्रसारण दो बड़े एलईडी स्क्रीन पर किया जाएगा। व्यवस्था और ट्रैफिक नियंत्रण में सूर्य मंदिर समिति के 200 से अधिक स्वयंसेवक तैनात रहेंगे। जलार्पण के पश्चात आध्यात्मिक स्थल शंख मैदान में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। यहां प्रसाद वितरण एवं पेयजल के अलग-अलग काउंटर लगाए जाएंगे।

...फिर, आप रहेंगी खुश

- यदि आप एक घंटे के लिए खुश रहना चाहती हैं तो एक झपकी ले लें।
- यदि आप एक दिन के लिए खुश रहना चाहती हैं तो पिकनिक पार्टी में सम्मिलित हो लें।
- यदि आप एक सप्ताह के लिए खुश रहना चाहती हैं तो फैमिली के साथ कहीं घूम-फिर आएं।
- यदि आप एक महीने के लिए खुश रहना चाहती हैं तो शादी कर लें।
- यदि आप एक साल के लिए खुश रहना चाहती हैं तो बड़ी जायदाद की वारिस बन जाएं।
- यदि तुम जिंदगी भर के लिए खुश रहना चाहती हैं तो अपने काम से प्यार करना सीखें।

मॉइश्चराइजर का उपयोग करना कई लोगों के लिए आम है। कुछ मामलों में, लोशन या मॉइश्चराइजिंग क्रीम का उपयोग, कोमल और स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने की इच्छा के वजह से होता है।

ऐसे इस्तेमाल करें मॉइश्चराइजर

अन्य समय में मॉइश्चराइजर का उपयोग एक उपकरण के रूप में किया जाता है, ताकि कुछ प्रकार की त्वचा की समस्याओं को ठीक कर सके, संभवतः खुजली से राहत लाने के लिए, खरोच या सूखापन जो की चिकित्सा समस्या के साथ जुड़ा होता है, उसको कम करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। मॉइश्चराइजर को कितनी बार लगाना है, यह एक आम सवाल है, जिसका उत्तर व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर होता है। यहां कुछ उदाहरण हैं मॉइश्चराइजर के उपयोग के आम करणों के साथ और इसे कितनी बार लगाना आवश्यक होता है।

- जो लोग त्वचा की देखभाल के मौजूदा काम के लिए स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने में संलग्न होते हैं, उनके लिए नियमित रूप से मॉइश्चराइजिंग महत्वपूर्ण होता है।
- लोशन कितनी बार लगाएं, इसके लिए ध्यान रखना पड़ता है कि त्वचा कितना प्राकृतिक तेल ग्रहण कर सकती है।
- कुछ लोग लोशन का प्रयोग नहाने के बाद त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए करते हैं, ताकि जो नमी साबुन के उपयोग से हट गई है, उसे वापस लाया जा सके।
- जिन लोगों की त्वचा तेलीय होती है, उन लोगों को मॉइश्चराइजर का उपयोग हर दूसरे दिन या सप्ताह में दो बार काफी होता है, ताकि वो त्वचा में नमी की समान मात्रा बनाए रख सके।
- जब किसी प्रकार का चिकित्सा समस्या होती है, जिसकी वजह से त्वचा शुष्क हो जाती है, कम से कम दिन में एक बार मॉइश्चराइजर का उपयोग करें या कभी-कभी एक से अधिक बार ताकि किसी भी असुविधा और त्वचा को धीमी गति से क्षति को कम करने में मदद कर सके।
- जो लोग एक्जिमा से पीड़ित होते है, उन्हें बहुत खुजली होती है। खुजली की स्वाभाविक प्रवृत्ति, खरोच होती है, जो आगे त्वचा में जलन पैदा करती है और त्वचा को नुकसान पहुंचाती है।

- औषधीय मॉइश्चराइजर से प्रतिदिन या दिन में दो बार मॉइश्चराइजिंग करने से खुजली काफी शांत होती है और लगातार खरोंच के नुकसान से त्वचा को बचाती है।
- समय-समय पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम या लोशन का उपयोग करने से फायदा होता है। जो बच्चे नियमित रूप से बाहर खेलते हैं, उन्हें सनस्क्रीन लोशन लगाना चाहिए।
- हालांकि, नहाने के बाद खुशबू मुक्त लोशन की एक छोटी राशि को लगाने से युवा त्वचा को कोमल बनाने में मदद करता है और त्वचा के शुष्क होने की संभावना को कम करता है।
- आमतौर पर पुरुष मॉइश्चराइजर का उपयोग करने के बारे में नहीं सोचते हैं। हालांकि, खुशबू मुक्त मॉइश्चराइजिंग एजेंट को कोहनी, एड़ी और पैरों की गेंदों पर लगाना चाहिए, ताकि खुरदुरी शुष्क त्वचा के विकास को रोका जा सके, जो बाद के वर्षों में समस्याओं का कारण बनती है।
- नहाने के बाद थोड़ा समय निकाल कर सप्ताह में एक या दो बार लोशन लगाना काफी होता है, ताकि जो क्षेत्र शुष्क हो जाता है, उसे मजबूत और स्वस्थ त्वचा बनाये रखने में मदद करता है।
- सामान्य रूप में नहाने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना अच्छा होता है। उस समय नहाने के लिए जो पानी का उपयोग किया गया था, उसकी छोटी राश को पकड़ कर रखता है। मॉइश्चराइजिंग प्रोडक्ट उस नमी को पकड़ने में मदद करता है।
- जब तक कि आपकी त्वचा बहुत तेलीय ना हो, मॉइश्चराइजर के दैनिक उपयोग से कोई समस्या पैदा नहीं हो सकती। हालांकि, जिन लोगों की विशेष त्वचा स्थिति होती है, उन्हें त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।

नैचुरल ग्लो

तैलीय त्वचा की खूबी है कि इस पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। और चेहरे पर हमेशा चमक बरकरार रहती है। लेकिन तैलीय त्वचा की अगर सही देखभाल न की जाए तो खुले छिद्र और मुंहासे की समस्या शुरू होते देर नहीं लगती। ऐसी त्वचा पर जल्दी कोई मेकअप भी सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा के रंग से थोड़े हल्के रंग का फाउंडेशन चुनें। यह आपको नैचरल लुक देगा। फाउंडेशन स्टिक तेल को कम करेगी और कई घंटों तक आप फ्रेस लगेंगी। तैलीय त्वचा के लिए लिक्विड फाउंडेशन के बजाय पाउडर फाउंडेशन ज्यादा असरदायक होता है। यह त्वचा का अतिरिक्त तेल सोख लेता है और उसे त्वचा को साफ-सुथरा बनाता है।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल

आजकल बोल्ड एंड ब्यूटीफुल का कॉन्सेप्ट बेहद पॉपुलर है और डिजाइनर ने इसे अपने क्रिएशन में बखूबी उतारा है। ब्लैक जैसे बोल्ड रंग पर चिकन की कढ़ाई और मिरर वर्क के साथ डिजाइनर ने काफी एक्सपेरिमेंट किया है। शॉर्ट कुर्ती जैसे रेग्यूलर आउटफिट को फैंसी टाइट्स या जींस के साथ टीम करके एक अलग और आकर्षक लुक तैयार किया जा सकता है। बात एसेसरीज की करें तो बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक के लिए चंकी ज्यूलरी उपयुक्त होती है। गर्ल नेक्स्ट डोर इस कलेक्शन में बाटिक प्रिंट्स और पैचवर्क को प्रमुखता से प्रयोग किया गया। रंगों के एक्सपेरिमेंट में डिजाइनर ने कलात्मकता का पूरा परिचय दिया है। चटख रंगों के साथ कंटेंपरेरी कट्स के प्रयोग वाली यह ड्रेस प्रोफेशनल और कॉलेज-गोइंग लड़कियों के लिए उपयुक्त है। ये ड्रेसेज कॉटन फैब्रिक्स से डिजाइन की गई हैं जो इन्हें पहनने में और भी ज्यादा आरामदायक बनाता है। इस तरह के कलरफुल आउटफिट्स को रात की पार्टीस में भी आराम से कैरी किया जा सकता है।

किसी पर बोझ न बनें रिटायर्ड लाइफ

बदलते वक्त के साथ जहां पति-पत्नी के रिश्तों की नई परिभाषाएं बनी हैं, वहां सेवानिवृत्त पति को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। एक महिला का कहना था- मैं नहीं जानती मैं अपने पति के साथ कैसे व्यवहार करूं।

सेवानिवृत्त होने के बाद कुछ हफ्ते तक तो वह तनावग्रस्त रहे, बस समाचार-पत्र पढ़ने, टीवी देखने आदि में व्यस्त रहे, लेकिन फिर उन्होंने किसी कंपनी के अध्यक्ष की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया और घर को चलाने का सारा काम अपने हाथ में ले लिया। मैं सचमुच घर में उनके काम करने के ढंग को लेकर तंग आ गई हूं।

आम समस्या बन रही आदत

यह समस्या सिर्फ एक महिला की नहीं है। प्रायः हर उस महिला की है, जिसका पति नौकरी से सेवानिवृत्त होता है। अंतर केवल उसके काम की प्रकृति का होता है। बाबू के पद से सेवानिवृत्त है तो कोई अफसर के पद से। साथियों के पास उसका व्यवहार कैसा रहा है। यह भी बहुत बाद यह सब कुछ उसके व्यक्तित्व में समा जाता है। घर की समस्याओं को भी वह दफ्तर की समस्याओं की तरह ही निपटाने लगता है। अपने अधीनस्थों के साथ उसका संवेदनशील व्यवहार घर के सदस्यों के साथ भी दिखाई देने लगता है।

अपनी चलाने की कोशिश

समस्या उस समय और भी बढ़ जाती है, जब पति और पत्नी दोनों उच्च पदों से सेवानिवृत्त हुए हों। दफ्तर की तरह घर में भी सब कुछ पति की मर्जी के अनुसार हो ऐसा संभव नहीं। बड़ा साहब होने के कारण दफ्तर में सभी लोग उनके अनुसार चलते थे, लेकिन घर में अगर वह चाहते हैं कि शांति रहे तो उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समझौता करना होगा।

बच्चों को समझना होगा

बच्चों के अपने कर्तव्य होते हैं। उनका फर्ज है बूढ़े मां बाप की देखभाल करना। दूसरी तरफ मां-बाप को भी उन्हें और उनकी समस्याओं को समझना होगा। आज के समय में किसी को ग्रांटिड नहीं लिया जा सकता। पत्नी को भी नहीं, हर एक व्यक्ति को अपने लिए थोड़ी जगह चाहिए। कुछ समय वह अपने लिए और अपने साथ भी बिताना चाहता है। अगर यह बात पुरुष को समझ आ जाए तो घर में अशांति पांव नहीं रख सकतीं। अच्छा यही होगा कि अगर हमारी सेहत अच्छी है।

काम का चुनाव कर लें

रिटायर होने के बाद हमारे अंदर काम करने की क्षमता है तो हम रिटायर होने से पहले अपने लिए काम का चुनाव कर लें, ताकि न खुद परेशान हों न घरवाले। अब मैं रहकर घर के हर काम में टीका टिप्पणी करना किसी को भी नहीं सुहाएगा। सच तो यह है कि न तो घरवालों को 24 घंटे आपका चेहरा देखने की आदत होती है और आपको उनका चेहरा देखने की हर समय की नोक-झोंक घर के वातावरण को खराब कर देती है।

पीढ़ी का अंतर समझें

आखिर पीढ़ी का अंतर भी तो होता है। कहते हैं शादी का सुख जवानी से अधिक बुढ़ापे में होता है, जवानी तो मौजमस्ती में निकल जाती है, लेकिन बुढ़ापे में जब बच्चे अपने-अपने बसेरे बना लेते हैं, तब पति-पत्नी ही एक दूसरे के मित्र और साथी होते हैं और हर तरह का सुख-दुख बांटते हैं। बच्चों से जो शिकायतें होती हैं, वे भी बच्चों की बजाय एक दूसरे से कहकर मन हल्का कर लेते हैं। यह तभी संभव है, जब वे एक दूसरे को समझते हों। रिटायर तो सबको एक दिन होना ही होता है। पत्नी ने सारा जीवन पति की इच्छानुसार जिया, रिटायरमेंट के बाद पति अगर पत्नी की इच्छानुसार जीकर जीवन में नया रंग, नया रूप और नई उमंग भर सकता है, कोशिश तो की ही जा सकती है।

टीन्स का फैशन फिवर

गर्मी में सभी अपना ड्रेसिंग स्टाइल चेंज कर लेते हैं। समर में क्लाथ, वर्क और कलर में भी बदलाव आ जाता है। इसमें टीन एजर्स कैसे पीछे रह सकते हैं। उनके लिए ट्रेंडी के साथ कूल-लुक वाले ड्रेसेस बेहतरीन ऑप्शन है, जो न केवल फैशन में अपडेट रखते हैं, बल्कि जरा हटके दिखने की चाह को भी पूरा करते हैं।

ट्रेंडी कलर्स

गर्मी के मौसम में हल्के रंगों की ड्रेस की मांग बढ़ जाती है। ये ड्रेस सूर्य की रोशनी को रिफ्लेक्ट करते हैं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। पैस्टल कलर जैसे कैंडी पिंक, पर्पल, लाइट फिरोजी, येलो कलर ऑफ व्हाइट, व्हाइट, पिस्ता, सी ग्रीन 2011 के समर सीजन के ट्रेंडी कलर्स हैं।

बेबी डॉल ड्रेसेस

गर्ल्स इस सीजन में बेबी डॉल ड्रेसेस पहन सकती हैं। एलाइन या स्ट्रेट के साथ फ्लोरल प्रिंट, एम्पायर बेस लाइन से सजी बेबी डॉल ड्रेसेस पर्सनैलिटी को आकर्षक बनाती हैं। ऐसी ड्रेसेस की लंबाई घुटनों तक होती है। यदि इसे लेगिंग्स या जीन्स के ऊपर डालें तो यह स्मार्ट लुक देगा। इसमें फ्रंट कट, बैक कट, ओपन नेक, कट स्लीव, वेस्ट लाइन फिटेट, बैक पोर्शन ओपन जैसे बदलाव लाकर इसमें वेरिएशन्स ला सकती हैं।

ट्यूनिक्स

एम्ब्रायडरी वाले बैलून शेप ट्यूनिक्स का लड़कियों के बीच खूब क्रेज रहता है। इसे लैगिंग्स या शार्ट्स के साथ पहना जाता है। प्रिंटेड लैगिंग्स

आजकल फैशन में इन हैं। जीन्स और ट्यूनिक्स का मैच भी स्मार्ट लुक देता है।

टाइ एंड डाई

यह डाई करने की ऐसी टेक्निक है, जिसमें कपड़े पर डाई से ग्राउंड या पैटर्न बनाया जाता है। इसके ट्यूनिक्स या टॉप आजकल फैशन में हैं। टाई एंड डाई के कलीदार कुर्ते के साथ लाइक्रा का चूड़ीदार पायजामा खूब फबता है। यदि इसके साथ यूनिक स्टाइल आजमाना हो, तो नेट वाला स्टोल डाल सकते हैं।

शेप्ड फिगर से मिलती है खुशी

कहते है अगर किसी महिला को आकर्षित करना हो तो उसकी तारीफ करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि एक महिला को सबसे ज्यादा खुशी मिलती है अपने शेप्ड फिगर को देखकर या उसकी प्रशंसा सुनकर। एक अध्ययन के मुताबिक अपने प्यार से ज्यादा खुशी महिला को अपनी छरहरी काया को देखकर मिलती है।

मोटा होना है दुखदाई

दूसरी तरफ मोटा होना एकाकी जीवन जीने से कहीं ज्यादा दुखदाई होता है। इतना ही नहीं, पतले होने से रिश्ते में ज्यादा संतोष का अनुभव होता है। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक वजनदार होने से जुड़ी पीड़ा इतनी बड़ी हो चुकी है कि यह करीब-करीब जीवन के हर पक्ष को प्रभावित कर रही है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. गगनदीप कौर कहती हैं, मोटापे से जितनी शारीरिक समस्याएं होती हैं, उतनी ही मानसिक समस्याएं भी होती जाती हैं। स्त्रियों के लिए खासतौर पर मोटापा मानसिक प्रभाव डालने वाला होता है।

उत्तम है घरेलू जीवन

सन् 1984 से 2008 के बीच 24 साल तक हजारों जर्मन लोगों के जीवन का अध्ययन किया गया और पाया गया कि अच्छा घरेलू जीवन एक चमकदार कैरियर से कहीं ज्यादा बेहतर होता है। इस अध्ययन से संबद्ध मनोचिकित्सक का कहना है कि, 'मैंने बहुत सी मोटी महिलाओं के साथ काम करने के बाद पाया कि उनके दिमाग में अधिक वजन की चिंता हरदम बनी रहती है। इसकी वजह यह है कि आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जो अपने नैन-नक्श, आकार-प्रकार और आकर्षण को निरंतर निखारने में लगा हुआ है। मोटे लोगों पर अकसर टिप्पणी होती है कि यह मूर्ख और सुस्त है, जिसे अपनी जरा भी परवाह नहीं है। अध्ययन में बताया गया कि सामाजिक होना और कसरत करना जीवन में संतोष प्रदान करता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि कम काम करना, अधिक काम करने की तुलना में ज्यादा दुख पहुंचाता है।

(अ) पवित्र गठबंधन

पड़ोसी मुल्क नेपाल में सियासी लुका-छिपी का खेल बरसों-बरस से जारी है। हिमालयी राष्ट्र के लोकतंत्र का दुर्भाग्य यह है, शटल कॉक की मानिंद सियासत अस्थिर है। इधर सोलह वर्षों का सियासी लेखा-जोखा टटोला जाए तो नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की अल्पमत सरकार को हटाकर शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली का नया गठबंधन अब सत्तारूढ़ होने की तैयारी में है। प्रचंड सरकार मे शामिल सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्रियों ने इस्तीफा देकर अपनी मंशा साफ कर दी है, वे अब इस सरकार का संवैधानिक हिस्सा नहीं हैं। इससे पूर्व नेपाली कांग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूएमएल के सुप्रीमो केपी शर्मा ओली ने मिलकर नेपाल में बारी-बारी से सरकार बनाने का फैसला लिया है। ओली गुट के वजीरों के सामूहिक त्यागपत्र के बाद नेपाल में 2022 से काबिज प्रचंड की सरकार अलविदा होने की स्थिति में है। नेपाल में नया गठबंधन कब काबिज होगा, भारत समेत पूरी दुनिया की नजर इस पर रहेगी। यह राजनीतिक बदलाव चंद घंटों या चंद दिनों में संभव है, क्योंकि प्रधानमंत्री प्रचंड का साफ कहना है, वह इस्तीफा नहीं देंगे, जबकि प्रचंड गुट के मुताबिक प्रचंड सरकार विश्वास मत का सामना करेगी। नेपाली संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, नेपाली संसद में बहुमत होने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत सिद्ध करना होता है। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार तत्कालीन राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने 25 दिसंबर 2022 को सीपीएन-मायोवादी सेंटर के मुखिया पुष्प कमल दहल प्रचंड को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रचंड ने 26 दिसंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यह महज संयोग था या इसके भी कुछ सियासी मायने हैं, यह सियासी टीकाकारों के मूल्यांकन का विषय है। इस दिन आधुनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की 130वीं जयंती थी। चीन ने प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने पर सबसे पहले न केवल खुशी का इजहार किया, बल्कि लंबे समय से जारी सीमा विवाद को निपटाकर उन्हें रिटर्न गिफ्ट भी दे दिया। संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर उभरे प्रचंड को इस पद पर गंभीर दावेदार नहीं माना जा रहा था। इस चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटों पर कब्जा करके सबसे बड़ी पार्टी बन गई। नेपाल में 276 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए 138 सीटें हासिल करना अनिवार्य है। सीपीएन-यूएमएल के खाते में 78 सीटें आईं, जबकि प्रचंड की पार्टी को महज 32 सीटों पर ही सफलता मिली। केवल 32 सीट जीतने के बावजूद प्रचंड गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हो गए। प्रचंड को नेपाल के सबसे बड़े विजयी दल- नेपाली कांग्रेस का साथ मिल गया। यह बेमेल गठबंधन अंततः 15 मार्च 2022 को टूट गया। सियासत के चतुर खिलाड़ी प्रचंड ओली की पार्टी के बूते सरकार बचाने में सफल रहे। करीब-करीब दो साल में यह तीसरी बार सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक नई सरकार में डेढ़ साल तक केपी शर्मा ओली पीएम बनेंगे, जबकि बचे हुए कार्यकाल पर शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री बनेंगे। पेंडुलम की मानिंद नेपाली सियासी दंगल में हार न मानने वाले प्रधानमंत्री प्रचंड अंत तक सरकार बचाने की जुगत में रहे। उन्होंने इस सियासी संक्रमण काल से उभरने के लिए पहली जुलाई को आपात बैठक बुलाई, लेकिन राजनीतिक हवा को भांपते हुए अंतिम क्षणों में इस बैठक को निरस्त कर दिया। अंततः गठबंधन सरकार को बचाने की सारी कवायद विफल हो गई। इस्तीफा न देने पर अड़े हताश एवं निराश प्रचंड को नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण सलाह देते हैं, बदलते सियासी परिदृश्य के चलते अल्पमत में आई प्रचंड सरकार को खुद इस्तीफा देने की पहल करनी चाहिए, ताकि नेपाल में नए गठबंधन की सरकार स्थापित हो सके। नेपाल में यूं तो संसदीय लोकतंत्र का शंखनाद 1951 में हो गया था, लेकिन इसे नेपाली राजशाही ने 1960 और 2005 में निलंबित कर दिया। 2008 में धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की स्थापना के साथ ही दुनिया की अंतिम राजशाही का अंत हो गया। 2015 में नया संविधान लागू हुआ तो नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। यहां का संविधान बहुजातीय, बहुभाषी, बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक विशेषताओं से लबरेज है। कहने को तो, नेपाल और भारत में रोटी-बेटी का संबंध है। सियासी भाषा में नेपाल को भारत का लघु भ्राता भी कहा जाता है, लेकिन नेपाल की आयु भारत से दो गुना से भी ज्यादा है। दस्तावेजों के मुताबिक नेपाल का आधिकारिक रूप से गठन 25 सितंबर 1768 में हुआ था। भारत के मानिंद नेपाल कभी भी उपनिवेशिक बंधन में नहीं रहा है, जबकि भारत का आधिकारिक गठन 15 अगस्त 1947 में हुआ। नेपाल भारत से 178 वर्ष, 10 महीने और 21 दिन बड़ा है। किंग्स कॉलेज, लंदन में किंग्स इंडिया इंस्टीट्यूट के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर एवं आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन थिंक टैंक में उपाध्यक्ष (अध्ययन एवं विदेश नीति) हर्ष वी. पंत नेपाल में सियासी करवट पर कहते हैं, सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कांग्रेस वैचारिक रूप से अलग हैं। मुझे नहीं लगता, ऐसी गठबंधन सरकार लंबे समय तक टिकाऊ होगी। इसमें कोई शक नहीं, यह विवशताओं का गठबंधन है। नेपाल की माली हालत को देखते हुए मध्यावधि चुनाव मुफीद नहीं रहेगा। अच्छा रहेगा, यह गठबंधन कार्यकाल मुकम्मल करे। नए गठबंधन के सामने दो पड़ोसी देश-चीन के बीच संबंधों को संतुलित रखना एक बड़ी चुनौती होगी। ओली को चीन समर्थक माना जाता है, जबकि नेपाली कांग्रेस मध्यमार्गी कहलाती है। नेपाली कांग्रेस पार्टी के भारत के संग दशकों पुराने रिश्ते हैं।

लेकिन राहुल गांधी ने मयार्दा तोड़ दी

ANALYSIS

हृदय नारायण दीक्षित

ब्रिटिश संसदीय परम्परा में वह 'गवर्नमेन्ट इन वेटिंग" कहा जाता है। कमाल है कि वे भारतीय उपमहाद्वीप के अभिजनों की विश्ववरेण्य हिन्दू संस्कृति से अपरिचित हैं। हिन्दू उन्हें हिंसक दिखाई पड़ते हैं। हिन्दू समाज व्यवस्था का मूलभूत तत्व लोककल्याण है। हिन्दू भारत की प्रकृति और संस्कृति के संवाहक हैं। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। हिन्दू जीवनशैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है। हिन्दुत्व समग्र दार्शनिक अनुभूति है। लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दू तत्व के अनेक चेहरे हैं। उग्र हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रामक हैं। हिंसक हिन्दुत्व राहुल ने जोड़ा है। अंग्रेजी भाषान्तर में हिन्दुत्व को हिन्दुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद सोशलिज्म है।

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिन्दुओं को हिंसक कहा है। इस वक्तव्य पर अखिल भारतीय प्रतिक्रिया हो रही है। नेता प्रतिपक्ष से सदन की मयार्दा और अतिरिक्त शालीन व्यवहार की अपेक्षा रहती है। लेकिन राहुल ने मयार्दा तोड़ दी। वे प्रधानमंत्री को संसदीय परंपरा के अनुसार माननीय नहीं कहते। वे उन्हें 'नरेंदर मोदी' कहते हैं। वे संभवतः यह बात भी नहीं जानते कि संसदीय व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष का पद बेहद सम्माननीय होता है। ब्रिटिश संसदीय परम्परा में वह 'गवर्नमेन्ट इन वेटिंग" कहा जाता है। कमाल है कि वे भारतीय उपमहाद्वीप के अभिजनों की विश्ववरेण्य हिन्दू संस्कृति से अपरिचित हैं। हिन्दू उन्हें हिंसक दिखाई पड़ते हैं। हिन्दू समाज व्यवस्था का मूलभूत तत्व लोककल्याण है। हिन्दू भारत की प्रकृति और संस्कृति के संवाहक हैं। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। हिन्दू जीवनशैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है। हिन्दुत्व समग्र दार्शनिक अनुभूति है। लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दू तत्व के अनेक चेहरे हैं। उग्र हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रामक हैं। हिंसक हिन्दुत्व राहुल ने जोड़ा है। अंग्रेजी भाषान्तर में हिन्दुत्व को हिन्दुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिन्दुइज्म भी हिन्दूवाद का अर्थ देता है। लेकिन हिन्दुत्व हिन्दूवाद नहीं है। हिन्दुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। आस्तिकता हिन्दू

जीवन की मूल प्रकृति है। हिन्दू होना परिपूर्ण लोकतंत्री होना है। हिन्दू सभी विचारों का आदर करते हैं। हिन्दू धर्म वैदिक धर्म का विकास है। हिन्दू होना भारतीय जीवन शैली है। इस्लाम और ईसाईयत पंथ हैं। वे भारत के बाहर विकसित हुए। भारत में उनका परिचय हिन्दू धर्म से हुआ। हिन्दुओं के लिए भी इस्लाम व ईसाईयत सर्वथा नए विश्वास थे। भारतीय जनता का एक हिस्सा इस्लाम व ईसाईयत को भी धर्म कहता है। लेकिन हिन्दू धर्म ईसाईयत या इस्लामी पंथिक विश्वास जैसा नहीं है। ईसाईयत और इस्लाम में एक ईश्वर, एक देवदूत या पैगम्बर और एक पवित्र पुस्तक के प्रति विश्वास की धारणा है। हिन्दू धर्म किसी एक पवित्र पुस्तक या देवदूत से बंधा नहीं है। कुछ विद्वान भारत में सभी धर्मों में समन्वय की बातें करते हैं। वे इस्लाम और ईसाईयत को भी धर्म कहते हैं। सच यह नहीं है। पंथ, मत, मजहब और रिलीजन अनेक हैं। धर्म एक है। इसे सनातन धर्म भी कहते हैं। इसे वैदिक धर्म भी कहते हैं। भारत में धर्म और धार्मिक विकास की यात्रा मजेदार है। यहां दर्शन और वैज्ञानिक विवेक का जन्म पहले हुआ और धर्म संहिता का विकास बाद में। जिज्ञासा और प्रश्नाकुलता हिन्दू दर्शन की विशेषता है। यहां साधारण हिन्दू भी आस्था पर प्रश्न करते हैं और संवाद भी। प्रश्नाकुलता और उदारता हिन्दू समाज की बड़ी पूंजी है। सबके प्रति बंधुभाव हिन्दू की प्रकृति है। ऐसा उदार हिन्दू समाज हिंसक नहीं हो सकता। हिन्दू विचार में प्रकृति शाश्वत है। प्राकृतिक नियम शाश्वत होते हैं। प्रकृति सुंदर है। आनंदरस से भरी पूरी है। यह सत्य है। शिव है। कल्याणकारी है। इसी शिव और सुंदर का संवर्द्धन हम सबका कर्तव्य है। यह प्रतिपल सृजनशील है। नया आता है। अरुण होता है। तरुण होता है। गृह नक्षत्र सुनिश्चित नियम में गतिशील रहते हैं। प्रकृति के गोचर प्रपंचों में हिंसा नहीं है। वैदिक पूर्वजों ने प्रकृति के संविधान को 'ऋत' कहा है। ऋत वैज्ञानिक अनुभूति है और हिन्दू प्रतीति है। हिन्दू दृष्टि में प्रकृति की शक्तियां उपास्य हैं। इन्द्र, अग्नि, पृथ्वी, पर्जन्य, मरुत, रूद्र आदि अनेक वैदिक देवता हैं। वरुण देवता प्राकृतिक नियमों के संरक्षक-ऋताव हैं। हिन्दू विश्वास में देवता भी नियम पालन करते हैं। मरुत वायुदेव भी नियमानुसार गतिशील ऋतजाता हैं (ऋ०3-15-11)। हिन्दू आस्तिकता में किसी भी शक्तिशाली मनुष्य या देवता को नियम पालन न करने की छूट नहीं है। ऋत के संरक्षक शक्तिशाली वरुण को भी नहीं। ऋग्वेद के अनुसार धरती और आकाश वरुण के नियम से धारण किए गए हैं-वरुणस्य धर्मणा (6-70-1)। ऐसे अनुभवजन्य विश्वास में हिंसा की जगह नहीं है। प्राकृतिक नियमों का धारण करना धर्म है। बताते हैं कि शक्तिशाली वरुण ने सूर्य का मार्ग निर्धारित किया है। यह है ऋतु नियम। सूर्य ने यह नियम पालन किया। यह हुआ सूर्य का धर्म। वैदिक काल के बाद ऋत और धर्म एक ही अर्थ में कहे जाने लगे। ऋत मार्गदर्शी है। इसके अनुसार कर्म करना धर्म है। धमार्नुसार कर्म में हिंसा नहीं। विष्णु बड़े देवता हैं। उन्होंने तीन पग चलके पूरी धरती नाप ली। ऋग्वेद के अनुसार वे धर्म धारण करते हुए तीन पग चले। सूर्य, सविता देवता हैं। वे भी द्युलोक, अंतरिक्ष और पृथ्वी को धमार्नुसार प्रकाश से भरते हैं। (4-53-3) प्रजापति सत्यधर्मा हैं (10-121-9) सूर्य भी सत्यधर्मा हैं। प्रकृति की सभी शक्तियाँ ऋतबद्ध धर्म आचरण करती हैं। इसलिए हिन्दुओं का आचरण भी नियमबद्ध होता है। सुख आनंद का आधार सत्य है। सत्य नित्य है। सत्य बोलना धर्म है। वैदिक काल से ही झूठ के लिए ह्यअनृतह्य शब्द प्रयुक्त होता रहा है। ऋत सत्य है। अनृत झूठ है। पूर्वजों ने मानव समाज के लिए नियमों का विकास किया। देशकाल के अनुसार इसमें नया जुड़ता रहा है। काल बाह्य छूटता रहा है। इसी आचार संहिता का नाम धर्म पड़ा। हिन्दू धर्म सतत विकासशील है। हिन्दू ईश्वर को भी मानने या न मानने के लिए स्वतंत्र हैं। बृहदारण्यक उपनिषद् (2-5-11) में कहते हैं, "धर्म सभी भूतों का मधु है। समस्त भूत इस धर्म के मधु हैं।" इसी मधु का नाम हिन्दुत्व है। हिन्दू मन स्वाभाविक ही उदार है। दर्शन और वैज्ञानिक विवेक से हिन्दुओं ने विश्ववरेण्य संस्कृति का विकास किया। इसका ध्येय विश्व का लोकमंगल रहा है। हिन्दू धर्म जगत की व्यवस्था को बनाए रखने की आचार संहिता है। धर्म का संवर्द्धन और पालन प्रत्येक भारतवासी का कर्तव्य है। हिन्दू मन पूरे विश्व को परिवार मानता है। प्रकृति के अंश हैं हम सब। प्रकृति में रहते हैं। इसी के अंगभूत घटक हैं। प्रकृति से हमारे व्यवहार की आत्मीयता भी हिन्दुत्व है। हिन्दू सम्पूर्ण अस्तित्व के प्रति सत्यनिष्ठ हैं। कठोपनिषद् में नचिकेता और यम के बीच प्रश्नोत्तर हैं। नचिकेता ने यम से पूछा, "जो धर्म से पृथक हैं, अधर्म से पृथक हैं, भूत भविष्य से भी पृथक हैं, कृपा कर के आप मुझे वही बताइए।" यहां दिक्काल से परे किसी अमृत तत्व की जिज्ञासा है। हिन्दू दिक्काल से परे भी सोचते रहे हैं। धर्म राष्ट्रजीवन की आचार संहिता है। इस आचार संहिता का विकास हजारों वर्ष की साधना से हुआ है। नचिकेता धर्म अधर्म और देशकाल-भूत भविष्य से परे सम्पूर्ण सत्य का जिज्ञासु है। हिन्दुओं ने वैदिक काल में ही सभा और समितियों का विकास कर लिया था। सभा में मधुर बोलना उच्चतर जीवन मूल्य है। सभा के योग्य लोग सभ्य कहे जाते थे। लोकसभा पवित्र सदन है। कार्यवाही के नियम हैं। अध्यक्षीय आसन का सम्मान सभी सदस्यों का कर्तव्य है। इसी पवित्र सदन में प्रधानमंत्री को नमस्कार करते लोकसभा अध्यक्ष के झुकने की व्याख्या की गई। इस व्याख्या ने भारत का मन आहत किया है।

लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।

कितना अहम है ब्रिटेन का सत्ता परिवर्तन

ब्रिटेन में बेशक कड़ाके की ठंड पड़ रही हो, लेकिन आम चुनाव के परिणाम ने अचानक मौसम को गरमा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेनवासियों ने एकतरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख कीर स्टार्मर फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं। आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेन की नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें देश के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे। भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय नॉर्थलेरटन सीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरूआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे। ताज्जुब वाली बात ये है कि नॉर्थलेरटन वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बाकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग और समर्थक भी उनसे छिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कइयों की तो जमानत भी जब्त हुई हैं। ब्रिटेन और भारत के मौजूदा चुनाव ने एक बात यह बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं। कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे कि फला समुदाय या मतदाता उनका है। बहरहाल, ब्रिटेन में चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। नतीजों को लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना। इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी चुनाव में खूब उछला। ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत कोई बड़ी बात नहीं। बदलाव होते रहते हैं और होने भी चाहिए। किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें। हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए। लेबर पार्टी की यह जीत उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चरमराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा भी है। लेबर पार्टी को सरकार को नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिलावजह दखलदांजी को रोकना, ऊर्जा स्त्रोतों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना भी होगा। भारत के साथ मधुर हुए संबंधों को यथावत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। हालांकि स्टॉर्मर ने अपने पहले विजयी भाषण में सिर्फ अपने मुल्कवासियों को संदेश दिया है।उन्होंने कहा है कि ह्यमैं आपकी आवाज बनूंगा, आपका साथ दूंगा, हर दिन आपके लिए लड़ूंगा। उनके कहे उन शब्दों पर जनता ने खूब तालियां बजाई हैं। लंदन का एक तिहाई समर्थन उनके पक्ष में है।

Social Media Corner

सच के हक में...

अगले तीन दिनों तक रूस और ऑस्ट्रिया में रहूंगा। ये यात्राएं उन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का एक शानदार अवसर होंगी, जिनके साथ भारत की समय-परीक्षित मित्रता है। मैं इन देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पिछले ढाई साल में जितनी शक्ति भाजपा ने चुनी हुई झारखंडी सरकार गिराने में लगायी है - अगर उतनी शक्ति इन्होंने झारखण्ड की भलाई में लगायी होती तो लोकसभा में इनकी संख्या में गिरावट नहीं आती। भाजपा को लगता है कि वे एजेंसियों का दुरुपयोग कर, अपने धन बल एवं शातिराना चालों से जनता को जनमत को अन्य राज्यों की तरह खरीद लेंगे/लूट लेंगे - पर वे भूल जाते हैं कि हम झारखंडी हैं - हमने कभी अंग्रेजों के समक्ष घुटने नहीं टेके तो ये आज के अंग्रेज तानाशाह के सामने हम कभी नहीं झुकेंगे। ना झारखंड झुका है, ना झारखंडी झुकेगा।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

निराशाजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डॉ.राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, फिरोज गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना। राष्ट्रप्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गई। राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल रहा। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे, तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका-टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष की गलतबयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें 'सक्रिय नेता प्रतिपक्ष' घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' घोषित कर दिया। जाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए। लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है। किंतु संसद को अखाड़ा, चौराहे की चर्चा के स्तर पर ले जाने के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यह ठीक बात है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, किंतु सदन में सार्थक और प्रभावी विमर्श खड़ा करना विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है। अब जबकि विपक्ष अपनी बढ़ी संख्या पर मुग्ध है तो क्या उसे संसदीय मयार्दाओं को छोड़कर अराजकता का आचरण करना चाहिए? सच तो यह है कि सदन के इस तरह चलने से सत्तारूढ़ दल का ही लाभ है। बिना बहस और चर्चा के कानून इसीलिए पास होते हैं क्योंकि संसद का ज्यादातर समय हम विवादों में खर्च कर देते हैं। संसदीय परंपरा रही है कि हर नई सरकार को प्रतिपक्ष कम से कम छह माह का समय देता है। उसके कार्यक्रम और योजनाएं का मूल्यांकन करता है। पहले दिन से ही सदन को अराजकता की ओर ढकेलना उचित नहीं कहा जा सकता। अपनी लंबी संसदीय प्रणाली में भारत ने अनेक संकटों का समाधान किया है। हमारे संसदीय परंपरा का मूलमंत्र है संवाद से संकटों और समस्याओं का समाधान खोजना। संसद इसी का सर्वोच्च मंच है। यह प्रक्रिया नीचे पंचायत तक जाती है। इससे सहभागिता सुनिश्चित होती है, सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। संसद से नीचे के सदनों विधानसभा सभाओं,विधान परिषदों, नगरपालिका, नगर निगमों और पंचायतों को भी सांसदों का आचरण ही रास्ता दिखाता है।

दबे पांव आया खतरा

सेहत के मामले में अच्छी खबरें बहुत कम सुनाई देती हैं। इस बार भी जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ तो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को ह्यलिपिड प्रोफाइल टेस्टह्न कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम ह्ययूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजीह्न के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। यह अक्सर कहा जाता रहा है कि भारत की परिस्थितियां दूसरी हैं और लोगों का रहन-सहन बिल्कुल अलग तरह का है, इसलिए यूरोपीय मानक पूरी तरह भारत के लोगों पर लागू नहीं किए जा सकते। ह्यकार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडियाह्न की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The unfathomed wonderland that is Zanskar

We four childhood friends, classmates since 1972, journeyed through Ladakh and returned via Zanskar last fortnight. Zanskar in Tibetan means the 'land of white copper' and the accounts we read or heard were indeed alluring. So, we decided to traverse the region — my three friends in an SUV and I on my motorcycle. At the end of two weeks, it did turn out to be an unfathomed wonderland, be it the landscapes, the cultural milieu or the flora and fauna.Zanskar falls in Kargil district of the UT of Ladakh. It is sandwiched between the Great Himalayan ranges to its south-west and Zanskar range to its north-east. Since it falls in the rain shadow region of Great Himalayas, it is a high-altitude cold desert. The altitude of Zanskar varies between 3500m and 6000m above the mean sea levelWe entered the region from Suru valley and realised that the roads ran between the tree line (3000m) and the snow line (4000m). The slopes of the towering mountains were bare, brown and weathered or covered in snow. As soon as we rode over Pensi La, the gateway to Zanskar, we were welcomed by a flock of bharal (blue sheep), which charged up the ravine but offered us a wonderful sighting. I walked to the road berm which abutted a glacial outwash. It was covered with small plants bearing bright yellow flowers. Suddenly, two Himalayan marmots, all fat and cuddly, lumbered up to the edge and stood up on their hind legs in the typical rodent fashion, quite unafraid. Perhaps, people were feeding them or the gentle locals left them alone, thus prompting them to lead fearless lives! I shooed them away, because these unsuspecting souls become road-kill victims when they start trusting people and keep walking up to the roads.They ran into their burrow screaming and whistling their alarm calls. I sat down on the road berm and soon the marmots started appearing from there burrows. I counted 16 of them and the entire outwash seemed to be a warren of marmot burrows. They regaled me with their antics and all of a sudden, there was some more whistling and shrieking while they all vanished into their subterranean safe houses. I had not moved, what was it that set off the alarm? A shadow moved and when I looked up, a golden eagle was soaring on its 2-metre wingspan, looking for its breakfast. It was a glorious sight. The first step into the valley was so eventful.As we descended from the pass, we entered the breeding grounds of the migratory birds seen in winter in the plains. There were Eurasian Magpies, Hill Pigeons, White-winged Redstarts, Blue Throats, Red-billed and Yellow-billed Choughs, Chukar Partridges, flocks of House Sparrows, Mountain Finches and Rose Finches near every village or field.At the Rangdum Dak Bungalow, where we spent the night, a pair of Hill Pigeons was nesting on the windowsill and a flock of Asian House Martins under the ewes of an adjoining house. Across the road, on the sand bars of Stod river, I saw for the first time a nesting sight of Ruddy Shell Ducks.

At Sani lake, which is a kettle lake formed by glacial action, there were a pair of Whiskered Terns nesting on a dry mound in the water. I also saw that the lake was a breeding ground for the indigenous Snow Trout. There were many other birds like Citrine Wagtails, White Wagtails, Grey Wagtails, Wood Sandpipers — that migrate to plains in winters.

ust outside the Sani monastery, in a mustard field, I saw large flocks of House Sparrows, Great Rose Finches, Common Rose Finches, Fire-fronted Serins and Brandt's Rose Finches, feeding peacefully.

Walking shoes and the Kasauli Club

It was a simple issue, really. The Kasauli Club, renowned for its storied history as a sanctuary for the British Raj's elite, where social meetings, tea and dinner dances were the norm, found itself in the middle of a footwear fiasco. The debate? Whether or not walking shoes, recommended for seniors, should be allowed inside the hallowed halls of this venerable establishmentYou'd think such a matter would be resolved swiftly with a nod of agreement and, perhaps, a polite round of applause. But no, the erudite members of the club argued the point until the cows came home. The dress code, it seems, is sacrosanct, especially in the bar and dining hall.

Here, tradition holds sway like an overbearing grandmother at a family reunion. One must don the proper attire, lest they offend the ghosts of club members past, who presumably wore top hats and tails even to breakfast.Pavan K Varma, a former diplomat, wrote that a dress code in clubs is necessary but should not become a fetish. Yet, here we were, embroiled in a debate that felt like choosing sides in a sartorial civil war. On one side were the modernists, championing comfort and commonsense. "Walking shoes are recommended for seniors!" they cried. They spoke of arches and orthopaedics, of podiatry and practicality. They envisioned a future where one could stride confidently into the club without the fear of being rebuked for wearing comfortable shoes. Opposing them were the traditionalists, staunch defenders of decorum. "What's next?" they demanded. "Tracksuits at teatime? Sneakers at soirées?" They painted a picture of a slippery slope leading to the ultimate downfall of civilisation, or at least the club's reputation. Formal Indian traditional dresses, they conceded, could be allowed. After all, there's a certain gravitas to a well-draped saree or an elegantly tailored kurta. But walking shoes? That was a bridge too far.

A member of the Calcutta Club recounted the memory of MF Husain, India's most famous artist, being denied entry for not wearing appropriate footwear. And then there was Ananda Shankar, the choreographer, who was also turned away for dress code infractions. Clearly, clubs have a history of ensuring that the spirit of elegance was preserved, even as members shuffled about in sensible shoes elsewhere. And so, the arguments raged on, with each side bringing forth their champions, armed with anecdotes and expert opinions.

One gentleman, surely resplendent in his blazer and brogues, declared that he had once seen a man in walking shoes and torn jeans order a cocktail, and the horror of it still haunted him. Another member countered, sharing a story of his grandmother, who had taken up brisk walking at the age of 80 and credited her longevity to her trusty walking shoes. "Sir, walking shoes will be defined differently by each individual," someone said, "My grandparents and parents have always walked into the club appropriately dressed for the last 55 years. So, coming to the rules, let's implement them to the hilt."Another worthy suggested implementing a new rule: all members above 60 should produce a medical certificate and could then wear the approved footwear. And let's not forget to station a panel of podiatrists at the entrance, ready to approve or disapprove each pair of shoes.

In the midst of this debate, the Kasauli Club itself stood as a silent witness, trying to change with the times while holding on to its cherished traditions. It had seen trends come and go, from the days of tennis whites to the era of designer tracksuits. But this discussion about sports shoes? It was a conundrum for the ages.Every institution reflects its unique culture and ethos, and members are typically drawn to it because of these qualities, not in spite of them. Therefore, it's perhaps important to respect and maintain these traditions. Also, at the very daunting interview prior to receiving membership, hadn't members assured they would uphold the very traditions that made Kasauli Club the venerable institution it is?And so, life at the Kasauli Club went on. The debate over walking shoes had not only brought the members together in a spirited discussion, but also underscored that some issues are worth every minute of debate — if only for the stories they leave behind.

Labour all the way

UK votes for change as Conservatives suffer rout

BRITAIN's Conservative Party had it coming. A strong anti-incumbency sentiment brought its tumultuous 14-year rule to an end as the Labour Party recorded a thumping victory in the parliamentary elections. Economic woes, political scandals, intra-party discord and glaring lapses in delivering public services prompted angry voters to throw out the Conservatives. Defence minister Grant Shapps, who was among the prominent losers, put it bluntly: 'We've tried the patience of traditional Conservative voters with a propensity to create an endless political soap opera out of internal rivalries and divisions.'

Infighting apart, the ruling party came a cropper on every front in the past five years or so, with Boris Johnson's tenure as PM (2019-22) being especially disastrous. The parties held at 10 Downing Street during Covid lockdowns shocked the entire nation. Johnson's successor Liz Truss had the ignominy of being the UK's shortest-serving PM. And then came Indian-origin technocrat Rishi Sunak, raising hopes of a turnaround. However, it soon became evident that too much damage had already been done and it was too late for him to stem the rot.SSunak has graciously accepted defeat and apologised to his party. While the Conservatives lick their wounds after the rout and go back to the drawing board, Keir Starmer and his Labour Party have little time to celebrate their landslide triumph. Britain is facing a slew of daunting challenges, and the path to national renewal will be inevitably rocky. The nation's tax burden is set to touch its highest since just after World War II, while the net debt is almost equivalent to the annual economic output.

With so many problems at home, the new UK government may struggle to maintain continuity in foreign policy, such as offering unequivocal support to Ukraine in the war against Russia. Even as 28 Indian-origin candidates won, the real point of interest for India is the Free Trade Agreement, which has been in the works for quite some time. Delhi hopes that this pact will be finalised and sealed this year without major hitches.

Yearning for basic civility

Gone are the days when MPs rose above rabble-rousing to address questions that matter

We have just completed a month since the stunning results of the national elections were declared, yet it feels as if the election rallies are still going on. The only difference is that they take place now in our Parliament rather than in the open grounds, nukkads and chai shops. I have never been so dismayed as when I watched the new coalition government and the new Leader of the Opposition take each other down in full public view of the entire nation. From the moment they took their oaths and gave their inaugural speeches, there was little grace or decorum displayed. Gone are the days when parliamentarians rose above petty politics and rabble-rousing to address those questions that ought to engage the attention of our elected representatives. Insults were freely hurled and no one listened to the other as answers were given.f this is going to be the way that serious matters of governance and the genuine problems we all face are going to be addressed, then it is time we asked some uncomfortable questions from all the stakeholders. First, the Speaker and the Chairman of the two Houses must be held accountable for not being firm and fair. Surely, this is not such a difficult task. There is a provision to adjourn the House and call the two leaders to his chamber and sort out the mess over a cup of tea. Come now to the behaviour of both the Treasury and Opposition benches. Their constant heckling and loud sloganeering even as the Prime Minister was speaking was not at all becoming of a mature and responsible bunch of politicians. The speeches of some of the Opposition MPs were heard in silence and were very impressive, but was the same courtesy extended to the other side? In the ensuing din, it seemed as if the Opposition was daring the Speaker to expel them for unruly behaviour, so that they could go out and claim victimhood.In the Rajya Sabha, matters were fine in the beginning when some banter was also exchanged in a light-hearted manner, but then all hell broke loose. The relentless shouting drowned out any sensible exchange. Most will agree that walking out in protest when the Prime Minster was speaking about the questions they had raised only revealed a childish and immature mindset. Ironically, all this while upholding the little red book that declared their unswerving loyalty to the Constitution. Perhaps they need to be told that holding it aloft all the time is not as important as holding the conventions and laws it contains in mind while in Parliament.

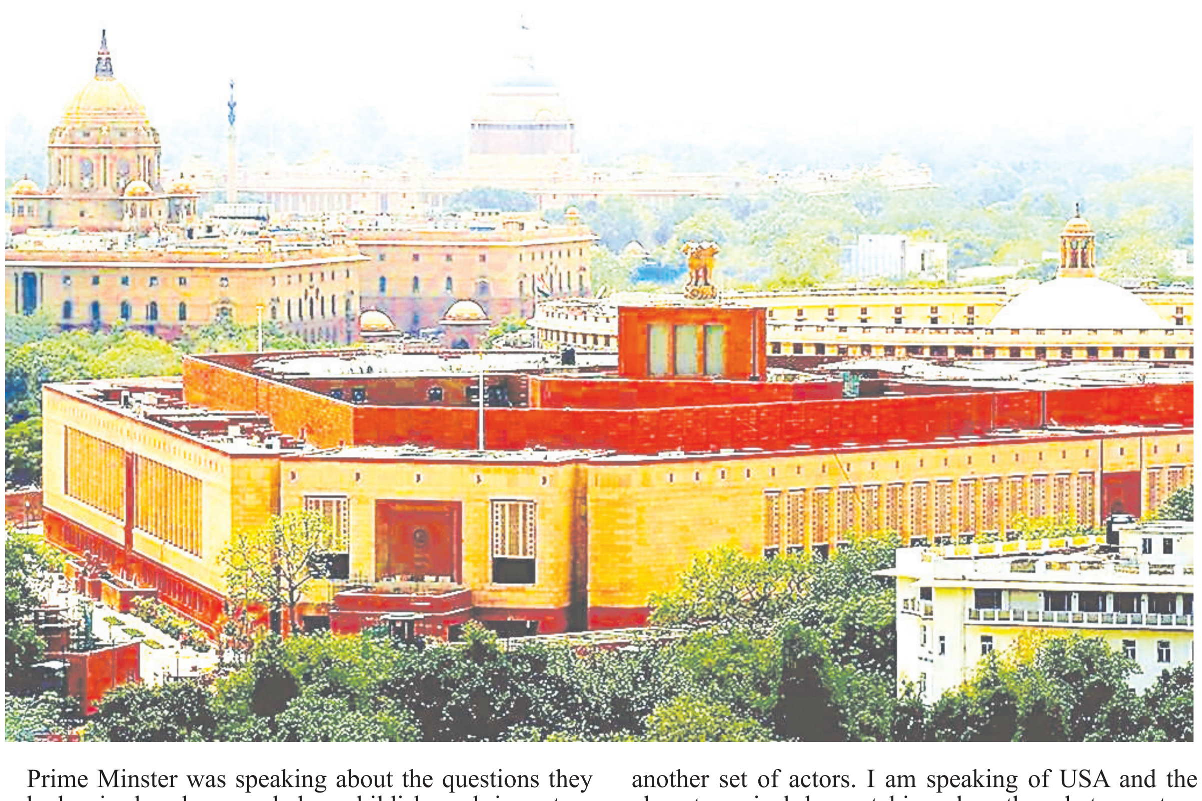

Let us now turn our attention to another election and another set of actors. I am speaking of USA and the almost comical drama taking place there between two equally unsuitable candidates. One who is well past his prime and displays disquieting signs of early dementia, and the other who is full of lies and gas. One shudders at what we are going to witness when the results will be announced in November. Whichever one of them wins, the nation is going to lose. The story of knockout verdicts doesn't end there. Rishi Sunak has lost in Britain. As in France, other European countries are also taking a sharp turn to the right: a fact that will radically alter the politics of decades and give a new turn to the European Union that we know.What is behind this crazy turnaround? For one, the days of socialist governments seem to be over. The new generation of voters has little time for high-minded ideologies any more. The hypocrisy that is behind the so-called liberal values they profess has been hollowed out by greed and populism. The young today want money to come into their hands rather than welfare promises. Rampant inflation, which is often the consequence of freebies and doles, high public debts and an open-door policy towards immigration without factoring in the long-term results, in Europe for instance, may have been behind the violent swing towards right-leaning politicians.

I am no expert on foreign affairs so I hesitate to go further, but many of us firmly believe that the world will heal itself only if it follows the path shown by Gandhi, Mandela and the Dalai Lama. These three leaders have never let down their followers because their actions and speeches enshrine the highest human values. We, in India, decided to follow a different path in the first few decades and then, as time went on, we became more distanced from the lessons that Gandhi had wisely laid down.

Love all men as equals, care for the last man standing, speak the truth, live the life you want to promote and, most importantly, never deviate from the path of non-violence. As I heard Rahul Gandhi give his maiden speech as Leader of the Opposition, I felt he had said all the things one yearns to hear but soon, the speech swung in another direction. I sincerely hope he will discover the median between the split sides of his personality to chart his political journey. For the ruling government, I have only one prayer: let them become humble and accept that they are not always right. The ability to accept one's faults is the hardest lesson for anyone, yet it must be cultivated.

Nuts and bolts in the budget-making exercise

NEW DELHI: When Finance Minister Nirmala Sitharaman presents her full budget for 2024-25 in the Lok Sabha on July 23, it would mark the culmination of weeks of consultation and brainstorming for resource generation and allocation to fulfil the new government's promises and meet the aspirations of the electorate. Earlier in February, she had presented a vote on account – which is a grant in advance to the Central government for short-term expenditure till the new government presents the full budget.Budget making is an annual ritual that usually starts in December and lasts till February, when the budget is presented. While it is shrouded in a lot of secrecy, here is an overview of the backend processes that determine the direction and its overall messaging.

Preparation

The finance ministry sets the preparation ball rolling by seeking inputs from various sources like all ministries, departments, industry bodies and the public. Each ministry submits its expenditure proposals, which are collated by the Budget Division of the Department of Economic Affairs in the Ministry of Finance. The department coordinates the entire process of budget making that begins with a broad outline from the Prime Minister's Office (PMO). The budget speech includes allocations for different sectors, policy announcements and tax proposals. Along with the budget speech, detailed documents are presented to provide a comprehensive overview of the government's financial plans and allocations.The documents include the Annual Financial Statement, which shows the government's estimated receipts and expenditure for the upcoming financial year. It includes details of revenue and capital accounts, as well as the ways and means to finance the deficit. The receipts and expenditures are shown under three parts - the Consolidated Fund, the Contingency Fund and the Public Account.The most important document is the Finance Bill that outlines changes in tax rates, provisions and rules. Another document, the Memorandum Explaining the Provisions in the Finance Bill, provides a detailed explanation of the proposed amendments in tax laws, along with the rationale.As for the Expenditure Budget, it describes the spending proposals under various heads like salaries, infrastructure and social welfare schemes. The process of formulating the budget from a taxation perspective involves several key steps.

Credit card becomes a challenge if not prudent enough to handle it

BENGALURU: As soon as youngsters join the workforce, they fall into many traps including loans and short-term gains. Krishan Mishra, CEO, FPSB (Financial Planning Standards Board) India, who was in Bengaluru recently, told TNIE that once youngsters receive a credit card, they start spending money."Easy money leads to easy spending. People get tempted to spend the money without understanding the repercussions. If you are not prudent enough to handle your credit card, then it can become a challenge for you to manage," he said.FPSB is the global leader in the financial planning profession, and Mishra stressed on the need to approach certified financial planners. "Never spend more than what you earn otherwise you will never be able to repay. In fact, 30% of your regular income is the maximum you should spend. Do not fall into the trap of loans immediately, start thinking about investments in the initial years of your life. If you start saving and investing right from the initial years, you will be able to handle a lot of things," he said, stressing on the need to create an emergency/contingency fund.

He added that youngsters should never look at short-term gains.He added that youngsters should never look at short-term gains. Truecaller. Telecom companies first reportedly tested it in limited cities of Mumbai and Haryana to understand the working and feasibility of this feature. The results of the testing were shared with the Department of Telecommunications, so that a practical decision could be taken about the proposed service. As per the Hindi Business, the telecom operators are given a deadline of July 15 to start the CNAP service.

Tariff hike complies with regulatory framework: Department of Telecommunications

NEW DELHI: A day after the Congress party criticised the government over the tariff hike by telecom service providers (TSPs), the Ministry of Communication defended the increase, mentioning that the hike complies with the prescribed regulatory framework.In a press statement issued in response to the Congress party's claims that consumers would face an additional burden of Rs 34,824 crore due to the tariff hike, the Department of Telecommunications (DoT) clarified that telecom service providers (TSPs) have raised mobile service prices after more than two years."In last 2 years, some of the TSPs have invested heavily in rolling out the 5G services across the country. This has resulted in a significant increase in median mobile speed to the level of 100 Mbps and a jump in India's international rank from 111, in October 2022, to 15 today," DoT said. All three major private telecom service providers — Reliance Jio, Bharti Airtel, and Vodafone Idea Limited — have announced tariff hikes ranging from 10% to 25% last week.The last such hike occurred in November 2021. This time, Reliance Jio led with a tariff increase of 12-25%, followed by Airtel with hikes ranging from 11% to 21% across its prepaid and postpaid plans. Vodafone Idea (Vi) also increased tariffs by 10-23%.

The DoT also highlighted that the tariff hike was implemented in accordance with the provisions of the Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) Act 1997, which empowers TRAI as an independent regulator to set telecom service rates in the country. It noted that for the past two decades, mobile service rates have been determined under forbearance by TRAI.The government further explained that with three private sector players and one public sector player, the current mobile services market operates under the forces of demand and supply. It emphasised that the focus remains on safeguarding subscriber interests, promoting orderly growth through investments in cutting-edge technologies, and ensuring financial sustainability. The government also underscored the importance of investing in advanced technologies.

RVNL, IRFC, IRCTC Surge Up To 16% Ahead Of The Union Budget 2024; Know Why

RNVL, IRFC, IRCON International, BEML, RailTel and TexRail rallied between 4% and 15% in intra-day trade today; Know why

New Delhi. Shares of Rail Vikas Nigam (RVNL) and Indian Railway Finance Corporation (IRFC) rallied 15.5 per cent and 9 per cent to their new all-time highs of Rs 567 and Rs 206 respectively on BSE in Monday's trade ahead of the Union Budget, where the focus is likely to be on infrastructure investment.Meanwhile, the shares of other railway companies also soared high to touch their new peaks today. Shares of Texmaco Rail & Engineering rose 8.3 per cent to its new 52-week high of Rs 295.65, while those of RailTel surged 7.5 per cent to its new peak at Rs 559.35.Ircon International and Oriental Rail Infrastructure shares also jumped up to 6.64 per cent to their new highs while RITES shares went up by 4.5 per cent on BSE to the day's high of Rs 797.Vaishnav's announcement of the production of 50 new Amrit Bharat Trains – a high-speed and luxury train service – added to the rally in railway stocks.Expectations of special focus on the railway infrastructure in the Union Budget have helped push the stocks higher. The government is focusing on improving the railway infrastructure and ensuring faster development and completion of tracks, rail electrification, rolling stock manufacturing and delivery of passenger freight services.Narendra Modi

government's focus on infrastructure building, especially through domestic manufacturing in sectors such as railways, defence, and power has boosted stocks from these spaces in last few years.Now, with BJP-led NDA retaining power for a third term, investors are hopeful of policy continuity. In an earlier note, Goldman Sachs had said that it expects continued thrust on infrastructure creation through the development of railways.

Finance Minister Nirmala Sitharaman will be presenting the Union Budget that will lay the roadmap of Modi 3.0 on July 23 in Lok Sabha. The Parliamentary session for the Budget will commence on July 22 and continue till August 22.In the last year, railway stocks have benefited their investors by giving multibagger returns. IRFC has given returns of 505 per cent. RVNL and RailTel have gained over 300 per cent on charts while Ircon International, Texmaco Rail and Oriental Rail Infrastructure have increased by over 200 per cent. Meanwhile, RITES shares have increased by 104 per cent in the same time period.

Mercedes-Benz India posts record half-yearly sales at 9,262 units

NEW DELHI: German luxury carmaker Mercedes-Benz on Monday reported a 9 per cent growth in sales at 9,262 units in India in the first half of 2024, its highest ever half-yearly sales in the country, riding on strong demand across categories and availability of volume models.The company had posted sales of 8,528 units in the January-June period of 2023, which was its previous highest half-yearly sales, Mercedes-Benz India said in a statement.It plans to launch six new products in the second half (H2) of 2024.SUV penetration was at 55 per cent in H1 2024, while the TEV (top-end vehicle) segment priced above Rs 1.5 crore comprised 25 per cent of total sales, it added.The SUV segment saw a robust performance from the GLA, GLC, GLE and GLS models, while the sedan portfolio comprising the A-Class, C-Class, outgoing LWB E-Class and S-Class topped customer preference for luxury sedans, it added.The BEV (battery electric

vehicle) portfolio grew by 60 per cent in H1 24, comprising 5 per cent of total sales volumes, Mercedes-Benz India said."New and updated products, elevated customer experience at retail and ease of ownership, combined with positive customer sentiments boosted our best-ever H1 sales performance," Mercedes-Benz India Managing Director & CEO Santosh Iyer said.The company further said the availability of volume models also played a part in delivering record sales in the first half of this year.

On the outlook for the rest of the year, Iyer said, "We have new products coming up for the upcoming festive season. So we feel we should be able to close the year with double-digit growth as projected earlier."

Decoding A Landlord's Dilemma: Renting Out vs Selling Your Property In India

NEW DELHI . The rent versus buy debate has long dominated discussions in the real estate sector, but an equally important, yet less talked about, topic is the dilemma landlords face: to rent out or sell their property. In the current scenario, with rental yields improving and property prices appreciating, this decision has become even more complex.Real estate can be your best investment choice provided it is done at the right time and the right place. This article aims to provide valuable insights to landlords navigating the complexities of property management and investment in today's dynamic real estate landscape.

To get the best return on investment, there are quite a few things one must consider before making any decision.

The Current Real Estate Landscape

India's real estate market is witnessing a significant shift. Rental yields have seen a marked improvement, providing landlords with a steady income stream. Simultaneously, property values have appreciated, presenting a lucrative opportunity for those looking to sell. However, the right decision ultimately hinges on individual goals and the specific nature of the property in question.

Prime Location and Modern Properties: The Case for Renting Out

For landlords with properties in prime locations, particularly newer apartments or those in gated societies, renting out can be a highly profitable option. These properties are in high demand due to their modern amenities, security, and convenient locations. By holding onto such properties, landlords can benefit from consistent rental income.

Real estate is a cyclical business and if the property is anywhere between 3-5 years old or younger than that, it would be prudent to first earn good rental income from it for a couple of years before selling it when there is an upcycle. Since they are relatively new, these properties also promise potential future appreciation in value. The growing trend of more people opting for apartments and villas over independent houses further bolsters the rental market for these types of properties.There could be multiple reasons for you to be wanting to sell your property. Some of them could be the fact that it is a sellers' market, or because you don't want to be a landlord, or because the home needs lots of work before it will be rental ready and you anticipate excessive maintenance issues due to age or condition of the home or the fact that the neighbourhood is not enticing for renters. In these conditions, it is wise to dispose of the current rental property and use the capital to buy a more upbeat one that would fetch better returns.

Titan Slips 4% After Weak Q1 Update Leads To Target Price Cuts; Here's What Analysts Say

NEW DELHI: Shares of Titan Company dipped 4 per cent to Rs 3,138.10 on the BSE in Monday's intra-day trade after the company reported a disappointing growth in jewelry business for the April-June quarter of the financial year 2024-25 (Q1FY25).Brokerage firm JPMorgan downgraded Titan Co. Ltd. to "neutral" from its earlier rating of "overweight," after the company's June quarter business updated reported last Friday.The brokerage also cut its price target to Rs 3,450 from Rs 3,850 earlier.After eight quarters of being in-line or better than expectations, Titan's jewellery business revenue growth of 9 per cent in the June quarter was below already lowered expectations, according to JPMorgan.Titan highlighted in its business updated that high gold prices, low wedding days, which resulted in subdued consumer demand, thereby impacting growth overall.JPMorgan noted that while there is a short-term demand impact from the high gold price volatility, they remain more concerned about the moderating growth for studded jewellery, amidst an increasing consumer preference for gold and the intensifying promotional activity, which may deter the pace of new customer acquisition for Titan.Both the above highlighted factors, if sustained for long, could also impact Titan's margin profile going forward, JPMorgan wrote in its note.Therefore, JPMorgan lowered Titan's financial year 2025-2027 Earnings Per Share (EPS) estimate by 5 per cent to 6 per cent.Goldman Sachs also called Titan's quarterly update "disappointing" but maintained its "buy" recommendation on the stock with a price target of ?3,700. It mentioned that competition did better than Titan during the quarter, which is a cause of concern, adding that its Jewellery margins are also likely to be under pressure.

While Goldman does believe that Titan can still achieve its guidance for financial year 2025, it is likely to be at the lower end of the range.Titan's jewellery margins likely to be under pressure is a sentiment echoed by Morgan Stanley as well. The brokerage has an "Equalweight" rating on the stock with a price target of Rs 3,526.CLSA though, maintained its "outperform" rating on Titan with a price target of Rs 4,045. It said that any correction, as a result of a "rare soft result" should be seen as an opportunity to "accumulate" as it expects growth to return as gold prices normalise and wedding season arrives again.Titan is a joint venture between the Tata Group and Tamil Nadu Industrial Development Corporation Limited (TIDCO).

Kotak Evaluating If Kingdon Deliberately Misled The Lender; Call On Legal Action After Evaluation

NEW DELHI: Kotak Mahindra Bank is evaluating if Kingdon Capital misled it over its links to Hindenburg Research which, in a scathing report in January last year accused the Adani group of corporate governance lapses and market manipulation, said people privy to the development.According to the persons cited above, the bank which has received a show-cause notice from the markets regulator Securities and Exchanges board of India (Sebi) for facilitating a Foreign Portfolio Investor (FPI) licence for Kingdon Capital, is also examining if the declarations made by Kingdon were misleading. Kingdon has claimed that all its trades in Adani group entities were "principal trades". Under current regulations, off-shore funds such as Kingdon Capital are only permitted to undertake proprietary trades and cannot invest on behalf of any third party."Based on the evaluation, Kotak will take a call on whether it wants to initiate legal proceedings against Kingdon," one of the sources cited above said. Notably, a Sebi probe has found that Kingdon Capital had a profit sharing agreement with

Hindenburg Research and hence part of the money funnelled into the trades was on behalf of the US-based short-seller,. Thus, Kingdon's trades may have been—at least partly—on behalf on Hindenburg and thus may not have been principal trades.Emails sent to Kotak Mahindra Bank and Kingdon Capital remained unanswered till the time of filing this story.According to the showcause notice sent by Sebi to Hindenburg – which the US based short seller made public – Kingdon Capital had purchased an entity with a Foreign Portfolio Investor (FPI) licence created by a subsidiary of Kotak and used this entity to take short positions in Adani Enterprises."The fund was well aware if they disclosed the relationship between them and Hindenburg, Kotak wouldn't have set up the FPI account since only principal trades are allowed and hence there is a view that Kingdon deliberately kept these links a secret," said one of the sources cited above."In fact, Kingdon made declarations saying these were principal trades. These issues have to be carefully analysed and based on the evaluation, Kotak will explore its legal options," the source said.Moneycontrol reported on July 4 that instead of taking a fresh licence, which would have taken Kingdon Capital at least a month, Kotak Mahindra Bank's subsidiary firm offered it a readymade structure in Mauritius, which was registered as an FPI with Sebi since March 2022.

The development assumes significance as Kotak Mahindra Bank has unexpectedly found itself embroiled in the Adani-Hindenburg saga after the Sebi show-cause notice went public. On Tuesday, the shares of Kotak Mahindra Bank fell as much as 4 percent intraday.

Rahul Gandhi visits relief camp in Manipur, BJP calls it 'sick tragedy tourism

➤**Congress MP Rahul Gandhi met flood-affected people living in relief camps in Assam's Cachar before visiting a relief camp in Manipur's Jiribam to interact with people affected by ethnic violence. The BJP called Rahul Gandhi's visits 'sick tragedy tourism'.**

New Delhi: Congress MP Rahul Gandhi on Monday met flood-affected people in Assam's Cachar district before heading to neighbouring Manipur where he visited a relief camp in Jiribam and interacted with the people who were affected by the year-long ethnic violence. This was Rahul Gandhi's first visit to the Northeast after becoming the Leader of Opposition in Lok Sabha.Rahul Gandhi arrived at Silchar airport in Assam where he was felicitated by Congress leaders from Assam and Manipur. The Gandhi scion then went to Fulertal and interacted with the flood-affected people living in relief camps.

Rahul Gandhi's visit to Assam came as the state is battling severe floods due to days of torrential rainfall, causing landslides and overflowing rivers. About 22.70 lakh people in 28 districts were affected by the deluge. A total of 78 people have died in this year's floods, landslides and storms in the state.

Meanwhile, an Assam Congress delegation led by president Bhupen Borah submitted a memorandum to Rahul Gandhi, urging him to raise the issue of perennial floods in Assam in the upcoming Monsoon session of Parliament.Rahul Gandhi returned to Silchar airport in Assam from Jiribam, and will fly to Imphal for the next leg of his Manipur tour. Since May 3 last year, Manipur has been witnessing ethnic violence between Meitei and Kuki communities and over 200 people have died in clashes so far.

CONGRESS VS BJP OVER RAHUL GANDHI'S VISITS

Meanwhile, a war of words broke out between the Congress and BJP over Rahul Gandhi's visits to Manipur and Assam.Congress leader Jairam Ramesh slammed Prime Minister Narendra Modi over his upcoming visit to Russia and not making a trip to Manipur since the ethnic violence broke out there."Today, the non-biological PM goes to Moscow while the Leader of the Opposition in the Lok Sabha heads for Assam and Manipur. Of course, the drumbeaters of the non-biological PM have claimed that he stopped the Russia-Ukraine war for some time. Presumably, this Moscow trip will lead to even more bizarre claims," he tweeted.

"This is Rahul Gandhi's third visit to Manipur ever since the state blew up fourteen months ago. The non-biological PM has not found the time nor even had the inclination to visit Manipur even for a few hours after the grave crisis erupted on May 3, 2023. He has not even met the Chief Minister of the state - who happens to be from his own party - and other political leaders of the state, including MLAs and MPs," he said.BJP IT cell chief Amit Malviya hit back at Ramesh and accused Rahul Gandhi of indulging in "sick tragedy tourism". He alleged that the violence in Manipur was the Congress's legacy.

"The ethnic conflict in Manipur is a legacy of the Congress party. The state has witnessed the killing of civilians, police and Army personnel for decades, while Congress was in power," he tweeted.

"Forget Third Time Fail Rahul Gandhi, did any Congress leader, including Prime Minister Manmohan Singh, who was a member of Rajya Sabha from Assam, visit the strife-torn region. 'Balak Buddhi' (a grown man with a child's mind) is simply indulging in sick tragedy tourism," he said.

Supreme Court Sets Guidelines On Portrayal Of Disabled Persons In Visual Media

New Delhi: The Supreme Court laid down guidelines against "disparaging" portrayal of persons with disabilities in visual media and films on Monday, saying that terms such as "cripple" and "spastic" have acquired "devalued meanings" in societal perceptions.

The verdict came on a plea filed by one Nipun Malhotra, who submitted that the Hindi film 'Aankh Micholi' contained deprecatory references to differently abled persons.Pronouncing the verdict, a bench headed by

Chief Justice D Y Chandrachud said, "Words cultivate institutional discrimination and terms such as cripple and spastic have come to acquire devalued meanings in societal perceptions about persons with disabilities." Laying down several guidelines, the bench said the film certification body CBFC must invite the opinion of experts before allowing screening.

Visual media should strive to depict diverse realities of persons with disabilities, showcasing not only their challenges but also successes, talents and contribution to society. They should neither be lampooned based on myths nor presented as super cripples," it added.

Health Ministry Tells Hospitals and Medical Colleges to Push Organ Donation, Identify Brain-Dead Patients

New Delhi: The central government has instructed all hospitals and medical colleges across India to accelerate the identification and declaration of brain-dead patients to boost organ donation.As the Health Ministry plans to organise the upcoming Indian Organ Donation Day on August 3, Health Secretary Apurva Chandra has sought cooperation from top officers and hospitals across states and Union Territories to further the "noble cause" for the sake of "humanity".According to the letter June 24 written by Chandra: "Facilitating organ donation and transplantation is among the top priorities of the Government of India." The letter recognises that "one organ donor can save up to eight to nine lives." However, it confesses that a "huge gap" exists between patients who require organ transplants and the organ donors that are available.The letter said that the National Organ and Tissue Transplant Organization (NOTTO) celebrates the Indian Organ Donation Day (IODD) every year to spread awareness about organ donation, dispel myths and misconceptions associated with organ donation and motivate and encourage the citizens to donate organs and tissues of loved ones after death.

This year, the Health Ministry has decided to run a public awareness campaign called Angdaan Jan Jagrukta Abhiyaan."As part of the campaign, August 3, 2024 will be celebrated as the Indian Organ Donation Day to commemorate the first deceased donor organ transplant, which was also the first heart transplant done in the country after the promulgation of The Transplantation of Human Organs Act on July 8, 1994."Presently, India grapples with a dire shortage of organ donations, particularly deceased donations, as evidenced by a staggering waiting list of over 3 lakh patients and a tragic toll of at least 20 deaths daily. According to the Health Ministry's data, the total number of donors, including deceased donors, saw an increase from 6,916 in 2014 to approximately 16,000 by 2022.

Heatwave And Monsoon Spur Infection Surge; Augmentin, Liv 52, Electral Sales Rise in June

New Delhi: Antibiotics Augmentin, Monocef, liver herbal supplement Liv 52 and oral rehydration Electral are the top-selling drugs for June, data shows. With the arrival of the monsoon season, there's an uptick in respiratory and gut infections, resulting in higher sales of antibiotics, digestive aids, and oral rehydration solutions. Also, the heat wave which continued in the first half of June pushed the sales of oral rehydration solutions including Electral.According to the report by market research firm AIOCD-Pharmarack, with the onset of monsoon across the subcontinent, there was a rise seen in sales of drugs related to respiratory, anti-infective, anti-malaria and gastrointestinal in June.Data shows that the incremental sales of Augmentin stood at Rs 22 crore, which means the sales in June this year when compared to sales in June, last year were Rs 22 cr more. Similarly, sales of Liv 52 were Rs 14 crore more and Electral's sales were Rs 13.5 crore more than last June.The report, Pharma Monitor, said that drugs used in the treatment of viral infections, fevers, and vector-borne diseases along with drugs used for treating general weakness and body aches also performed well in June.The report also said that an increased number of pollen allergy cases reported in June led to demand for anti-allergic medications along with anti-histamines, nasal decongestants and antitussive or cough-suppressing preparations.

Doctors diagnose UTI, Typhoid, Gut Infections and MoreDoctors told News18 that Augmentin and Monocef are the two most commonly prescribed broad-spectrum antibiotics, and that's the reason why their volumes of sale are high.According to Dr Sumit Ray, medical director at Holy Family Hospital, New Delhi, "Monocef, probably prescribed predominantly for gut infections, typhoid and urinary tract infection (UTI), would have high sales, during the hot months, due to an increased possibility of these infections."

Khalistani terror outfit member involved in murder of ex-terrorist arrested

New Delhi: The Punjab Police's counterintelligence team have arrested a member of the Khalistani terrorist group Babbar Khalsa International (BKI), who was involved in the fatal shooting of former terrorist Rattandeep Singh in April.Taking to X, Punjab Director General of Police Gaurav Yadav said that in an intelligence-led operation by the team's Jalandhar unit, Simranjeet Bablu was arrested.Bablu was part of a module that was operated by Pakistan-based terrorist Harwinder Rinda and US-based Gopi Nawanshahria.

"In an intelligence led operation, Counter Intelligence, #Jalandhar, has apprehended key assailant Simranjeet Bablu, a member of the Babbar Khalsa International (BKI) involved in the fatal shooting of former terrorist Rattandeep

Singh on April 3, 2024 in SBS Nagar," the tweet read.

A huge cache of ammunition, including a pistol, was recovered during the arrest.The social media post said that further investigations into the matter are underway.Rattandeep Singh, 49, a former chief of the militant outfit Bhindranwale Tiger Force of Khalistan (BTFK) was gunned down by two bike-borne men on April 3, 2024.

Singh was reportedly accompanied by his nephew Gurpreet in a car at the time of the attack. Gurpreet had escaped unhurt.

Rattandeep Singh, was shot in the stomach and chest, and he died on the spot.After police went to the crime scene, they reportedly found a poster in which Gopi Nawanshahria claimed responsibility for the murder.The gangster had also taken to social media soon after the shooting, and reportedly claimed responsibility for the killing of Rattandeep Singh.

Poison Sprayed At Hathras Event Led To Stampede, Claims Godman's Lawyer

New Delhi: Days after 121 people were killed due to a stampede at a religious gathering in Hathras, advocate AP Singh has claimed that the incident that took the lives of 121 people, mostly women and children occurred because unidentified men sprayed poison during the event.Singh claimed that the group of conspirators fled the venue after causing the stampede"Unidentified men were carrying poisonous sprays...They ran while spraying the poisonous spray and it looked as a part of a pre-planned conspiracy...Many people lost their consciousness...I urge the Special Investigation Team to investigate who all are behind this incident," Advocate AP Singh told ANI on Saturday.At least 121 devotees lost their lives in a stampede at a religious 'Satsang' event of self-styled godman Suraj Pal, alias 'Bhole Baba', in Fulari village, Uttar Pradesh's Hathras, on July 2.Meanwhile, Devprakash Madhukar, the main

accused in the Hathras stampede incident, was sent to 14 days of judicial custody after being produced before the Chief Judicial Magistrate Court on Saturday. The court inquired if he had written permission for the event and from whom it was obtained. Madhukar replied that he received permission from the SDM for a gathering of 80,000 people. When asked if the event was publicised, Madhukar denied doing so.Notably, Devprakash Madhukar had been absconding, and a reward of ? 1 lakh was announced for information leading to his arrest. He was finally apprehended on July 5 in the national capital. Additionally, two other accused, Ramprakash Shakya and Sanju Yadav, were also arrested, according to the police.

Earlier on Saturday, self-styled godman Suraj Pal Singh or "Bhole Baba," broke his silence in connection with the Hathras stampede in which 121 people, mostly women and children, died, stating that "those who created the chaos will not be spared."In a video statement, Suraj Pal, who also goes by the name of Narayan Sakar Hari expressed his grief and condoled the deaths at the tragedy that took place earlier this week during a 'Satsang' in Fulari village in Hathras district.

I am deeply saddened by the incident of July 2. May God give us the strength to bear this pain. Please keep faith in the government and the administration. I have faith that those who created the chaos will not be spared. Through my lawyer AP Singh, I have requested the members

India Records Warmest June Since 1901, Says Weather Office

New Delhi: With millions of people across five continents experiencing scorching heat last month, the European Union's (EU) climate agency, Copernicus Climate Change Service (C3S), confirmed on Monday that June was the warmest on record.It also marked the 12th consecutive month of global temperatures reaching 1.5 degrees Celsius above the pre-industrial average.According to scientists at C3S, every month since June last year has been the warmest such month on record.

In January, the world completed an entire year with the mean surface air temperature exceeding the 1.5-degree Celsius threshold. June was the 12th consecutive month with monthly average temperatures above the 1850-1900 pre-industrial average.At the 2015 UN climate talks in Paris, world leaders committed to limiting the global average temperature rise to 1.5 degrees Celsius above the pre-industrial period to avoid the worst impacts of climate change. However, a permanent breach of the 1.5-degree Celsius limit specified in the Paris Agreement refers to long-term warming over a 20 or 30-year period.Earth's global surface temperature has already increased by around 1.2 degrees Celsius compared to the average in 1850-1900 due to the rapidly-increasing concentration of greenhouse gases -- primarily carbon dioxide and methane -- in the atmosphere. This warming is considered to be the reason behind record droughts, wildfires and floods worldwide.According to new data, June 2024 was the warmest on record, with an average surface air temperature of 16.66 degrees Celsius, 0.67 degrees Celsius above the 1991-2020 average for the month and 0.14 degrees Celsius above the previous high set in June 2023.

The month was 1.5 degrees Celsius above the estimated June average for 1850-1900, the designated pre-industrial reference period, making it the 12th consecutive month to reach or break the 1.5-degree

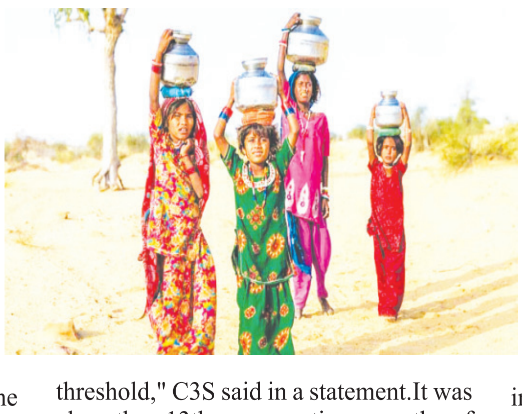

threshold," C3S said in a statement.It was also the 13th consecutive month of record-high temperatures, a result of the combined effect of the 2023-24 El Nino event and human-caused climate change. While unusual, a similar streak of monthly global temperature records happened previously in 2015-16.

"This is more than a statistical oddity and highlights a large and continuing shift in our climate. Even if this specific streak of extremes ends at some point, we are bound to see new records being broken as the climate continues to warm. This is inevitable, unless we stop adding greenhouse gases into the atmosphere and the oceans," said Carlo Buontempo, the director of C3S.The European climate agency said the global average temperature for the last 12 months (July 2023-June 2024) is the highest on record, at 0.76 degrees Celsius above the 1991-2020 average and 1.64 degrees Celsius above the 1850-1900 pre-industrial average.The world's sea surface in June was also the highest ever recorded for the month.Several countries experienced record-breaking heat and devastating floods and storms in June.According to an analysis by Climate Central, an independent group of scientists and communicators based in the United States, more than 60 per cent of the world population faced extreme heat that was made at least three times more likely by climate change during June 16-24.

NEWS BOX

Pakistan man buries 15-day-old daughter alive due to financial constraints

World A father in Pakistan's Sindh has been arrested for burying his 15-day-old daughter alive, news agency ANI reported, citing local media.

The suspect, identified as Tayyab, confessed to the crime, stating that financial constraints prevented him from affording medical treatment for his infant daughter, according to Pakistani news channel ARY News.

Tayyab admitted to the police that he placed his newborn in a sack before burying her.A case has been filed against Tayyab. The authorities are waiting for a court order to open the child's grave for forensic examination and postmortem procedures.In a separate incident in Lahore's Defence B area, a husband and wife allegedly subjected a 13-year-old domestic worker to severe abuse, including stripping and physical torture, ANI reported.

A First Information Report (FIR) has been filed against the accused, Hassam, on the complaint of the victim's mother, and he has been detained. Efforts to arrest his wife are ongoing.According to the FIR, the victim, Tehreem, was subjected to continuous physical abuse, including being stripped naked, allegedly over suspicions of theft. The mother further asserted that her daughter sustained fractures to her hand and nose during the ordeal.After undergoing a medical examination, Tehreem was released into her mother's care.

US man tries to withdraw 1 cent from bank, arrested on robbery charges

World A Florida man's alleged attempt to withdraw 1 cent from a bank went wrong because he is now facing a felony robbery charge.ichael Fleming, 41, walked into the Chase Bank in central Florida just before 2 pm on Saturday and filed out a withdrawal slip for 1 cent, according to an arrest affidavit from the Sumter County Sheriff's Office. Then, he handed over the slip to a bank teller, according to Fox 35 Orlando.However, when the teller told Michael Fleming he couldn't withdraw a penny, the 41-year-old's bizarre response frightened the bank employee."So, you want me to say the other word?" Michael Fleming told the bank teller, according to the arrest report.Afraid of possible violence, the bank teller called law enforcement. When deputies arrived, Michael Fleming was still inside the bank. He was taken into custody, the arrest affidavit said.

Though further details of the 41-year-old's conversation with the bank teller were not revealed in the arrest report, deputies said they had probable cause to believe that Michael Fleming violated Florida's robbery laws, according to Fox 35 Orlando.fter being taken into the custody, Michael Fleming was transported to the Sumter County Detention Center where a case was filed against him.

2 dead, 19 injured after shooting at block party in US's Detroit

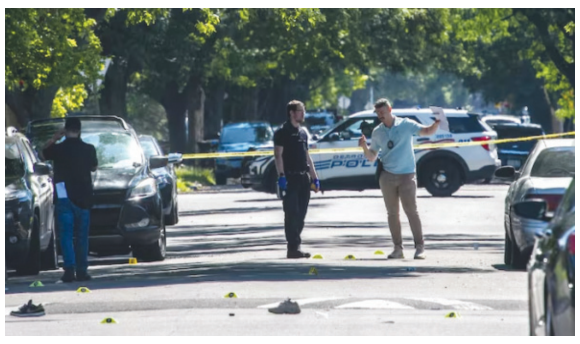

Detroit. A shooting early Sunday at a Detroit block party left two people dead, and 19 others injured, according to authorities.Michigan State Police said no one was in custody, and they were assisting Detroit Police with the investigation, according to a post on the social media platform X. The agency said their preliminary information showed two people died, and 19 others had "various injuries".

Detroit police released few details, confirming the shooting on a residential block on Detroit's east side left two people dead. But a police statement Sunday afternoon did not specify the number of people injured or the circumstances of the shooting."At this time, investigators and forensic personnel are analysing all available evidence and will be continuing their work through the weekend," police said in a Sunday statement.Police said a Monday news conference with Police Chief James White and Mayor Mike Duggan would detail a "comprehensive new strategy regarding block parties".Detroit Police Cpl. Dan Donakowski, a department spokesperson, declined further comment. Duggan's spokesperson, John Roach, said the mayor would be at Monday's news conference about "block club party safety strategy", but declined to comment on the shooting.The shooting comes amid a violent holiday weekend nationwide. Violence and mass shootings often surge in the summer months, especially around the Fourth of July. Researchers say the reason is a combination of factors, including more social events and more alcohol consumption.

Prince Harry 'bored' with wife Meghan Markle, longs for home: Report

yuiohu Prince Harry reportedly misses his home country and feels isolated from his friends, who don't visit because they dislike his wife, Meghan Markle, royal expert Tom Quinn told The Mirror on Saturday.Harry lives in Montecito, California, with Meghan, 42, and their children, Prince Archie, 5, and Princess Lilibet, 3.One of Harry's longtime friends, Hugh Grosvenor, who is Archie's godfather, got married in England last month. Harry and Meghan didn't attend the wedding. A royal expert claimed the Sussexes skipped out on celebrations to avoid "disturbing everybody" at the soiree. Harry's estranged brother, Prince William, served as an usher at the wedding.Harry last visited England in May for the 10th anniversary of the Invictus Games. Quinn said Harry didn't plan to see his friends because they remind him of his pre-Meghan life, which he prefers to avoid.Quinn also claimed Harry's friends feel "betrayed" by his portrayal of his military service in his memoir "Spare."

Moreover, Quinn said Harry's friends "don't like Meghan" and blame her for changing him into "Harry the Hippy."Harry has reinvented himself in a way that doesn't work for his family or old friends," the royal expert added.

Kim Jong Un's sister calls South Korea's live-fire drills 'suicidal hysteria'

Kim Yo Jong, sister of North Korean leader Kim Jong Un, called South Korea's recent front-line live-fire drills "suicidal hysteria" as she threatened unspecified military steps if further provoked.

Seoul, South Korea, The powerful sister of North Korean leader Kim Jong Un called South Korea's recent front-line live-fire drills "suicidal hysteria" as she threatened unspecified military steps Monday if further provoked.

The warning by Kim Yo Jong came after South Korea resumed firing exercises near its tense land and sea borders with North Korea in the past two weeks. The exercises were the first of their kind since South Korea suspended a 2018 agreement with the North aimed at easing front-line military tensions in June.

"The question is why the enemy kicked off such war drills near the border, suicidal hysteria, for which they will have to sustain terrible disaster," Kim Yo Jong said in a statement carried by state media.She accused South Korea's conservative government of deliberately escalating tensions as a way to escape a domestic political crisis. She said the riskiness of the South Korean drills is clear to everyone as they happened amid "a touch-and-go situation" established after the US, South Korea and Japan recently held a new trilateral military exercise that North Korea views as a security threat."In case it is judged according to our criteria that they violated the sovereignty of (North Korea) and committed an act tantamount to a declaration of war, our armed forces will immediately carry out its mission and duty assigned by the (North Korean) constitution," she said, without elaborating.Later Monday, Koo Byoungsam, a spokesperson at South Korea's Unification Ministry, described Kim's statement as an attempt to trigger an internal divide in South Korea, saying that

North Korea must first look at its own human rights violations and the international isolation caused by its nuclear program.South Korea's Defence Ministry separately said it will continue its live-fire drills as scheduled but didn't say when and where new exercises are planned.North Korea has been engaged in a provocative run of weapons tests since 2022. But its two recent tests — one on a missile with "a super-large warhead" and the other on a multiwarhead missile — drew widespread scepticism from South Korean officials and experts who said North Korea likely fabricated successful launches to cover up failed tests.n early June, South Korea fully suspended the 2018 inter-Korean military pact after North Korea flew balloons carrying manure, cigarette butts and wastepaper across the border to protest South Korean activists scattering political leaflets in the North via their own balloons.

The military agreement — reached during a short-lived era of reconciliation between the Koreas — required the two countries to cease all hostile acts at border areas, such as live-firing drills, aerial surveillance and psychological warfare. The deal had already been in the danger of collapse, with both Koreas taking steps in breach of it amid animosities over North Korea's spy satellite launch last November.

Hezbollah launches drone attack on Israeli surveillance centre in Golan Heights

AMMAN. The Iranian-backed Hezbollah militant group said on Sunday it launched a drone attack on Mount Hermon in the Israeli-occupied Syrian Golan Heights where Israel has a key surveillance centre.It said this was its first such bombing since it began trading fire with Israel on Oct. 8, a day after its Palestinian ally Hamas attacked southern Israel, sparking the Gaza war. Hezbollah says it would halt operations only when the war ends.Although it had hit other areas in the occupied Syrian Golan Heights repeatedly,

Lebanon's Hezbollah said it was the first time to hit the military target that is at the highest elevation in the Israeli-controlled territory.Israel has key surveillance, espionage and air defence installations on Mount Hermon where it overlooks the Syrian capital and serves to monitor Syria, Iraq, Jordan and parts of Saudi Arabia since the 1973 Oct. Arab-Israeli war.

The conflict between the Iran-backed Hezbollah and Israel has been

gradually intensifying for months, raising fears of a full-scale war, which both sides say they wish to avoid and diplomats are working to prevent it.

Hezbollah has ratcheted up its attacks, sending larger numbers of explosive drones, using a new type of rocket, and declaring that it has targeted Israeli warplanes for the first time, according to sources familiar with Hezbollah's arsenal.he escalation has tested unwritten rules that have largely confined the conflict to areas at the border or near it since October, keeping Lebanese and Israeli cities out of the firing line.Israel blames Iranian-backed Hezbollah for the increase in violence and has repeated its vows to restore security to the border. The Israel Defence Forces did not immediately reply to a request for comment on the latest Hezbollah strike.

Napoleon, ex-French emperor's pistols sold for 1.7 million euros: Auctioneers

UPDATED Two pistols that Napoleon Bonaparte once intended to use to kill himself were sold in France on Sunday for 1.69 million euros ($1.8 million), the auction house said, with the government insisting that they stay in the country as national treasures.

The identity of the buyer at the auction in Fontainebleau south of Paris of the finely adorned objects was not made public but the final sale price, with fees, was above the estimates of 1.2-1.5 million euros.Ahead of the sale of the weapons, the national treasures commission of the French culture ministry had classified the objects as national treasures and placed a ban on their export, in a decision published in the government's official journal on Saturday.The issuing of the export ban certificate opens a 30-month period during which the French government can make a purchase offer to the unidentified new owner, who has the right to refuse.Whatever its value and age, a cultural property qualified as a national treasure can leave France only temporarily, with a mandatory return.

"Being classified as a national treasure gives an incredible value to the object," said a representative of the Osenat auction house, asking not to be named.The richly decorated guns inlaid with gold and silver feature the engraved image of Napoleon in full imperial pomp.They are said to have almost been used to end the

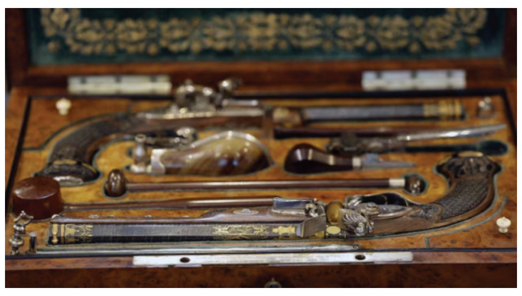

French ruler's life in 1814, when he was forced to give up power after foreign forces defeated his army and occupied Paris."After the defeat of the French campaign, he was totally depressed and wanted to commit suicide with these weapons but his grand squire removed the powder," auction house expert Jean-Pierre Osenat told AFP ahead of the sale.poleon instead took poison but vomited and survived, and later gave the pistols to his squire to thank him for his loyalty, Osenat added.Memorabilia of the emperor is extremely sought after among collectors.One of his famous "bicorne" black cocked hats with its blue, white and red trimmings sold for 1.9 million euros in November.

Gaza truce deal must let Israel resume fighting until war goals met: Netanyahu

Cairo/Jerusalem/Gaza. Any Gaza ceasefire deal must allow Israel to resume fighting until its objectives are met, Prime Minister Benjamin Netanyahu said on Sunday, as talks over a US plan aimed at ending the nine-month-old war were expected to restart.Five days after Hamas accepted a key part of the plan, two officials from the Palestinian militant group said the group was awaiting Israel's response to its latest proposal.

Netanyahu was scheduled to hold consultations late on Sunday on the next steps in negotiating the three-phase plan that was presented in May by US President Joe Biden and is being mediated by Qatar and Egypt.It aims to end the war and free around 120 Israeli hostages being held in Gaza.amas has dropped a key demand that Israel first commit to a permanent ceasefire before it would sign an agreement. Instead, it said it would allow negotiations to achieve that throughout the six-week first phase, a Hamas source told Reuters on Saturday on condition of anonymity.But Netanyahu said he insisted the deal must not prevent Israel from resuming fighting until its war objectives are met. Those goals were defined at the start of the war as dismantling Hamas' military and governing capabilities, as well as returning the hostages."The plan that has been agreed to by Israel and which has been welcomed by President Biden will allow Israel to return hostages without infringing on the other objectives of the war," Netanyahu said.The deal, he said, must also prohibit weapons smuggling to Hamas via the Gaza-Egypt border and should not allow for thousands of armed militants to return to northern Gaza.US Central Intelligence Agency Director William Burns is to meet with the Qatari prime minister and the Israeli and Egyptian intelligence chiefs on Wednesday in Doha, said a source familiar with the issue who asked not to be further identified.Burns is also expected to visit Cairo this week, along with an Israeli delegation, Egypt's Al Qahera News TV reported on Sunday, citing a high-ranking source.There was no letup in fighting inside Gaza, where late on Sunday the Israeli military renewed orders for residents and displaced families in several districts in Gaza City to leave their homes. Some residents said they were surprised by the sounds of tank shells and gunfire from Israeli drones, as some managed to flee and others were trapped at home."This is the sixth time we have been displaced. We don't know where we should go. To be honest, I don't know. I have a three-storey building, and now it was hit, I just got the news," a displaced woman who asked not to be identified told Reuters in Gaza City.

Texas residents warned against power outage, floods before Beryl makes landfall

Although Beryl remained a tropical storm on Sunday as it churned toward Texas, it threatened to potentially regain hurricane strength in the warm waters of the Gulf of Mexico before making landfall on Monday.

Matagorda, Texas Beryl began lashing Texas with rain and intensifying winds on Sunday as coastal residents boarded up windows, left beach towns under evacuation orders and prepared for the powerful storm that has already cut a deadly path through parts of Mexico and the Caribbean.lthough Beryl remained a tropical storm Sunday as it churned toward Texas, it threatened to potentially regain hurricane strength in the warm waters of the Gulf of Mexico before making landfall early Monday.The storm was projected to come ashore in the middle of the Texas coast around Matagorda Bay, an area about 161 km south of Houston, but officials cautioned the path could still change.Texas officials warned the storm would cause power outages and flooding but also expressed worry that not enough coastal residents and beach vacationers in Beryl's path were heeding warnings to leave."One of the things that kind of triggers our concern a little bit, we've looked at all the roads leaving the coast and the maps are still green," said Texas Lt. Gov. Dan Patrick, who is serving as the state's acting governor while Goveror Greg Abbott is travelling overseas.

"So we don't see many people leaving."

long the Texas coast, many residents and business owners took the typical storm precautions, but also expressed uncertainty about the storm's intensity.

In Port Lavaca, Jimmy May fastened plywood over the windows of his electrical supply company and said he wasn't concerned about the possible storm surge. He recalled that his business had escaped flooding in a previous hurricane that brought a 20-foot storm surge."In town, you know, if you're in low-lying areas, obviously, you need to get out of there," he said. the nearby

marina, Percy Roberts showed his neighbour Ken Waller how to properly secure his boat as heavy winds rolled in from the bay on Sunday evening.This is actually going to be the first hurricane I'm going to be experiencing," Waller said, noting that he's a little nervous but feels safe following Roberts' lead. "Pray for the best but expect the worst, I guess."arther down the coast in Freeport, Mark Richardson, a 64-year-old retiree, said homeowners were busy "trying to tie everything down" and worried that Beryl had people unsure about where along the Texas coast it would make landfall. He spent Sunday morning on the beach and said ocean swells were quickly rising."The ocean is getting very angry, very fast," he said.The earliest storm to develop into a Category 5 hurricane in the Atlantic, Beryl caused at least 11 deaths as it passed through the Caribbean on its way to Texas. The storm ripped off doors, windows and roofs with devastating winds and storm surge fueled by the Atlantic's record warmth.Three times in its one week of life, Beryl has gained 35 mph (56 kph) in wind speed in 24 hours or less, the official weather service definition of rapid intensification.Beryl's explosive growth into an unprecedented early whopper of a storm shows the literal hot water of the Atlantic and Caribbean, and what the Atlantic hurricane belt can expect for the rest of the storm season, experts said.Texas officials warned people along the entire coastline to prepare for possible flooding, heavy rain and wind. The hurricane warning extended from Baffin Bay, south of Corpus Christi, to Sargent, south of Houston.Beryl lurked as another potential heavy rain event for Houston, where storms in recent months have knocked out power across the nation's fourth-largest city and flooded neighbourhoods. A flash flood watch was in effect for a wide swath of the Texas coast, where forecasters expected Beryl to dump as much as 10 inches (25 cm) of rain in some areas.

NEWS BOX

Wimbledon 2024 Day 8 Schedule: Novak Djokovic, Elena Rybakina in 4th-round action

New Delhi. Seven-time champion Novak Djokovic will face a tricky fourth-round test as he faces last year's quarterfinalist Holger Rune on the Center Court on Monday, July 8. Djokovic is bidding to reach the quarter-final of the grass-court Grand Slam for the 15th time -- only Roger Federer has more quarterfinal appearances in Wimbledon (17). Meanwhile, Alexander Zverev will take on 13th seed Taylor Fritz in what is expected to be another entertaining fourth-round match in London on Monday, July 08.

The action on the center court will get underway from 1:30 pm local time when fourth seed Elena Rybakina takes on Anna Kalinskaya, who has looked solid so far at the All England Club. Kalinskaya, who has not dropped a set yet in this year's Wimbledon, has beaten Rybakina twice in their first three meetings. In their last match in May 2023, Kalinskaya retired with an injury, locking them 2-2 in head-to-head.

Alexander Zverev will then square off against Fritz while Djokovic's game has been scheduled for Monday evening on the Center Court.On Court 1, 9th seed Alex de Minaur takes on Arthur Fils of France in the day's first match. 13th seed Jelena Ostapenko will then be in action before Barbora Krejcikova and Danielle Collins meet each other in the fourth round.

Italy's Lorenzo Musetti and Ukraine's Elina Svitolina will play their fourth-round matches on Court 2 on Monday.

All eyes will be on Djokovic and Rybakina as they are expected to be tested by their spirited opponents."I'm sure that on Monday we'll see a lot of fireworks on the court. (Rune) is a spectacular player, no doubt. He loves the big stage, and loves playing on grass. I think he's very, very tricky opponent," Djokovic spoke of Rune on Saturday.

Pakistan should only have fit, robust and strong players: Jason Gillespie's mantra

Pakistan team's newly appointed red-ball head coach Jason Gillespie emphasised the importance of fitness for the team. He made it clear that there would be no compromise on the fitness of the players and that they needed to prove what value they bring to the national team. The former Australian fast bowler landed in Pakistan and addressed a press-conference ahead of the 2-match Test series against Bangladesh which will begin from August 21 at the Rawalpindi Cricket Stadium. The second Test will be played on August 30 at National Stadium Karachi.

The Pakistan team has come under immense criticism over their recent performances in the international arena. There have been constant chopping and changing within the leadership of the team and there have been questions over the fitness levels of certain players within the team. The Babar Azam-led outfit suffered an early ouster from the T20 World Cup 2024 as well.

Gillespie's emphasis on fitness

Gillespie wanted the Pakistan players to amp-up their fitness levels and called it a key factor while playing modern-day cricket. He wanted the team to play positive cricket, but not subscribe to the 'bazball' approach.

"The seniors handed the responsibility to us and it is our responsibility to take the flag ahead, we are trying our best," Bishnoi further said.National teams are not where you still question a player's value. If there are any perceptions about a player's place, he has to change it with his performances and attitude," he told reporters.

Paris Diamond League: Pakistan's Arshad Nadeem warms up for Olympics with strong show

Paris Pakistan's star javelin thrower returned to competitive action in style, finishing fourth in Paris Diamond League on Sunday, July 07. Arshad finished with a best effort of 84.21m in what was his first competitive tournament in 2024The injury-prone javelin star began with 74.11m in his first attempt in the prestigious Paris Diamond League which had a 10-man men's javelin field. However, the World Championships silver medalist quickly found consistency, hitting three throws in excess of 80m. Arshad's season best of 84.21m came in his final throw in the competition.1. 74.11m

2. 80.28m
3. 82.71m
4. 82.17m
5. 84.21m

Arshad Nadeem, feauturing in his first Diamond League meeting would have been gained in confidence after the consistent show, especially after having comeback after multiple injury concerns. It was Arshad's first tournament since August 2023 when he won silver in the World Championships final in Budapest with a season-best effort of 87.82m.Also Read: India's Kishore Jena finishes 8th in Paris DLArshad Nadeem was on the sidelines last year as he was forced to miss the Asian Games in September. Arshad was hoping to start his season in the Olympic year in February, but he underwent knee surgery and needed two more months to recover.Arshad was expected to start his season at the Paavo Nurmi Games last month, but he opted for more recovery time after picking up a minor calf muscle injury.

T20 World Cup Prize Money Breakdown: How will Rs 125 crore be shared among players

T20 World Cup 2024: The BCCI announced bumper prize money of Rs 125 crore for the Indian contingent that lifted the World Cup. Let's have a look at the breakdown of the prize money among the players as well as support staff.

New Delhi. The BCCI had announced a whopping prize money amount of Rs 125 crore for team India after their T20 World Cup 2024 triumph. The entire team was handed a cheque of the prize money during the felicitation ceremony at the Wankhede Stadium, Mumbai on July 6th, Thursday. It has been learnt that the 15 members of the World Cup winning squad will get Rs 5 crore each from the prize money. This also include Yashasvi Jaiswal, Yuzvendra Chahal and Sanju Samson, who did not feature in a single game during India's T20 World Cup 2024 campaign.Rahul Dravid, who had his last assignment as team India's head coach, alongside the rest of the core coaching group will get Rs 2.5 crore each. These include batting coach Vikram Rathour, fielding coach T Dilip and bowling coach Paras Mhambrey. The five members of the senior selection committee, including chairman Ajit Agarkar will also get Rs 1 crore each. The four reserve players will also be credited with Rs 1 crore in their bank account.

Breakdown of Rs 125 crore prize money

Among the batters, Rinku Singh and Shubman Gill, and Avesh Khan and Khaleel Amed are among the bowlers who will also get a share in the prize money. The other backroom staff will also be rewarded with Rs 2 crore each, which includes three physiotherapists, three throwdown specialists, two masseurs and the strength and conditioning coach.A total of 42 people consisted of the Indian contingent that travelled to the USA and the Caribbean islands for the World Cup. The team's video analyst, BCCI staff members travelling with the team, including media officers and the team's logistics manager will also be rewarded, as per the Indian Express.

Who all will get the share from prize money?

"Players and support staff have been informed about the amount of prize money they will be receiving from the BCCI, and we have asked everyone to submit an invoice," a BCCI source said.

A day after the Rohit Sharma-led team lifted the T20 World Cup trophy, BCCI Secretary Jay Shah announced the prize money. "As far as Rs 125 crore is concerned, it will cover the players, support staff, coaches and selectors as well. Everyone," he said.

Jasprit Bumrah shares emotional T20 World Cup video with Virat Kohli voiceover

New Delhi. Star Indian pacer Jasprit Bumrah shared an emotional video capturing some of his favorite moments from India's T20 World Cup victory celebrations in Mumbai. The video highlights Team India's bus parade in Mumbai, which commenced on Marine Drive and culminated at the iconic Wankhede Stadium, where the felicitation ceremony took place.

Thousands of ecstatic fans filled the streets of Marine Drive, and the atmosphere inside the jam-packed Wankhede Stadium was electric as the Men in Blue were greeted by a sea of supporters. The video posted by Bumrah features him proudly hoisting the coveted trophy during a victory lap, eliciting thunderous applause from the Wankhede crowd. Expressing his gratitude, Bumrah captioned the video, "I am so thankful for the last few days. I have been living a dream and it has filled me with happiness and gratitude."Adding a special touch to the video, Virat Kohli's voiceover can be heard, in which he endearingly refers to Bumrah as a national treasure. During the felicitation ceremony, Kohli was asked if he would sign a petition to officially declare Bumrah a national treasure and the eighth wonder of the world. The former Indian captain and player of the match in the T20 World Cup final promptly responded, "I'll sign the petition now."Kohli's admiration for Bumrah was evident as he lavished praise on India's standout performer of the tournament. Bumrah, who claimed an impressive 15 wickets, played a pivotal role in securing India's first ICC tournament win in 11 years. "Let him decide what he wants to do with his schedule. We want him to play as long as possible. He's a once-in-a-generation bowler, and we're so glad he plays for us," Kohli stated.

Kuldeep Yadav also shared a heartfelt post on social media, saying that June was particularly memorable for him and the entire team, as they accomplished a long-cherished dream.Kuldeep also said a heartfelt thanks to his teammates, support staff, media, and the fans who stood by them throughout the tournament. "To all my fellow Indians, The month of June has been special to me and all of us. Together, we accomplished a dream that we were chasing for long. I would like to thank my teammates, the support staff, media and of course our biggest strength, the fans who kept supporting us throughout the tournament. I hope we have entertained you all and given you moments of joy that you, your family and friends will cherish with us for a lifetime. The cup is home guys, we all did it. @BCCI," Kuldeep wrote on X.

Uma Chetry is a hard-working cricketer: India's fielding coach hails Assam's talent

New Delhi. Indian women's cricket team's fielding coach Munish Bali lauded Uma Chetry for her brilliant fielding skills and acknowledged that player for putting in the hard yards. Uma Chetry, who hails from Assam made her T20 international debut for India during the 2nd match against South Africa. However, the 2nd T20I at the M Chidambaram Stadium in Chennai resulted in a washout on July 7th, Sunday. South Africa women, who won the first T20I match by 12 runs, lead the 3-match T20I series 1-0 against India.

Chetry showcased great composure behind the wickets as he inflicted a brilliant stumping during the 14th over. It was the maiden stumping for the wicketkeeper who, although, had stumped Tanzim Brits earlier but had her gloves in the front. However, this time there was no issue as Brits attempted a lofted shot and ran down a long way outside during the process.

Chetry impresses on T20I debut

Bali backed the 21-year-old wicketkeeper and recalled how she had bravely fielded at short-leg during the Test match against South Africa last week."I was happy when she was handed her debut cap. During the Test, she fielded for around 70-80 overs she is a brave girl," Bali said during the post-match press conference."Standing at the short-leg is not easy. She got hit by the ball, but she stood there in pain. She has great attitude and is a truly hard-working cricketer. I was so happy for her to have stumped Brits."

The fielding coach emphasised on improving the fielding skills of the players amid a few slip-ups on the field."It's difficult to grip the ball when it's drizzling. But still, we fielded very well. We are working on it and it's in progress as we keep getting better slowly.

Deepti's brilliant spell vs South Africa

"No one drops catches intentionally. The players have been practising hard during our sessions, giving their best. At times, things click, and sometimes, it doesn't. Errors happen during matches. So, we keep telling them to keep giving their best and results will follow," he said.

Stuart Broad pays tribute to bowling 'addict' James Anderson ahead of final Test

New Delhi Former England pacer Stuart Broad has paid tribute to James Anderson, who will retire from international cricket following the opening Test against West Indies at Lord's, describing the veteran pace spearhead as an "addict of the art of bowling. Anderson, who has taken 700 wickets in 187 Tests, formed a formidable partnership with Broad for over a decade, making England a dominant force in home conditions."He loves the rhythm of running into the bowl, the control of the technique of his action, the tactical side of whether he's bowling away swing, inswing, wobble seam," Broad wrote in his column for The Times. "When you talk about professionals who have had longevity, you often talk about their dedication to training, their discipline in the gym and their diet. "And of course, you don't play to 42 unless you have that, but the thing that makes him different is his genuine love of the art of what he does. Addict is generally used as a negative word, but I'd say he is an addict of the art of bowling," Broad wrote.Broad also highlighted that Anderson's ability to seam the ball in diverse conditions worldwide, particularly in the subcontinent, has not received the recognition it deserves. At 41, Anderson has claimed 92 wickets in Asia, the most by any English bowler in Test history. "He doesn't get enough credit for his reverse swing, which has been crucial to his great record in the subcontinent. His line and length are so immaculate and that makes him lethal," Broad added. "Dale Steyn was phenomenal and quicker than Jimmy, but Jimmy is certainly the best reverse-swing bowler I've played with and probably the best I've witnessed in the flesh outside of Steyn."

Sanath Jayasuriya 'happy' to coach Sri Lanka, ex-opener to replace Chris Silverwood

☛Former opener Sanath Jayasuriya is all set to take over as the head coach of the Sri Lankan national team. Jayasuriya said he was approached by the cricket board to replace Chris Silverwood, who quit after T20 World Cup 2024.

UPDATED. Former opening batter Sanathan Jayasuriya is all set to take over as the new head coach of the Sri Lankan national team ahead of the upcoming series against India. Jayasuriya said on Monday he was approached by the board to replace Chris Silverwood, who quit after the T20 World Cup in the USA and the West Indies. Sanath Jayasuriya worked previously as the national team selector. He has also been serving as the consultant, overseeing players and coaches progress in their High Performance Center in Khettarama."I have been asked to take over coaching and I am happy to do it," Sanath Jayasuriya told AFP news agency. Notably, former captain Mahela Jayawardene also stepped down in June as consultant coach of the team.

Chris Silverwood served Sri Lanka cricket as the men's team head coach from April 2022 until the end of the T20 World Cup. Under his tenure, Sri Lanka won the Asia Cup in 2022, but struggled in the ODI World Cup in 2023 in India. Sri Lanka also reached the final of the Asia Cup last year, but were blown away by India in the title match.Sri Lanka failed to make it to the Super 8 stage of the T20 World Cup, managing just one victory in the group stage. Sri Lanka finished third in Group C behind South Africa and Bangladesh who qualified for the next round. Chris Silverwood said in a statement that he was quitting the role to spend more time with his family after having worked for more than 2 years with the islanders.

Sanath Jayasuriya brings in a wealth of international experience and his close association with the Sri Lanka cricket set-up will hold him in good stead. Jayasuriya represented Sri Lanka 586 times across the three formats of the game, hitting 42 centuries and taking 440 wickets. He played his last international in 2011.

Jayasuriya is expected to begin his stint as coach after the end of the ongoing Lanka Premier League (LPL) 2024 season. He is set to be in-charge of the side for the limited-overs series against India in July-August and the tour of England later in the month.

Priyanka Chopra

Shares Malti Marie's Humming Video As She Gets Ready For The Bluff Shoot, Fans React

Priyanka Chopra is currently busy with the shoot of her next film The Bluff. She has been constantly sharing a lot of updates with fans. Her daughter Malti Marie has also joined her at the shoot. Recently, Nick Jonas also joined them. Well, on Saturday she posted a video of Malti Marie humming while Priyanka gets ready for the shoot.Taking to her Instagram handle, Priyanka shared a video featuring moments she spent with her family. The video began with Priyanka Chopra in a car, giving a peek of The Bluff sets. Next, Nick's hand was seen resting on Priyanka's thighs, and she kept her hand on Malti's leg as they travelled in the car. Nick also played with Malti and went shopping with her too. In one of the photos, Malti Marie is also seen playing on the beach. The video ended with Malti Marie humming while Priyanka is recording it. "Bits and pieces (hand heart emoji) #thebluff (pirate flag emoji)," read the caption.

As soon as the video was shared, fans reacted. One of the fans wrote, "I think she will have a great singing voice here maaa maaaam was so cute and it filled my heart with joy." Another wrote, "OMG she sounds so good just like her dad."Priyanka Chopra is currently busy filming The Bluff in Australia. When not on set, she is spending time with her family. Despite her busy schedule, the actress is making sure to update her fans with what she has been up to. Her recent Instagram post brings together the best of both her worlds – personal and professional.Earlier in an interview with Quint, Priyanka was asked how she balances her work and motherhood duties. The actress shared that even she was raised by a working woman and added that it has greatly helped her take care of Malti.

"I was raised by a working mom and my mom's sisters were working moms. Even the moms who are not working (hold a job) are working all day. Working women don't get enough credit… you have to surround yourself with a village, you have to make sure that you find a supportive partner. I have so many people around my daughter, but I still feel guilty when I go to the set," Priyanka said.Apart from the two projects, Priyanka also announced her collaboration with the production team of Barry Avrich's new feature documentary, Born Hungry.

Mira Kapoor

Celebrates 9th Wedding Anniversary With Hubby Shahid Kapoor: 'Love Of My Life'

Mira Kapoor and Shahid Kapoor are often seen painting the town red with their adorable display of affection for each other. They dish out major couple goals and their social media posts for each other is proof of the same. As they celebrate their 9th wedding anniversary, Mira took to her Instagram handle to share a heartfelt video with Shahid expressing her love for him.Sharing th video, Mira wrote, You're the one I… ?????? Happy 9, love of my life @shahidkapoor Right from their wedding photos, to holidays, to spending time with their kids, the video montage gave a glimpse of everything.

Shahid Kapoor tied the knot with Mira Rajput in 2015. The couple welcomed their first child, a baby girl in 2016 and named her Misha. They then attained parenthood for the second time in 2018 when they welcomed Zain into their lives.Shahid has said in interviews that he was not sure if the meeting would last 15 mins but it lasted seven hours. However, earlier this year, the actor admitted that his married life contributed to his evolution. "Everything that is substantial or a priority, in which you invest your time, shapes who you are. As an artist you express yourself, so the choices you make are on the basis of who you are. So the choices that I make today may seem different from what I did five years back, or I will make them five years from now. They are always a reflection of what a person is in their head space. So in many ways, it kind of influences everything I do," he told Indian Express.

Meanwhile, on the film front, Shahid was last seen in Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya alongside Kriti Sanon. The film performed well at the box office and received rave reviews from the audience and critics alike. Next, he is working on big-budget films like Deva, Ashwatthama: The Saga Continues, and Farzi 2.he actor took to Instagram to announce his new film Deva on the occasion of Dussehra last year. He also shared the first look in which Shahid appeared to be playing the role of a police officer in the movie. In the photo, Shahid was seen flaunting his short hairdo while holding a gun in his hand. Sharing the photo, Shahid revealed that he is locking Dussehra 2024 for Deva. "Deva in theatres on Dussehra 11th October 2024," he wrote. The film also stars Pooja Hegde. Deva will be directed by Rosshan Andrrews and is produced by Zee Studios and Roy Kapur Films.

Salman Khan 'Suddenly' Lifted Himani Shivpuri During A Hum Aapke Hain Koun Scene: 'I Gave Him A Slap...'

Himani Shivpuri and Salman Khan first appeared together in Sooraj Barjatya's film Hum Aapke Hain Koun (1994). In a recent interview, the veteran actress recalled her time working with Salman, mentioning how he surprised her by suddenly lifting her in one scene. She also fondly remembered Salman treating the cast and crew to biryani on set.

Speaking about her experience of shooting with Salman, Himani told Bollywood Hungama, "The first time I met Salman, I remember Sooraj Barjatya explained the scene to us and he said okay. Suddenly, while filming the scene, Salman says, 'Chachi jaan' and he lifts me up. Since, I had a background in theatre, I reacted and I gave him a slap and all that and even Sooraj ji was surprised but he said, 'It's looking nice. We will keep it.' So the next time Salman lifted me suddenly in another scene, I was prepared."

Hum Aapke Hain Koun was produced by Sooraj Barjatya's Rajshri Productions, which only served vegetarian meals on set. However, Salman brought biryani from home to treat the cast and crew. Himani recounted, "Salman was such a brat. It was wonderful working with him. He would also bring food from his home – biryani and all. On the sets of Hum Aapke Hai Koun, they only served vegetarian food. So, he would bring biryani on Eid and we all used to have it. He was also a big prankster."Recently, Mukesh Rishi, known for his roles in popular films like Sarfarosh and Sooryavansham, recently talked about working with Salman Khan in the 1990s. At that time, Salman was becoming a major star in Bollywood. They worked together in the movie Judwaa, directed by David Dhawan. Mukesh described Salman as having a "Punjabi heart." He shared with Bollywood Bubble, "It was my first film with David Dhawan. Salman was a big star then." He recalled that he got a lot of time to talk to Salman and said, "Salman is not the kind of guy who chills alone. If it's a room or lobby or anywhere, he likes to chill with people. He is completely like a Punjabi in that respect. Staying together, being with friends."

Ryan Reynolds in Awe of Ranveer Singh, Deadpool and Wolverine Star Says 'This Guy Makes You Look Like...'

Deadpool & Wolverine actor Ryan Reynolds was all praise for Ranveer Singh. The actor, in an interaction with Indian content creators, was asked which Bollywood star he would love to team up with. Ryan did not think twice before naming Ranveer Singh. Coincidentally, Ranveer had lent his voice to Deadpool in Deadpool 2.In a video shared by Marvel India, Ryan said, "Oh, Ranveer Singh is amazing. He has done the voice of Deadpool. But also very funny. (Points to Hugh Jackman),You think you are in shape? This guy makes u look like a crypt keeper. He is amazing.On the other side, Hugh Jackman praised Indian cricket team skipper Rohit Sharma. Hugh revealed he's a cricket lover and took Rohit's name when asked about his favourite cricketer from the Indian team. "Right now, Rohit. Come on. You just took the cup home. I'm glad," leaving Reynolds amazed. He also described that "Rohit was a beast" in the World Cup T20 tournament.Ryan and Hugh are preparing for the release of Deadpool & Wolverine. Directed by Shawn Levy, the film — which is also being referred to as Deadpool 3 — is regarded as 2024's most-anticipated film, with its trailer becoming the most-viewed in MCU history. The film releases on July 26, 2024.During the event, Levy explained why the upcoming film isn't Deadpool 3 but will handle the two characters equally. "As far as crafting the Deadpool and Wolverine story, I just felt privileged every day because you're talking about two massive movie stars in their most iconic roles. It also gave me an opportunity. It's the third Deadpool movie, but it's not Deadpool 3. It's a different thing that's very much Deadpool & Wolverine. And it's not trying to copycat anything from the first two movies. They were awesome, but this is a two-hander character adventure," he said."